04 - न्यायालय के अंतर्विरोधी फैसले

05 - राज्यसभा चुनाव-1 : राज्यसभा चुनाव, विधिक स्थिति और कानून

A Daily News Magazine

भोपाल

सोमवार, 01 जुलाई, 2024

06- शासकीय अस्पताल की भूमि पर किया जा रहा बस स्टैंड निर्माण

07- आंसुओं के सैलाब, भावनाओं के समंदर सी जीत हिन्दुस्तान की...

भोपाल एवं इंदौर से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 21 अंक 294 नगर संस्करण, पृष्ठ -8, मूल्य रू.- 2 (डाक पंजीयन संख्याः म.प्र./भोपाल/4-391/2018-20)

पहली बात

संविधान का राडार और लोकतंत्र की सेहत

उमेश त्रिवेदी
संपादक

9893032101

जून 2024 में देश की अठारहवीं लोकसभा के चुनाव-परिणामों का तकाजा है कि संविधान, संसद और लोकतंत्र की स्वस्थ परम्पराओं का गंभीरता से अनुसरण किया जाए, लेकिन चुनावी जनादेश के बाद गठित नरेन्द्र मोदी की तीसरी मिली-जुली सरकार के मंगलाचरण में गहराता राजनीतिक गतिरोध लोकतंत्र की सेहत को लेकर गंभीर इशारे कर रहा है। चुनाव परिणामों के बाद यह आस बंधी थी कि सरकार में 'ऑटोक्रेसी' पर अंकुश लगेगा, संसदीय लोकतंत्र घनीभूत होगा और विपक्ष से संवाद की गुजांइश बढ़ेगी, लेकिन फिलवक्त यह होता महूसस नहीं हो रहा है। इसका एक बड़ा कारण यह है कि भारतीय जनता पार्टी, कांग्रेस समेत कोई भी सियासी दल चुनावी-जनादेश को संविधान के मर्म के साथ पढ़ने को तैयार नहीं है।

दिलचस्प यह है कि जद यू और तेलुगू देशम की बैसाखियों पर खड़ी मोदी-सरकार के नेता यह मानने को तैयार नहीं है कि जनता ने उन्हें अपने बलबूते पर सरकार बनाने से इंकार कर दिया है और कांग्रेस यह समझने को तैयार नहीं है कि जनता प्रतिपक्ष के मान्यता प्राप्त दल के रूप में उसकी और उसके नेताओं की परिपक्वता को एक मर्तबा फिर परखना और आजमाना चाहती है। मोदी-सरकार और उसके कारिन्दों पर दस सालों के सत्ता का गरूर हावी है और प्रतिपक्ष दल के रूप में मान्यता हासिल करने के लिए जरूरी समर्थन मिलने के बाद कांग्रेस खुद को संयोजित करने की चुनौतियों के रूबरू है। याने जन-समर्थन के सियासी राडार पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भी हैं और नेता, प्रतिपक्ष राहुल गाँधी भी हैं।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की टीम और उसके रणनीतिकार सबसे उन सवालों के जवाब ढूंढना चाहते हैं, जिनकी वजह से वो अपेक्षित संख्या-बल हासिल नहीं कर सके। दूसरी ओर कांग्रेस के कर्ताधर्ता संविधान के चिराग से सत्ता का ताला खोलने को आतुर दिख रहे हैं। कांग्रेस के सामने सबसे बड़ी चुनौती यह है कि उसे अपने चुनावी-वादों को पूरा करने के लिए देश की लोकतांत्रिक और संवैधानिक व्यवस्थाओं को संपुष्ट करने के संघर्ष को शिद्दत के साथ आगे बढ़ाना है। यह राह आसान नहीं है। लोकसभा में सांसदों की शपथ और स्पीकर के चुनाव के दरम्यान मोदी-सरकार के पहले तीन सप्ताह के कार्यकलापों के ग्राफिक्स में प्रतिपक्षी दलों की सहमति और उपस्थिति के रंग नगण्य हैं।

जो लोग प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह के मिजाज से वाकिफ हैं, वो मानते हैं कि मिली-जुली सरकार बनाने के बाद भी विपक्ष की लोकतांत्रिक सहभागिता में शायद ही इजाफा होगा। यह देखना दिलचस्प होगा कि नेता प्रतिपक्ष के रूप में मोदी-सरकार संसद, संसदीय समितियों और सरकार की समितियों में राहुल गांधी को कैसे और कितनी तवज्जो देती है? गौरतलब यह है कि प्रधानमंत्री के रूप में तीसरी बार शपथ लेने के बाद नरेन्द्र मोदी के अंदाज में कोई बदलाव नहीं आया है।

फिलवक्त वो एक मिली-जुली सरकार के प्रमुख हैं। उनके अपने दल भाजपा के पास खुद सरकार बनाने लायक बहुमत नहीं है। 543 सदस्यीय लोकसभा में भाजपा को कुल 240 सीटों पर सिमट जाना पड़ा है। सामान्य बहुमत के लिए आवश्यक 272 सीटों से वो 32 सीट पीछे हैं। नतीजतन मोदी-सरकार एनडीए के अपने 24 सहयोगियों की बैसाखी पर खड़ी है, जिनके सदस्यों की संख्या 53 है। प्रधानमंत्री मोदी के कैबिनेट में 72 लोगों को मंत्री बनाया गया है। एनडीए के 24 सहयोगी दलों में से सिर्फ 9 सहयोगी दलों को ही इसमें जगह मिली है। बहुमत नहीं होने के बावजूद नरेन्द्र मोदी ने सभी प्रमुख विभाग भाजपा के पास रख कर यह संदेश देने की कोशिश की है कि वो सरकार अपने ही तरीके से चलाएंगे।

फिर भी गठबंधन की विवशताएं, विरोधाभास और विघटन की संभावनाओं को एकदम नकारना मोदी के लिए संभव नहीं है। सहयोगी दलों की सौदेबाजी को उन्हे हर हाल में झेलना होगा। सियासी हलकों में जदयु के नीतीश कुमार और तेलुगू देशम पार्टी के प्रमुख चन्द्रबाबू नायडू धाकड़ सौदेबाज माने जाते हैं। दोनो को पता है कि मोदी और भाजपा के लिए सत्ता में बने रहना कितना जरूरी है? इसकी बानगी सामने आने लगी है। गत शनिवार 29 जून को दिल्ली में आयोजित बिहार की सत्तारूढ़ जनता दल युनाइटेड की राष्ट्रीय कार्यकारिणी ने सर्वसम्मति से केन्द्र सरकार से मांग की है कि बिहार राज्य को विशेष राज्य का दर्जा दिया जाए। इस बैठक की अध्यक्षता बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने की थी। चन्द्र बाबू नायडू के मन भी ऐसे कई लड्डू फूट रहे हैं। सौदेबाजी की पहली खेप में जदयू और टीडीपी को कैबिनेट में दो-दो मंत्रालय मिले हैं।

बहरहाल, चुनाव के जनादेश सभी दलों को आत्म-निरीक्षण का संदेश दे रहा है। पक्ष-विपक्ष को अपने राजनीतिक औजारों को बदलना पड़ेगा। अतीत के गर्भ को खंगाल कर कांग्रेस और जवाहरलाल नेहरू को निरन्तर कोसते रहने की राजनीति भविष्य में कारगर होती प्रतीक नहीं हो रही है। उसी प्रकार कांग्रेस के गलियारों में मोदी-प्रलाप का महाप्रपंच अब ऊब पैदा करने लगा है। संविधान की बात करने वाले सभी लोगों को सोचना होगा कि संविधान लोकतंत्र को मेरिट के आधार पर चलाने का उपक्रम है। यह अच्छी बात है कि इस लोकसभा चुनाव ने संविधान और लोकतंत्र की बहस को जिंदा कर दिया है। संविधान की रक्षा की कसमें सभी सियासी दल खा रहे हैं। पिछले 75 सालों में हाशिये पर रखे संविधान और लोकतंत्र की मर्यादाओं पर कांग्रेस और भाजपा के बीच राजनैतिक तकरार अन्ततः लोकतंत्र की मजबूती के लिए मददगार ही साबित होगी। संविधान के पक्ष-विपक्ष में दलीलों का यह सिलसिला नया नहीं है। सबसे पहले भाजपा के सांसद अनंत कुमार हेगड़े ने कहा था कि संविधान में संशोधन के लिए भाजपा को 400 सीटों पर जीतना जरूरी है। उनका यह कथन भाजपा के गले में हड्डी बन कर अटक गया, जिसे वो आखिर दम तक नहीं निगल सकी। लोगों ने इंडिया ब्लॉक के दलों की इस बात पर भरोसा किया है कि बहुमत मिलने के बाद भाजपा संविधान में संशोधन करके दलित, आदिवासियों और पिछड़े वर्ग के संवैधानिक अधिकारों में कटौती कर सकती है। भाजपा ने इसका खंडन भी किया, लेकिन आमजनों की धारणाओं में ज्यादा फर्क नही पड़ा। अब जबकि लोकसभा में कांग्रेस के सभी सांसदों के हाथ में संविधान की किताब है, उसकी इबारत लोगों के जहन में तरोताजा होगी और लोकतंत्र की नियोजित करने में मददगार साबित होगी। कसौटी पर पक्ष-विपक्ष दोनों हैं।

सुबह सवेरे

subahsaverenews@gmail.com

facebook.com/subahsaverenews

www.subahsavere.news

twitter.com/subahsaverenews

मोदी की वापसी से रफ्तार पकड़ेगा भारत से यूरोप का कॉरीडोर!

चीन के बीआरआई प्रोजेक्ट को बेकार करेगा नई दिल्ली का प्लान

दुबई (एजेंसी)। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तीसरी कार्यकाल के लिए शपथ लेने के बाद भारत सरकार ने महत्वाकांक्षी भारत-मध्य पूर्व-यूरोप आर्थिक गलियारे पर काम शुरू कर दिया है। नई दिल्ली के वर्तमान एजेंडे में गलियारे को लेकर योजनाएं सबसे ऊपर हैं। शुरुआती चरण में इसे भारत और संयुक्त अरब अमीरात के बीच शुरू किए जाने पर काम चल रहा है। इसी सप्ताह गुरुवार

- **पहले चरण में भारत और यूएई के बीच शुरू करने की है योजना**

को सरकार बनने के बाद पहले संसद सत्र में मोदी सरकार 3.0 के एजेंडे को सामने रखते हुए राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि भारत-पश्चिम एशिया-यूरोप आर्थिक गलियारा 21वीं सदी के सबसे बड़े परिवर्तनकारी कारकों (गेमचेंजर) में से एक साबित होगा। नई दिल्ली जल्द से जल्द परियोजना के पहले चरण को लागू करने के लिए इच्छुक है। उसने सितंबर 2023 में परियोजना की पहली घोषणा के लगभग नौ महीने बाद कार्य पूरा करने के लिए 100-दिवसीय समय सीमा की घोषणा की है। बीते साल सितम्बर में जी 20 शिखर सम्मेलन के दौरान नई दिल्ली में भारत, संयुक्त राज्य अमेरिका, सऊदी अरब, इटली, फ्रांस, जर्मनी और यूरोपीय संघ ने गलियारे को अंतिम रूप दिया था।

दो भागों से मिलकर बना यह गलियारा भारत, संयुक्त अरब अमीरात और सऊदी अरब के बीच जहाज द्वारा पारगमन से शुरू होता है, जो आगे चलकर रेल लिंक के माध्यम से जॉर्डन से जुड़ता है, फिर तुर्की और यूरोप तक जाता है। इटली में बीते 13-15 जून को आयोजित जी7 शिखर सम्मेलन में पीएम मोदी और भारत के विदेश मंत्री सुब्रह्मण्यम जयशंकर ने आईईएमसी पर भारत के विजन को आगे रखा, जिसका नतीजा रहा कि शिखर सम्मेलन के अंत में सभी भाग लेने वाले देशों की तरफ से जारी संयुक्त विज्ञप्ति में में आईईएमसी जैसी ठोस बुनियादी ढांचे के प्रस्तावों को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्धता जताई गई।

विज्ञप्ति में कहा गया,हम गुणवत्तापूर्ण अवसंरचना और निवेश की खातिर परिवर्तनकारी आर्थिक गलियारे विकसित करने के लिए जी-7 पीजीआईआई (वैश्विक अवसंरचना और निवेश के लिए साझेदारी) के ठोस प्रस्ताव, प्रमुख परियोजनाओं और पूरक प्रस्तावों को बढ़ावा देंगे।

बिहार के बाद अब झारखंड में भी बह गया भ्रष्टाचार का पुल

- पहली ही बारिश में गिरिडीह में ध्वस्त हो गया निर्माणाधीन ब्रिज

गिरिडीह (एजेंसी)। झारखंड में भारी बारिश के कारण निर्माणाधीन पुल टूट गया। यह पुल फतेहपुर-भेलवाघाटी सड़क पर अरगा नदी पर बन रहा था। स्थानीय लोगों का आरोप है कि घटिया निर्माण सामग्री के इस्तेमाल के कारण पुल

टूट गया और इसमें भ्रष्टाचार का बड़ा हाथ है। यह घटना शनिवार शाम को हुई जब मॉनसून की पहली बारिश के दौरान अरगा नदी का जलस्तर अचानक बढ़ गया। तेज बहाव के कारण पुल का एक पिलर टेढ़ा हो गया और फिर पूरा पुल ढह गया। स्थानीय लोगों ने बताया कि पुल के गिरने की आवाज इतनी तेज थी कि आस-पास के घरों के लोग डर गए।

सीमा पर 15520 किमी का रोड नेटवर्क बनाएगा भारत

- चीन-पाकिस्तान पर फोकस, 250 राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं पर काम जारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र की मोदी सरकार देश की सीमाओं को सुरक्षित करने के लिए 15,520 किलोमीटर बॉर्डर रोड नेटवर्क खड़ा कर रही है। रणनीतिक रूप से अति महत्वपूर्ण इस नेटवर्क में सरकार 3600 किमी सड़क का निर्माण करा चुकी है, जबकि 6700 किमी सड़क निर्माणाधीन है। मोदी सरकार-3.0 के विजन-2047 के मास्टर प्लान फेज-1 व फेज-2 में 5220 किमी बॉर्डर रोड नेटवर्क (रणनीतिक व अंतरराष्ट्रीय) खड़ा करने का लक्ष्य रखा गया है। मास्टर प्लान के दस्तावेज के अनुसार फेज-1 में कुल 2379 किमी के दो लेन राष्ट्रीय राजमार्ग सिर्फ अरुणाचल प्रदेश में बनेंगे। जम्मू-कश्मीर में 166 किमी राजमार्ग का निर्माण होगा। वहीं, फेज-2 में सिक्किम (21 किमी), पश्चिम बंगाल (75 किमी), असम (144 किमी), बिहार (48 किमी), झारखंड (141 किमी) के साथ गुजरात, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश में राजमार्ग निर्माण किए जाएंगे। फेज-एक व दो को 2047 से पहले समाप्त किया जाएगा। बॉर्डर रोड नेटवर्क खड़ा करने पर सरकार 75,000 से एक लाख करोड़ रुपये तक का निवेश करेगी। इसकी असल लागत डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट तैयार होने के पश्चात भी सामने आएगी। चीन, पाकिस्तान, बांग्लादेश सहित अन्य देशों के साथ भारत 15,106 किमी की अंतर्राष्ट्रीय भूमि सीमा साझा करता है।

सुप्रभात

बारिश आने से पहले
बारिश से बचने की तैयारी जारी है
सारी दरारें बन्द कर ली हैं
और लीप के छत, अब छतरी भी मढ़वा ली है
खिड़की जो खुलती है बाहर
उसके ऊपर भी एक छज्जा खींच दिया है
मेन सड़क से गली में होकर, दरवाज़े तक आता रास्ता
बजरी-मिट्टी डाल के उसको कूट रहे हैं!
यहीं कहीं कुछ गड्ढों में
बारिश आती है तो पानी भर जाता है
जूते पाँव, पाँएचे सब सन जाते हैं
गले न पड़ जाए सतरंगी
भीग न जाएँ बादल से
सावन से बच कर जीते हैं
बारिश आने से पहले
बारिश से बचने की तैयारी जारी है!

- गुलजार

चंद्रयान-3 के बाद चांद पर कमाल करेगा चंद्रयान-4

इसरो ने शुरू की नए मिशन की तैयारी, चीफ ने बताया प्लान

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) एक बार फिर से अपने विज्ञान और तकनीक के अद्वितीय कारनामों से दुनिया को चौंकाने की तैयारी में है। इसरो के अध्यक्ष एस. सोमनाथ ने हाल ही में एक इंटरव्यू में बताया कि भारत 2040 तक इंसान को चांद पर भेजने की दिशा में तेजी से कार्य कर रहा है। उन्होंने बताया कि यह मिशन चंद्रयान मिशनों की एक अहम कड़ी होगी, जो भारत को अंतरिक्ष अन्वेषण के क्षेत्र में एक नई ऊंचाई पर ले जाएगा। पिछले साल, इसरो ने चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव के निकट चंद्रयान-3 को सफलतापूर्वक उतार कर इतिहास रच दिया था। यह उपलब्धि न केवल भारत के अंतरिक्ष मिशनों में मील का पत्थर साबित हुई, बल्कि

दुनिया भर में इसरो की वैज्ञानिक क्षमता और तकनीकी कौशल की सराहना भी हुई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चंद्रयान-3 की लैंडिंग साइट का नाम शिव शक्ति रखा, जो अब इसरो के आगामी चंद्र मिशनों का एक महत्वपूर्ण बिंदु बनेगा। एक इंटरव्यू में एस. सोमनाथ ने बताया कि इसरो का लक्ष्य शिव शक्ति प्वाइंट से अगले कुछ वर्षों में चंद्र नमूने को पृथ्वी पर लाना है। इसरो के इस मिशन का उद्देश्य चंद्रमा की संरचना और उसके रहस्यों को और गहराई से समझना है।

परिवहन क्षेत्र में सुशासन का महत्वपूर्ण कदम : मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सुशासन के अंतर्गत देश में अनेक कार्य किए जा रहे हैं। इस नाते परिवहन क्षेत्र में मध्यप्रदेश में कुछ बदलाव किए गए हैं। चेक पोस्ट संबंधी नई व्यवस्था शीघ्र लागू की जा रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि एक जुलाई से परिवहन चेक पोस्ट जो अन्य प्रांतों की सीमा पर वाहनों के आवागमन के संबंध में भूमिका अदा करती हैं वहां संबंधित जिला प्रशासन के साथ तालमेल कर वर्तमान में हो रही अव्यवस्थाओं को दूर करने और पारदर्शी व्यवस्था लागू करने का कदम उठाया गया है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश सुशासन के लिए जाना जाता है। परिवहन व्यवस्था के संबंध में शिकायतें प्राप्त होने पर राज्य शासन द्वारा सख्त कार्रवाई की जाएगी। नई व्यवस्था से भारी वाहनों के संचालकों को किस प्रकार की असुविधा नहीं होगी। शिकायतों को दूर कर साफ-सुथरे ढंग से परिवहन विभाग के मूल कार्य को बेहतर ढंग से संचालित करने के प्रबंध किए गए हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने आज मुख्यमंत्री निवास स्थित समत्व भवन से वीडियो कांफ्रेंस में सभी जिलों से जुड़े प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारियों को निर्देश दिए कि परिवहन विभाग को नई व्यवस्था में आवश्यक सहयोग प्रदान किया जाए। प्रदेश में अब सीमावर्ती जिलों में नई

व्यवस्था में उड़नदस्ते कार्य करेंगे। बाहरी वाहनों के संचालकों को कोई समस्या नहीं आएगी। नई पारदर्शी व्यवस्था सभी के लिए उपयोगी सिद्ध होगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने निर्देश दिए कि परिवहन विभाग द्वारा महाविद्यालयों में विद्यार्थियों के ड्राइविंग लाइसेंस तैयार करने के लिए शिविर लगाए जाएं। यात्री बसों के संचालन में निर्धारित स्थान से बस चलाने के नियम का पालन किया जाए। समय सारणी का पालन किया जाए। स्कूल की बसों की चेकिंग भी की जाए। ग्रामीण परिवहन सेवा को बेहतर बनाने पर ध्यान दिया जाए। वीडियो कांफ्रेंस में मुख्य सचिव श्रीमती वीरा राणा, अपर मुख्य सचिव मुख्यमंत्री कार्यालय डॉ. राजेश राजौरा, अपर मुख्य सचिव परिवहन श्री एस. एन. मिश्रा, मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव श्री संजय कुमार शुक्ला, श्री राघवेंद्र कुमार सिंह, प्रमुख सचिव जनसम्पर्क एवं विमानन श्री संदीप यादव एवं अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

गुजरात पैटर्न की विशेषताएं और मध्यप्रदेश में इसकी शुरूआत- परिवहन विभाग के राजस्व संग्रहण में वृद्धि और व्यवस्थित कार्य प्रणाली लागू करने की पहल करते हुए प्रदेश में आवश्यक प्रबंध किए गए हैं। शिकायतों को समाप्त किया जा सकेगा। वाहन चालकों और संचालकों की दिक्कतें दूर होंगी। प्रदेश में ईज ऑफ डूइंग बिजनेस के अंतर्गत अहम निर्णय किया गया है।

अमरनाथ यात्रियों को ले जा रही कार का एक्सीडेंट

- 2 की हालत गंभीर, पहले दिन 14 हजार श्रद्धालुओं ने बाबा बर्फानी के किए दर्शन

अनंतनाग (एजेंसी)। अमरनाथ यात्रा का दूसरा दिन है। 6 हजार 619 श्रद्धालुओं का तीसरा जत्था रविवार को जम्मू के भगवती नगर बेस कैंप से रवाना हुआ। इस बीच, यात्रियों को ले जा रही एक कार का

रविवार को पहलगाम के पास चंदनवाड़ी में एक्सीडेंट हो गया। इसमें दो श्रद्धालु गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों की पहचान झारखंड के विजय मंडल और गुरवा देवी के रूप में हुई है। बीएसएफ दोनों को इलाज के लिए अस्पताल ले आई। इसके बाद उन्हें अनंतनाग के अस्पताल रेफर कर दिया गया है।

भोपाल का तापमान

अधिकतम 40.5 °c | न्यूनतम 36°c

सुबह सवेरे

भोपाल ■ सोमवार, 01 जुलाई 2024

जो अग्नि हमें गर्मी देती है , हमें नष्ट भी कर सकती है ; यह अग्नि का दोष नहीं है।

चाणक्य नीति

सूर्या का कैच, रोहित की लीडरशिप कमाल कर दिया

- कांग्रेस अध्यक्ष खरगे और राहुल ने टीम इंडिया को दी बधाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी ने टी20 क्रिकेट विश्व कप जीतने के लिए भारतीय टीम को बधाई दी है। राहुल के अलावा, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने भी भारतीय टीम को

बधाई दी है। राहुल गांधी ने इस बात का भी उल्लेख किया कि सूर्य कुमार यादव ने मैच के आखिरी समय में सीमा रेखा पर दक्षिण अफ्रीका के बल्लेबाज डेविड मिलर का शानदार कैच पकड़ा। राहुल गांधी ने ट्वीट करते हुए लिखा, विश्व कप की शानदार जीत और पूरे टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन के लिए टीम इंडिया को बधाई। सूर्या, क्या शानदार कैच पकड़ा। रोहित, यह जीत आपकी लीडरशिप का प्रमाण है। राहुल, मैं टीम इंडिया को बधाई देता हूं।

जनता के संदेश को समझ नहीं रहे मोदी, उपाध्यक्ष पद भी नहीं दिया

- सोनिया गांधी ने बोला हमला, कहा-'इंडिया' टकराव नहीं चाहता है

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी ने शनिवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लोकसभा

चुनाव में जनादेश के संदेश की अनदेखी कर रहे हैं और टकराव को महत्व देना जारी रखे हुए हैं। उन्होंने कहा कि मोदी ऐसे पेश आ रहे हैं कि मानो कुछ बदला ही नहीं है। उन्होंने अंग्रेजी अखबार में लिखे लेख में यह आरोप भी लगाया कि लोकसभा में 1975 के आपातकाल की निंदा की गई ताकि संविधान और संवैधानिक संस्थाओं पर मोदी सरकार के हमले से ध्यान हटाया जा सके।

फ्रांस के चुनाव में जीत सकती है 'मुस्लिम विरोधी' पार्टी

- भारत के दोस्त मैक्रों को उल्टा पड़ गया मध्यावधि चुनाव का दांव

पेरिस (एजेंसी)। फ्रांस में संसदीय चुनाव के पहले दौर के लिए रविवार को मतदान जारी है और यह अनुमान जताया जा रहा है कि नाजी युग के बाद, सत्ता की बागडोर पहली बार राष्ट्रवादी एवं धुर-दक्षिणपंथी ताकतों के हाथों में जा सकती है। दो चरणों में हो रहे संसदीय चुनाव सात जुलाई को संपन्न

होंगे। चुनाव परिणाम से यूरोपीय वित्तीय बाजारों, यूक्रेन के लिए पश्चिमी देशों के समर्थन और वैश्विक सैन्य बल एवं परमाणु शस्त्रागार के प्रबंधन के फ्रांस के तौर-तरीके पर काफी प्रभाव पड़ने की संभावना है। कई फ्रांसीसी मतदाता महंगाई और आर्थिक चिंताओं से परेशान हैं और वे राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के नेतृत्व से भी निराश हैं। मरीन ले पेन की आव्रजन विरोधी 'नेशनल रैली' पार्टी ने इस असंतोष को चुनाव में भुनाया है और उसे विशेष रूप से 'टिकटॉक' जैसे ऑनलाइन मंचों के जरिए हवा दी है।

हार पर किया मंथन विधानसभा चुनाव से पहले संगठन में बदलाव!

- महाराष्ट्र को लेकर ऐक्टिव हुई बीजेपी, दिल्ली में की बड़ी बैठक

मुंबई (एजेंसी)। बीजेपी दिल्ली ऑफिस में मंगलवार की शाम को महाराष्ट्र बीजेपी कोर ग्रुप की बैठक हुई। यह बैठक देर रात तक चली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने बीजेपी कोर ग्रुप की बैठक की अध्यक्षता की। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव, पीयूष गोयल, महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस समेत महाराष्ट्र बीजेपी के वरिष्ठ नेताओं ने बैठक में भाग लिया। महाराष्ट्र में बीजेपी सरकार में शामिल है लेकिन राज्य में लोकसभा चुनाव में बीजेपी को उम्मीद के मुताबिक परिणाम नहीं मिले हैं। सूत्रों का कहना है कि बीजेपी ने महाराष्ट्र लीडरशिप और सरकार में बदलाव की संभावना से इंकार किया है। यानी राज्य में बीजेपी संगठन और सरकार में शामिल बीजेपी नेताओं को बदलने की कोई संभावना अभी नजर नहीं आ रही है। हालांकि बैठक में लोकसभा चुनाव के नतीजों की समीक्षा की गई है।

देश में आज से लागू हो जाएंगे तीन नए आपराधिक कानून

अमल में लाने के लिए सरकार की तैयारियां पूरी,एक दर्जन से ज्यादा की बैठकें

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के तीन नए आपराधिक कानून भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम कल सोमवार से लागू होंगे। कार्यान्वयन की तैयारी के लिए सरकार ने विभिन्न केंद्रीय मंत्रालयों, राज्य/केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य सचिवों और पुलिस प्रमुखों के साथ बैठकें करके तैयारियां की हैं। इसके अलावा इस दिन को मनाने के लिए कई कार्यक्रमों की योजना बनाई गई है। इन तैयारियों और कार्यक्रमों पर एक नजर डालें। बार काउंसिल ऑफ इंडिया ने आदेश दिया है कि नए कानूनों को 2024-25 शैक्षणिक वर्ष से विश्वविद्यालयों और कानूनी शिक्षा केंद्रों के पाठ्यक्रम में शामिल किया जाए। स्कूली शिक्षा विभाग अक्टूबर से मार्च के बीच कक्षा 6 से ऊपर के छात्रों के लिए विशेष मॉड्यूल बनाएगा। लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी, मसूरी ने न्यायिक अधिकारियों और अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो, फोरेंसिक लैब आदि के अधिकारियों के लिए पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया है। महिला एवं बाल विकास मंत्रालय, ग्रामीण विकास, पंचायती राज मंत्रालयों ने 21 जून को लगभग 40 लाख जमीनी कार्यकर्ताओं के लिए नए कानूनों पर हिंदी वेबिनार आयोजित किया; 25 जून को अंग्रेजी में दूसरा वेबिनार आयोजित किया गया जिसमें लगभग 50 लाख लोगों ने भाग लिया।

तीसरे कार्यकाल में पीएम मोदी ने पहली बार की मन की बत

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री मोदी ने लगभग 4 महीने बाद रेडियो प्रोग्राम मन की बात की। इस दौरान उन्होंने लोकसभा

- बोले-मां के नाम पर पेड़ लगाएं, पेरिस ओलंपिक के लिए खिलाड़ियों को दी बधाई

चुनाव, हूल दिवस, रथयात्रा-अमरनाथ यात्रा, कुवैत रेडियो के हिंदी शो, लोकल प्रोडक्ट्स, पर्यावरण दिवस और योग दिवस

पर बात की। पीएम ने 26 जुलाई से होने वाले पेरिस ओलिंपिक में जाने वाली भारतीय टीम को शुभकामनाएं दीं और कहा कि इस बार ओलिंपिक में कुछ चीजें पहली बार देखने को मिलेंगी। खिलाड़ी भी अलग लेवल का रोमांच दिखाएंगे। इससे पहले मन की बात 110वां एपिसोड फरवरी में टेलीकास्ट हुआ था। तब पीएम मोदी ने कहा था कि राजनीतिक मर्यादा के चलते लोकसभा चुनाव के दौरान 3 महीने 'मन की बात' का प्रसारण नहीं होगा।

पीएम ने कहा कि मैंने आपको तीन महीने पहले कहा था कि मैं फिर मिलूंगा। पीएम मोदी ने कहा कि इस वर्ष पर्यावरण दिवस पर हर देशवासी अपनी मां के नाम पर पेड़ लगाए और धरती मां को बचाए।पीएम मोदी ने जलवायु परिवर्तन के कारण बदल रहे मौसम के लिए पौधारोपण को जरूरी बताया।

यूक्रेन जंग के बीच दोस्त पुतिन से मिलेंगे मोदी!

पीएम मोदी के लिए रूस है खास,जा रहे मॉस्को

मॉस्को (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ एक दिवसीय शिखर सम्मेलन के लिए जल्द ही मॉस्को की यात्रा करने वाले हैं। पीएम मोदी ऐसे समय में मॉस्को पहुंच रहे हैं, जब पुतिन पिछले दो साल से ज्यादा समय से यूक्रेन की जंग में उलझे हुए हैं। इसके बावजूद परिणाम उनकी आशा के अनुरूप नहीं रहा है। अमेरिका से मिले अत्याधुनिक हथियारों के चलते यूक्रेन ने रूस से कड़ा मुकाबला किया है। हाल के दिनों में यूक्रेन ने अमेरिकी निर्मित ड्रोन से रूस के भीतरी इलाकों में हमले किए हैं।

शिक्षा से भी ज्यादा शादी पर खर्च करते हैं भारतीय

- साल में 10 लाख करोड़ का है भारतीय विवाह उद्योग, हैरान कर रही रिपोर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय विवाह उद्योग का आकार लगभग 10 लाख करोड़ रुपये है, जो खाद्य और किराना के बाद दूसरे स्थान पर है। एक रिपोर्ट में यह जानकारी देते हुए कहा गया कि आम हिंदुस्तानी शिक्षा की तुलना में विवाह समारोह पर दोगुना खर्च करते हैं। भारत में सालाना 80 लाख से एक करोड़ शादियां होती हैं, जबकि चीन में 70-80 लाख और अमेरिका में 20-25 लाख शादियां होती हैं। ब्रोकरेज फर्म जेफरीज ने एक रिपोर्ट में कहा, भारतीय विवाह उद्योग अमेरिका (70 अरब अमेरिकी डॉलर) के उद्योग के आकार का लगभग दोगुना है। हालांकि, यह चीन (170 अरब अमेरिकी डॉलर) से छोटा है। रिपोर्ट के मुताबिक भारत में खपत श्रेणी में शादियों का दूसरा स्थान है। अगर शादी एक श्रेणी होती, तो वे खाद्य और किराना (681 अरब अमेरिकी डॉलर) के बाद दूसरी सबसे बड़ी खुदरा श्रेणी होती। भारत में शादियां भव्य होती हैं और इनमें कई तरह के समारोह और खर्च होते हैं।

हम 100 में से 75 लाए, वो 25 में खुद को पास बता रहे

- लोकसभा चुनाव परिणामों पर अमित शाह का कांग्रेस पर हमला

चंडीगढ़ (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को कांग्रेस पर निशाना साधा। उन्होंने कांग्रेस पार्टी पर लोकसभा चुनाव के परिणामों को लेकर जनता के बीच भ्रम फैलाने का आरोप लगाया। शाह ने कहा कि हमें 100 में 85 नंबरों की उम्मीद थी, हालांकि 75 आए और वो 25 में फेल होकर भी खुश ऐसे हैं मानो जीत

गए। शाह ने कहा कि अकेले भाजपा को चुनाव में पूरे इंडिया ब्लॉक के बराबर सीटें मिली हैं। शाह ने कहा कि आगामी हरियाणा चुनाव में भाजपा अकेले चुनाव लड़ने जा रही है और दावा किया कि वे लगातार तीसरी बार सरकार बनाएंगे। अमित शाह हरियाणा के पंचकूला में भाजपा नेताओं और पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भाजपा आगामी हरियाणा विधानसभा चुनाव मौजूदा मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में अकेले चुनाव लड़ेगी। शाह ने दावा किया कि भाजपा लगातार तीसरी बार हरियाणा में सरकार बनाने जा रही है।

एक युग का अंत...

रोहित शर्मा, विराट कोहली और रविन्द्र जडेजा ने ले ली टी-20 से विदाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के टी20 विश्व कप 2024 का विजेता बनने के साथ ही टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट के एक युग का अंत हो गया। विराट कोहली और रोहित शर्मा ने जहां टी20 इंटरनेशनल

- वर्ल्ड चैंपियन बनकर दोनों ने किया संन्यास का ऐलान
- राहुल द्रविड़ के कोचिंग करियर पर भी लगा पूर्ण विराम

क्रिकेट से संन्यास का ऐलान किया वहीं भारतीय ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा ने भी टी-20 इंटरनेशनल क्रिकेट से रिटायरमेंट का ऐलान कर दिया है। वहीं, भारत का विजयी अभियान पूरा होने के साथ ही राहुल द्रविड़ के कोचिंग करियर पर भी पूर्ण विराम लग

गया। राहुल द्रविड़ का भारतीय क्रिकेट टीम के हेड कोच के रूप में कार्यकाल आईसीसी मेन्स टी20 वर्ल्ड कप 2024 तक ही था। बारबाडोस में भारतीय क्रिकेट टीम ने अपने उन आलोचकों को चुप करा दिया, जिन्होंने उसके बिग-मैच टेम्परामेंट पर सवाल उठाए थे और क्रिकेट में आर्थिक महाशक्ति होने के बावजूद खिताब जीतने में विफल रहने पर मजाक उड़ाया था। रोहित शर्मा ने बताया कि फाइनल की जीत का टीम के लिए क्या मायने है, खासकर पिछले साल 50 ओवर के विश्व कप में ऑस्ट्रेलिया से दिल तोड़ने वाली हार मिलने के बाद। इस टी20 विश्व कप की तरह भारत वनडे वर्ल्ड कप 2023 में भी फाइनल से पहले तक अपराजित था, लेकिन बारबाडोस में टीम इंडिया ने वह मुकाबला जीत लिया। विश्व विजेता बनने के बाद रोहित शर्मा ड्रेसिंग रूम की ओट में चले गए और अपने आंसू पोंछते हुए बाहर आए।

पासपोर्ट घोटाला मामले में सीबीआई का बड़ा ऐक्शन

- 32 अधिकारियों और एजेंटों के खिलाफ किया केस दर्ज

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने शनिवार को महाराष्ट्र में 33 जगहों पर छापेमारी की। भारी रिश्वत के बदले संदिग्ध पासपोर्ट जारी करने के आरोप में 32 लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया गया। एक अधिकारी ने मुंबई में आज यह जानकारी दी। सीबीआई ने प्रेस नोट जारी कर बताया कि इस संबंध में शिकायत मिली थी। इसके बाद जांच एजेंसी ने नासिक के अलावा मलाड और लोअर परेल में पासपोर्ट सेवा केंद्रों में पासपोर्ट विभाग के 14 अधिकारियों के खिलाफ मुंबई और नासिक में 12 मामले दर्ज किए। सीबीआई की ओर से जारी विज्ञप्ति में बताया गया कि जिन लोगों पर मामला दर्ज किया गया है, उनमें 14 पासपोर्ट सहायक, पीएसके के सीनियर पासपोर्ट सहायक और बाकी 18 बाहरी सुविधा एजेंट/दलाल शामिल हैं। ये सभी संयुक्त रूप से भ्रष्टाचार गतिविधियों में लिप्त हैं। इसके अलावा मुंबई का क्षेत्रीय पासपोर्ट कार्यालय के अन्तर्गत आने वाले दोनों शहरों में 33 स्थानों पर छापे मारे गए। आरोपी एक-दूसरे के नियमित संपर्क में थे।

रोजगार के वास्ते मोदी सरकार खोलेगी अपना खजाना

मिडिल क्लास पर रहेगा फोकस, आम बजट की तैयारी शुरू

नई दिल्ली (एजेंसी)। आगामी आम बजट के जरिए केंद्र की भाजपा सरकार अपने चुनावी घोषणा पत्र के वादों को पूरा करने की तैयारी में है। इसको लेकर वित्त मंत्रालय के स्तर पर लगातार बैठकें चल रही हैं। माना जा रहा है कि इस बार का बजट युवा, रोजगार, महिला, बुजुर्ग और मध्यम वर्ग पर केंद्रित होगा। इसके लिए सरकार जहां आयुष्मान भारत से पांच लाख रुपये तक मुफ्त इलाज को जारी रखेगी वहीं 70 वर्ष से ऊपर के बुजुर्गों को मुफ्त इलाज मुहैया कराने का रास्ता भी साफ करेगी। भाजपा ने चुनाव से पहले घोषणा की थी कि आयुष्मान भारत के तहत 70 वर्ष से ऊपर के बुजुर्गों को मुफ्त में इलाज मुहैया कराया जाएगा। अब बजट के माध्यम से पैसे का आवंटन करने की तैयारी है। इस तरह सरकार अन्य जन कल्याणकारी योजनाओं का भी बजट बढ़ाने पर विचार कर रही है। इस बार युवाओं के लिए रोजगार पर भी विशेष ध्यान रहेगा। आम चुनाव के नतीजे उम्मीद के मुताबिक न आने के बाद से भाजपा सरकार युवाओं को साधने की कोशिश कर रही है। इस वर्ष के अंत में कुछ राज्यों में विधानसभा चुनाव भी होने हैं, जिसमें भाजपा को लगता है कि अगर युवा वर्ग नाराज हुआ तो नुकसान उठाना पड़ सकता है। इसलिए युवाओं को रोजगार दिलाने के लिए केंद्र सरकार

अपने खजाने का मुंह खोलने को तैयार है। इंफ्रास्ट्रक्चर, निवेश, उत्पादन, उच्च मूल्य वाली सर्विस, स्टार्टअप, पर्यटन और खेल के क्षेत्र में युवाओं के लिए रोजगार पैदा करने की संभावना तलाशी जा रही है। रोजगार पैदा करने वाले इन क्षेत्रों से जुड़ी परियोजनाओं में निवेश को बढ़ाने और नई परियोजनाओं को बजट के माध्यम से स्वीकृति मिलने की संभावना है। भाजपा सरकार भारत को दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने को लेकर लगातार राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर पैरवी कर रही है। विशेषज्ञों का मानना है कि इस बार का बजट आधारभूत ढांचे से जुड़ी परियोजनाओं को आगे बढ़ाने का होगा। इसके लिए सरकार सड़क, रेल, बंदरगाह, बिजली, ग्रीन एनर्जी, एयरपोर्ट, मेट्रो समेत अन्य क्षेत्रों से जुड़ी परियोजनाओं को लेकर बड़ी घोषणा हो सकती हैं। इन परियोजनाओं के जरिए रोजगार के बड़े अवसर भी पैदा होंगे। इस तरह से उत्पादन और सर्विस क्षेत्र को लेकर भी बड़ी घोषणाएं संभव है, जिसमें सबसे ज्यादा कुशल व प्रशिक्षित युवाओं की जरूरत पड़ेगी। युवा अपने दम पर कारोबार के क्षेत्र में आगे बढ़ें, इसके लिए स्टार्टअप पर दी जा रही छूट को आगे भी जारी रखा जा सकता है। कुछ अतिरिक्त ऐलान भी स्टार्टअप को लेकर किए जा सकते हैं। खेल और पर्यटन से जुड़ी मदों का बजट भी बढ़ाया जा सकता है।

नागालैंड की महिलाओं ने रच दिया इतिहास

कोहिमा (एजेंसी)। नागालैंड ने दो दशक बाद हुए शहरी स्थानीय निकाय के चुनाव में महिलाओं ने इतिहास रच दिया है। यहां कुछ 278 सीटों में से 102 पर महिलाओं ने जीत दर्ज की है। आठ महिलाओं ने सामान्य सीट पर जीत दर्ज की है। 26 जून को यहां चुनाव करवाए गए थे। 2004 के

- 20 साल बाद हुए निकाय चुनाव में लहराया परचम

बाद पहली बार यहां स्थानीय निकाय के चुनाव हुए जिनमें 33 फीसदी सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित थीं। राज्य के चुनाव आयुक्त टी जॉन लोंगकुमार ने कहा कि यह चुनाव नगा महिलाओं का था। नगालैंड में महिलाओं के आरक्षण के लिए संघर्ष करने वाली ऐक्टिविस्ट रोजमेरी जुविचु ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट का फैसला इस चुनाव के लिए बड़ा वरदान बन गया। राज्य में 24 नगर निकायों, तीन नगर पालिका परिषद और 21 नगर परिषदों में चुनाव करवाया गया था। 2.23 लाख वोटर में से 81 फीसदी ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। चुनाव आयोग से मिली जानकारी के मुताबिक इस चुनाव में निर्वाचित सबसे युवा और सबसे ज्यादा उम्र वाली प्रत्याशी भी महिला ही हैं। सबसे युवा

प्रत्याशी 22 साल की नजानरहोनी आई मोझुई हैं जो कि भंडारी नगर परिषद से बीजेपी की उम्मीदवार थीं। इस चुनाव में 238 महिलाओं ने नामांकन फाइल किया था। वहीं इस चुनाव में पूर्वी नगालैंड पीपुल्स ऑर्गनाइजेशन (ईएनपीओ) ने हिस्सा नहीं लिया था।

अमरकंटक ताप विद्युत गृह की यूनिट नंबर 5 ने बनाया लगातार 300 दिन विद्युत उत्पादन करने का नया रिकॉर्ड

ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने दी बधाई

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश पावर जनरेटिंग कंपनी के अमरकंटक ताप विद्युत गृह चचाई के अभियंताओं व कार्मिकों के समर्पण, कड़ी मेहनत और प्रतिबद्धता ने 210 मेगावाट स्थापित क्षमता की यूनिट को लगातार 300 दिन तक संचालित करने में सफलता हासिल की है। यह विद्युत यूनिट की स्थापना के बाद सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। इस यूनिट ने 27 अगस्त 23 से 22 जून 2024 तक 300 दिन सतत् विद्युत उत्पादन करने का नया रिकार्ड बनाया।

विभिन्न मापदंडों में भी मिली उपलब्धि

210 मेगावाट की यूनिट ने जब 300 दिन सतत् विद्युत उत्पादन करने का कीर्तिमान अर्जित किया तब इसने विभिन्न मापदंडों में भी उल्लेखनीय प्रदर्शन किया। यूनिट ने 100.24 फीसदी प्लांट उपलब्धता फेक्टर (पीएएफ), 98.6 फीसदी प्लांट लोड फेक्टर (पीएलएफ) व 9.29 प्रतिशत ऑक्जलरी कंजम्पशन की उपलब्धि हासिल की।

ऊर्जा मंत्री ने दी बधाई

ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर, अपर मुख्य सचिव ऊर्जा श्री मनु श्रीवास्तव व मध्यप्रदेश पावर जनरेटिंग कंपनी के प्रबंध संचालक श्री मनजीत सिंह ने अमरकंटक ताप विद्युत गृह के यूनिट नंबर 5 के अभियंताओं व कार्मिकों को बधाई दी है। उन्होंने कार्मिकों की सराहना करते हुए कहा कि समर्पण, कड़ी मेहनत व प्रतिबद्धता से लक्ष्य अर्जित करने का यह सर्वश्रेष्ठ व अनुकरणीय उदाहरण है।

ससुर ने बहू से किया दुष्कर्म

वेलेंटाइन डे के दिन अकेला पाकर की ज्यादती; सास को बताया तो वह भी धमकाने लगी

भोपाल (नप्र)। भोपाल के कोलार इलाके में एक विवाहिता ने ससुर पर ज्यादती के आरोप लगाए हैं। कोलार पुलिस के मुताबिक 24 वर्षीय पीड़िता एक कॉलोनी में रहती है। वह मूल रूप से खजुराहो की रहने वाली है। बीती 14 फरवरी (वेलेंटाइन डे) के दिन अपने घर में अकेली थी। तभी मौका पाकर उसके साथ ससुर ने रेप किया। इतना ही नहीं जब पीड़िता ने पूरी बात अपनी सास को बताई तो वह उसे धमकाने लगी। इससे परेशान होकर महिला अपने मायके चली गई। आरोपी ससुर उसे तब भी कॉल करता रहा। तंग आकर पीड़िता ने मायके पक्ष को शिकायत कर दी। इसके बाद मायके पक्ष वाले पीड़िता को लेकर खजुराहो पुलिस के पास पहुंचे।

आरोपी सास ससुर की तलाश शुरू

इस घटना के बाद पीड़ित महिला अपने मायके लौट गई। आरोपी पति कॉल पर भी उससे अश्लील बातें करने लगा। तब पीड़िता ने शिकायती आवेदन खजुराहो थाने में दिया। आवेदन की जांच के बाद वहां पुलिस ने जीरो पर केस दर्ज कर शनिवार को केस डायरी कोलार पुलिस को सौंप दी। पुलिस आरोपी सास-ससुर के खिलाफ केस दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है।

भोपाल में हीलिंग थैरेपिस्ट से 44 लाख की ठगी

आश्रम के लिए जमीन खरीदी के नाम पर ली थी रकम, कर्मचारी ने की वारदात

भोपाल (नप्र)। भोपाल के कोलार इलाके में एक हीलिंग थैरेपिस्ट से उनके ही कर्मचारी ने 44 लाख रुपए ठग लिए। आरोपी ने रकम आश्रम बनाने के लिए जमीन खरीदने के नाम पर ली थी। पुलिस ने इस मामले में केस दर्ज कर लिया है। आरोपी युवक की तलाश की जा रही है।

टीआई आशुतोष उपाध्याय के मुताबिक सांई सिद्दा होम्स में रहने वाले योगेंद्र मिश्रा हीलिंग थैरेपी करते हैं। उनके पास प्रिंस गोयल नामक युवक भी काम करता था। वह मूल रूप से पंजाब का रहने वाला था। आरोपी उनके कार्यालय से जुड़े सभी तरह के कामकाज देखता था। आरोपी योगेंद्र का भरोसा जीत चुका था। इसी का फायदा उठाते हुए उसने फरियादी को एक आश्रम बनाने के लिए जमीन दिलवाने का झांसा दिया। क्योंकि योगेंद्र पहले ही आश्रम के लिए जमीन की तलाश में थे।

उन्होंने आरोपी की बताई जमीन खरीदने पर सहमति दे दी। इसी का फायदा उठाते हुए आरोपी ने जमीन खरीदी, निर्माण कराने और रजिस्ट्री सहित अन्य खर्चे बताकर पांच बार में 44 लाख रुपए फरियादी से ले लिए। आरोपी ने फर्जी दस्तावेज भी फरियादी को दे रखे थे। फरियादी योगेंद्र उस पर इस हद तक भरोसा करते थे कि केवल दस्तावेजों के आधार पर ही जमीन को बिन देखे उन्होंने इतनी रकम आरोपी को दे दी थी।

पंजाब जाने का बोलकर निकला फिर नहीं लौटा आरोपी - 44 लाख रुपए लेने के बाद आरोपी पंजाब जाने का बोलकर निकला, फिर नहीं लौटा। घटना 1 अप्रैल 2023 से लेकर दिसंबर 2023 के बीच की है। लंबे समय तक वह कॉल पर जल्द लौटने का झांसा देता रहा। मार्च 2024 से उसने फरियादी का कॉल उठाना तक बंद कर दिया। जिसके बाद मामले की शिकायत थाने में की गई। करीब तीन महीने की जांच के बाद पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर ली है।

भोपाल में केजीएन सोशल फाउंडेशन ने रोपे पौधे

● पुलिस, बैंककर्मियों और इंस्ट्राग्राम इनफ्लुएंसर ने 400 से अधिक पौधे रोपे

भोपाल (नप्र)। केजीएन सोशल फाउंडेशन ने रविवार को इस सीजन के पौधारोपण अभियान की शुरूआत की। पुलिस की भूमि पर भदभदा में किए पौधारोपण में डायल-100 के सदस्य, पुलिसकर्मी, एसबीआई म्युच्युअल फंड भोपाल की टीम, म्युच्युअल फंड डिस्टीब्यूटर्स, एनसीसी और सोनू सूद फाउंडेशन के सदस्यों ने 400 से अधिक फलदार प्रजाति के पौधे रोपे। पौधारोपण अभियान की औपचारिक शुरूआत पुलिस अधीक्षक रेडियो शशांक गर्ग और मिसेज इंडिया का खिताब जीतने वाली मनीषा आनंद ने की।

'एक पेड़ मां के नाम' अभियान से जुड़ें प्रत्येक प्रदेशवासी

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने किया आह्वान

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान चलाया है। मध्यप्रदेश सरकार भी पर्यावरण के प्रति गंभीर है। लगभग साढ़े 5 करोड़ पौधे मध्यप्रदेश में लगायेंगे। ऐसा प्रयास है कि प्रदेश में 1 जुलाई से लेकर 15 जुलाई के बीच अलग-अलग जिलों में इस अभियान को चलाया जायेगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने एक टीवी संदेश के माध्यम से कहा कि मुझे संतोष है कि कई जिले जैसे इंदौर, 51 लाख पौधे लगाने वाला है। भोपाल ने बीस लाख पौधे लगाने का लक्ष्य लिया है। एक दिन में 6 जुलाई को लगभग 12 लाख पौधे लगाने का भी लक्ष्य तय किया है। ऐसे कार्यों से ही पर्यावरण का माहौल बनता है। ऐसे में पौधारोपण कर न केवल हम पर्यावरण को बचाएंगे बल्कि वानिकीकरण में भी अपनी भूमिका निभाएंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि इस पूरे आयोजन के प्रति सरकार गंभीर है, यह अभियान लगातार चलता रहेगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आप सभी को इस अभियान से जुड़ने की अपील करता हूँ। आप अपने परिजन को लेकर, माता जी को साथ लेकर सेल्फी लें। अगर माता जी नहीं हैं तो उनके चित्र के साथ एक पौधा लगाकर सेल्फी ले सकते हैं। अभियान के अंतर्गत निर्धारित वेबसाइट पर भी चित्र अपलोड किया जा सकता है। इससे अन्य लोग प्रेरित होंगे। शासन प्रशासन द्वारा बताए गए निर्धारित स्थान पर पौधे लगाएं, सरकार उनकी देखभाल करेगी।

कांग्रेस की पॉलिटिकल अफेयर्स कमेटी की मीटिंग

● चव्हाण,उलका और मेवाणी ने म.प्र. कांग्रेस के नेताओं से की चर्चा

भोपाल (नप्र)। लोकसभा चुनाव में हार के बाद कांग्रेस पराजय के कारणों को खोजने में जुटी है। एआईसीसी द्वारा बनाई गई तीन सदस्यीय फैक्ट फाइंडिंग कमेटी ने शनिवार को एमपी के हारे हुए लोकसभा प्रत्याशियों के साथ चर्चा कर हार के कारण जाने। तीन सदस्यीय समिति में महाराष्ट्र के पूर्व सीएम पृथ्वीराज चव्हाण, उड़ीसा के सांसद सप्तागिरी उलका और गुजरात के विधायक जिग्नेश मेवाणी आज मप्र की पॉलिटिकल अफेयर्स के सदस्यों के साथ चर्चा करेंगे।

कई दिग्गज नहीं पहुंचे

फैक्ट फाइंडिंग कमेटी के साथ बैठक में पीसीसी चीफ जीतू पटवारी, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष एनपी प्रजापति, पूर्व सांसद मीनाक्षी नटराजन, राज्यसभा सांसद अशोक सिंह, हिना कांवरे, जयवर्द्धन सिंह, झूमा सोलंकी, विजयलक्ष्मी साधौ मौजूद हैं। इस बैठक में कांग्रेस के कई सीनियर लीडर नहीं पहुंचे। मप्र कांग्रेस की पॉलिटिकल अफेयर कमेटी में शामिल रामनिवास रावत बीजेपी में शामिल हो चुके हैं।

'रीडर्स क्लब' का आयोजन

अयोध्या 22 जनवरी - पुस्तक नहीं दस्तावेज है

भोपाल (नप्र)। 'अयोध्या 22 जनवरी' को लिखते समय मेरे जेहन में आने वाली पीढ़ी को इतिहास और भारत गौरव से अवगत कराना है।' यह बात पुस्तक के लेखक एवं समाचार संपादक आकाशवाणी श्री संजीव शर्मा ने पुस्तक पर चर्चा के दौरान कही। पुस्तक चर्चा एवं लेखक से मिलिए कार्यक्रम का प्रतिष्ठा आयोजन 'रीडर्स क्लब' ने किया था। इस पुस्तक पर उनके साथ सुपरिचित लेखक एवं संचार विशेषज्ञ श्री संजय सक्सेना उनसे चर्चा कर रहे थे। पाठकों की ओर मुखातिब होते हुए लेखक से उनका अगला प्रश्न था कि किताब के शीर्षक में अंक का प्रयोग सामान्य तौर पर नहीं होता है लेकिन आपने किया है, इसके पीछे क्या कारण है? लेखक ने जवाब में कहा कि जो शीर्षक पाठकों को लम्बे समय तक स्मरण में रहे, उसे ध्यान में रखकर अंकों का प्रयोग किया है। साथ ही 22 जनवरी भारत के इतिहास में एक ऐसी

तारीख है जो स्वर्णाक्षरों में लिखा जाएगा।

'रीडर्स क्लब' के इस आयोजन में नगर के सुपरिचित पत्रकार, लेखक एवं संचार कर्मियों का जमावड़ा रहा। कार्यक्रम के आरंभ में वरिष्ठ साहित्यकार शरद पगारे के निधन पर उन्हें दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि दी गई। पुस्तक के विभिन्न लेखों का पाठन भारतीय सूचना सेवा के अधिकारी अजय उपाध्याय, पत्रकार शुरैह नियाजी, जनसम्पर्क अधिकारी रितेश दुबे, आकाशवाणी के समाचार वाचक राशिद अहमद खान, कमेंट्रेटर प्रशांत सेंगर एवं वरिष्ठ पत्रकार चंद्रहास शुक्ल ने किया। कार्यक्रम में वरिष्ठ पत्रकार अजय बोकिल, सरमन नगेले, मौसम वैज्ञानिक गुरुदत्त मिश्रा, योग गुरु देवीदयाल भारती, सूचना प्रसारण अधिकारी समीर वर्मा उपस्थित थे। वरिष्ठ पत्रकार एवं संपादक पुष्पेन्द्र मिश्र ने आखिर में किताब पर अपनी बात रखी और इस किताब को आने वाली पीढ़ी के लिए दस्तावेज बताया। संचार विशेषज्ञ एवं लेखक संजीव परसाई ने कार्यक्रम का संचालन किया। आभार प्रदर्शन लोक प्रकाशन की ओर से मनोज कुमार ने किया।

एक जुलाई देश और मध्यप्रदेश के लिए विशेष दिन

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि कल एक जुलाई का दिन पूरे देश और प्रदेश के लिए एक विशेष दिन रहने वाला है। अंग्रेजों के जमाने से चले आ रहे भारतीय दंड संहिता, सीआरपीसी, भारतीय साक्ष्य अधिनियम...ये सारे नियम बदलते हुए नए प्रकार के कानून लागू होने वाले हैं। अब दंड संहिता के बजाय न्याय संहिता की बात की जाएगी। अर्थात् न्याय के आधार पर हमारी व्यवस्था चलनी चाहिए। अंग्रेज जब तक हम पर हावी थे तब तक वो दंड की बात करते थे। हमारी परंपरा न्याय की परंपरा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में ये तीनों कानून पूरे देशवासियों के जीवन में अंगीकार होंगे। उससे सुविधा मिलेगी। अपनी संस्कृति पर गर्व करने का मौका मिलेगा। आमजन के माध्यम से पूरे प्रदेश में जो अभियान चलेगा, इस व्यवस्था के लिए थाने के अंदर सभी प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाए गए और जन जागृति के लिए अधिकारियों के साथ मिलकर अभियान चलाने के निर्देश जारी किए गए हैं। उम्मीद करता हूं इसका लाभ सभी मिलकर उठाएंगे। प्रधानमंत्री श्री मोदी के इस अभियान का हमारी सरकार अक्षरशः पालन करेगी।

हिंदी भवन भोपाल में सांसद ने की समाजबंधुओं से बात

● सांसद आलोक शर्मा ने एक पेड़ मां के नाम लगाने का किया आव्हान

भोपाल (नप्र)। लोकसभा चुनाव का परिणाम आने के बाद पहली बार विभिन्न समाजों के प्रतिनिधियों से रुबरु हुए भोपाल के सांसद आलोक शर्मा ने अपनी ऐतिहासिक जीत पर आभार व्यक्त किया और पर्यावरण संरक्षण की दृष्टी से एक पेड़ मां के नाम लगाने की अपील की। उन्होंने कहा कि मां और प्रकृति निःस्वार्थ प्रेम का प्रतीक हैं। इसलिए प्रकृति मां के प्रति हमारी भी जिम्मेदारी बनती है। आधुनिक विकास जरूरी है, लेकिन हरियाली को नुकसान न पहुंचे यह आवश्यक है।

हिंदी भवन में आयोजित कार्यक्रम में सांसद ने कहा कि हम सभी को पर्यावरण के प्रति सदैव सजग रहना चाहिए। सकल हिन्दू समाज के लोग प्रकृति से जुड़कर भोपाल शहर को क्लीन और ग्रीन शहर बनाने की दिशा में कार्य करें। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक पेड़ मां के नाम लगाने का आव्हान किया है। प्रदेश सरकार कई आयोजन कर रही है। इसमें सभी समाजों की भूमिका महत्वपूर्ण है। हम सभी मिलकर फलदार, छायादार और ऐसे औषधीय पौधे लगाएं जिसका लाभ आने वाली पीढ़ियों को मिले।

शर्मा बोले कि विकास भी हो और प्रकृति भी संरक्षित हो। ग्रीन भोपाल बनाकर हम अपने भविष्य को सुरक्षित कर सकते हैं। कार्यक्रम को महापौर मालती राय ने भी संबोधित किया। इस मौके पर जैन, अग्रवाल, सिंधी, ब्राह्मण, सुदर्शन, यादव, नेपाली, कायस्थ सहित सकल हिंदू समाज के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

उम्मीद पर खरा उतरुंगा

शर्मा ने भोपाल से रिकॉर्ड मतों से जीत पर सभी समाजों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि आप लोगों ने लोकसभा चुनाव में मुझे आशीर्वाद दिया है। मैं आपकी उम्मीदों पर खरा उतरने का पूरा प्रयास करूंगा। मैं आपके सपनों का भोपाल बनाने और यहां के आधुनिक विकास में कोई कसर बाकी नहीं छोडूंगा।

संपूर्ण रामायण भेंट की

प्रकृति का महत्व हमारे वेद, पुराणों और रामायण में भी प्रमुखता से हमारे ऋषि-मुनियों और रचनाकारों ने किया है। इस मौके पर सांसद आलोक शर्मा को ब्राह्मण समाज की ओर से संपूर्ण रामायण की एक बड़ी कृति भेंट की गई।

प्रधानमंत्री के नेतृत्व में बदलते दौर के भारत में अनेक क्षेत्रों में हो रही है प्रगति : मुख्यमंत्री

● मुख्यमंत्री ने जनप्रतिनिधियों के साथ 'मन की बात' कार्यक्रम का प्रसारण सुना

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने रविवार को बाग मुगलिया स्थित विवेकानंद सामुदायिक भवन परिसर में 'मन की बात' कार्यक्रम में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के विचारों को सुना। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में यह बदलते दौर का भारत है। अनेक क्षेत्रों में उल्लेखनीय प्रगति हो रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि रविवार को 'मन की बात' कार्यक्रम में प्रधानमंत्री ने जहां बंगलौर में देव भाषा संस्कृत बोलने वालों के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी दी वहीं पूरी दुनिया में योग दिवस पर हुए कार्यक्रमों का विवरण भी दिया है। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कुवैत में आकाशवाणी केंद्र से प्रसारण की उपलब्धियों के बारे में बताया। उन्होंने इस कार्यक्रम से आंध्रप्रदेश में कॉफी उत्पादन की जानकारी भी प्रदान की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विवेकानंद सामुदायिक भवन परिसर में पौधा भी लगाया। मुख्यमंत्री ने आम का पौधा रोपा। उनके साथ पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती कृष्णा गौर, श्री सुमित पचौरी और अन्य जनप्रतिनिधि भी मौजूद रहे। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने अन्य विषयों पर चर्चा के साथ ही विभिन्न देशों में योग दिवस पर हुए कार्यक्रमों का ब्यौरा भी दिया।

एनएचएम संविदा आउटसोर्स स्वास्थ्य कर्मचारी करेंगे प्रदर्शन

● मांगों को लेकर मंत्री-विधायक को सौंपेंगे ज्ञापन, 3 जुलाई को हल्ला बोल

भोपाल (नप्र)। भोपाल एनएचएम संविदा आउट सोर्स स्वास्थ्य कर्मचारी संघ एवं जिला कार्यकारिणी सदस्य 2 जुलाई को भोपाल में इकट्ठा होंगे। इस दौरान मांगों को लेकर मंत्री, विधायक को उनके निवास पर ज्ञापन सौंपेंगे, और प्रमुख मांगों को अति शीघ्र पूरा करने की गुहार लगाएंगे।

दोपहर 12 बजे सभी जिलों के आउटसोर्स कर्मचारी राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन कार्यालय भोपाल के सामने एकत्रित होंगे एवं शोषण की नीति के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करेंगे। मिशन संचालक राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन को ज्ञापन सौंपकर बिंदु पर चर्चा करेंगे।

3 जुलाई को हल्ला बोल प्रदर्शन

एनएचएम संविदा आउट सोर्स स्वास्थ्य कर्मचारी संघ के प्रदेश अध्यक्ष कोमल सिंह ने बताया कि चर्चा के दौरान निराकरण नहीं किया जाता है तो 3 जुलाई को सुबह 9 बजे से बोर्ड ऑफिस चौराहे पर एकत्रित होंगे। यहां डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर सुबह 10 बजे से पैदल मार्च निकालकर विधानसभा की तरफ जाएंगे। प्रदेश अध्यक्ष कोमल सिंह ने बताया कि

लंबे समय से आउटसोर्स कर्मचारियों का शोषण हो रहा है। कर्मचारी दमनकारी नीतियों का शिकार हो रहे हैं। जिसको लेकर लंबे समय से गुहार लगा रहे हैं। हम मुख्यमंत्री से मानदेय घोटाले की जांच की मांग भी करेंगे।इससे पहले कर्मचारियों ने नीलम पार्क में धरना किया था।

यह हैं मांगे

विगत कई वर्षों तक राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन अधीन सेवाए दे चुके प्रदेश के हजारों सपोर्ट स्टाफ कर्मचारियों को वित्तीय वर्ष 2019 में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन से हटाकर आउटसोर्स में किए गए सपोर्ट स्टाफ कर्मचारियों को विभाग में रिक्त पदों पर समायोजन किया जाए अथवा पुनः राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन में मर्ज किया जाए। वित्तीय वर्ष 2019 से मिशन संचालक राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के आदेश के अनुसार सभी जिलों में आउटसोर्स कंपनियों के द्वारा अर्ध कुशल श्रमिक दर वेतन दिए जाने के आदेश सभी जिलों के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी एवं सिविल सर्जन सह अस्पताल अधीक्षक को दिए गए थे लेकिन 5 वर्ष बाद भी अर्ध कुशल श्रमिक दर से भुगतान न करते हुए मात्रा 5500 रुपए से लेकर 9000 तक दिए जा रहे मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी एवं सिविल सर्जन सह अस्पताल अधीक्षक एवं आउटसोर्स कंपनी की मिली भगत से हर महीने आउटसोर्स कर्मचारी की मानदेय में करोड़ों रुपए का घोटाला किया जा रहा है जिसकी सीबीआई जांच एजेंसी द्वारा जांच कराई जाए जांच उपरांत संबंधित अधिकारी कर्मचारी के खिलाफ शक्ति से सख्त कार्रवाई की जाए एवं आउटसोर्स कंपनियों को ब्लैक लिस्ट किया जाए।

संपादकीय

हारी बाजी को जीतने का चमत्कार!

टी 20 वर्ल्ड कप के बारबाडोस में खेले गए भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच रोमांचक फाइनल का लुब्बो लुआब यही है कि यदि धैर्य के साथ आखिरी दम तक लड़ते रहें तो हारी बाजी भी जीती जा सकती है। शनिवार की रात टीम रोहित ने वही कर दिखाया। 14वें ओवर तक पूरा मैच हाथ से निकलता दिखाई दे रहा था। लग रहा था कि भारत एक बार फिर फाइनल में मात खाने की कहानी दोहराने जा रहा है। लेकिन उसके बाद कप्तान रोहित शर्मा ने नई रणनीति अपनाते हुए वो चाल चली कि दक्षिण अफ्रीका की टीम देखते-देखते मैच गंवा बैठी। भारत द्वारा अर्जित यह चौथा आईसीसी खिताब है, जिसकी भारतीय क्रिकेट फैन्स को मुद्दत से तलाश थी। बीते साल नंवबर में अहमदाबाद में वन डे वर्ल्ड कप में भी भारत की टीम के शानदार तरीके से फाइनल में पहुंची थी। लेकिन जीतने के अत्यधिक दबाव में संयम खो बैठी और ऑस्ट्रेलिया ने वन डे कप पर कब्जा कर लिया। हालांकि उस वक्त भी देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने हार के बाद भी खिलाड़ियों की हौसला अफजाई की थी और कहा था कि वो हिम्मत न हारें। उसका नतीजा शायद टी 20 वर्ल्ड कप फाइनल में दिखाई दिया। ऐसे में टी 20 जिताने वाले रोहित शर्मा देश के महेन्द्र सिंह धोनी के बाद दूसरे सफल कप्तान बन गए हैं। इस टूर्नामेंट में ठीक से न खेल पाने के लिए ट्रोल हुए विराट ने भी 76 रन बनाकर दिखा दिया कि आड़े वक्त पर वही काम आते हैं। भारत ने यह मैच, जिसे सारी दुनिया देख रही थी, भारी कशमकश के बाद 7 रनों से जीत लिया। वैसे भी जीत तो जीत होती है, चाहे कितने रनों से ही क्यों न हो। भारत ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी चुनीं और दक्षिण अफ्रीका के सामने 20 ओवरों में 177 रनों का लक्ष्य रखा। भारत इससे भी ज्यादा रन बना सकता था, लेकिन दक्षिण अफ्रीका की धारदार गेंदबाजी और तीन बल्लेबाजों के जल्दी आउट होने से भारतीय टीम 176 पर आउट हो गई। हालांकि जो लक्ष्य दिया गया था, वही आसान नहीं था। लेकिन दक्षिण अफ्रीका की टीम ने कप्तान मरकाम के नेतृत्व में जबर्दस्त जुझारूपन का प्रदर्शन किया। ऐसा लग रहा था कि भारत का कोई गेंदबाज पिटने से नहीं बच पा रहा है। 14 ओवर तक दक्षिण अफ्रीका को जीत के लिए केवल 24 रनों की दरकार थी, जिसे आसानी से बनाया जा सकता था। इन परिस्थिति में भारतीय टीम के करोड़ों प्रशंसकों के दिलों की धड़कने बढ़ गई थीं। लेकिन टीम रोहित जीतने के दृढ़ निश्चय के साथ मैदान में डटी थी। लिहाजा हर खिलाड़ी अपनी जगह मुस्तैद दिखा। 15 ओवर के बाद दक्षिण अफ्रीका का स्कोर 147 रन था। उसे जीतने के लिए 30 गेंदों में 30 रनों की ज़रूरत थी। लेकिन तभी 17वें ओवर की पहली गेंद पर हार्दिक पांड्या ने हेनरिक्स क्लासेन को आउट कर दिया। यह कैच ऋषभ पंत ने लपका। जिस वक्त दक्षिण अफ्रीका का स्कोर 5 विकेट पर 156 रन था और उसे 15 गेंदों पर 21 रनों की ज़रूरत थी, उसी वक्त बुमराह की एक अंदर आती गेंद ने मार्को यंसन को बोल्ड कर दिया। लेकिन मैच का सबसे यादगार कैच आखिरी ओवर का था, जब सूर्यकुमार यादव ने बाउंड्री लाइन पर डेविड मिलर का शानदार कैच लपककर दक्षिण अफ्रीका की रही सही उम्मीदों पर भी पानी फेर दिया। रोहित शर्मा, विराट कोहली और रवीन्द्र जडेजा के टी 20 फार्मेट से रिटायरमेंट का भी यह सही मौका था और निवर्तमान कोच राहुल द्रविड़ को भी इस जीत से शानदार कोई तोहफा हो ही नहीं सकता था।

नजरिया

रघु ठाकुर

लेखक समाजवादी विचारक हैं।

न्यायालय के अंतर्विरोधी फैसले

पिछले कुछ समय से देश की कुछ अदालतें ऐसे मनमानी फैसला कर रही हैं कि वह स्वतः हास्य का पात्र बन रही है। देश के विधि जानकारों का एक बड़ा हिस्सा यह मानता है कि उनके निर्णयों में मनमानापन भी है और परस्पर अंतर विरोध भी है। अभी पिछले दिनों जब दिल्ली के मुख्यमंत्री श्री अरविंद केजरीवाल को ईडी ने गिरफ्तार किया तो उनके जमानत के आवेदन पर जस्टिस खन्ना और जस्टिस दीपांकर ने यह कहते हुए जमानत दी के चुनाव प्रचार करना उनका लोकतांत्रिक अधिकार है और इसीलिए उन्हें 1 जून जो चुनाव के सातवें चरण का अंतिम दिन है, तक की जमानत दी है व 2 जून को वापिस कोर्ट के समक्ष समर्पण करना होगा।

माननीय सर्वोच्च न्यायालय की चिंता जायज है व्यक्ति के लोकतांत्रिक अधिकारों की रक्षा करना सर्वोच्च न्यायालय का संवैधानिक दायित्व भी है। परंतु इसी ईडी के द्वारा गिरफ्तार झारखंड के मुख्यमंत्री श्री हेमंत सोरेन को उनके लोकतांत्रिक अधिकार के प्रयोग के लिए जमानत नहीं दी गई।

पहले तो इस डबल बेंच के जस्टिस खन्ना और जस्टिस दीपांकर ने कहा कि इस प्रकरण को छुट्टियों के बाद लगाएंगे परंतु जब श्री हेमंत सोरेन के वकील ने कहा की तब तक तो चुनाव हो जाएंगे तब बेंच ने अपनी व्यस्तता का कारण बताया कि इतने ज्यादा व्यस्त हैं कि वे इसे जल्दी नहीं सुन सकते। यह आश्चर्य की बात है कि जमानत जो लोकतांत्रिक अधिकारों के प्रयोग के लिए दी जानी है और उसमें भी एक उन्हीं के फैसले की नजीर पर जो मुश्किल से एक सप्ताह पूर्व की नजीर है जिसमें दिल्ली के मुख्यमंत्री को इसी बैंच ने इसी आचरण पर जमानत दी थी तो उसी आधार पर क्या श्री हेमंत सोरेन को भी जमानत दी जानी चाहिए थी? यह प्रश्न आम आदमी के रूप में घूम रहा है। सर्वोच्च न्यायालय के माननीय न्यायाधीश चाहे जो कहें परंतु देश के आम जनमानस में यह निर्णय और टिप्पणी दोहरी, भेदभाव और दोहरे न्याय की पर्याय बन गई है। कुछ लोग तो यहां तक कहते हैं कि चूंकि हेमंत सोरेन आदिवासी हैं इसलिए उसके बारे में समान मापदंड नहीं अपनाया गया। क्या सच्चाई है यह तो माननीय न्यायाधीश ही जानते होंगे या वे ही कभी बताएंगे तब देश को मालूम पड़ेगी, परंतु देश के आम जनमत में यह फैसला विभेदकारी और भेदभावपूर्ण माना गया है।

उसके बाद जब श्री हेमंत सोरेन के वकील के निरंतर आग्रह पर जमानत की सुनवाई की गई तो माननीय न्यायधीश महोदयों ने उन्हें यह कहकर पेशी दे दी कि आपने पहले से एक दरखास्त नीचे की अदालत में लगाई हुई है और इस तथ्य को यहां छुपाया है। इस बारे में भी कोई प्रामाणिक बात कहना न्यायालय को ही संभव है। हो सकता है नीचे की कोर्ट में दरखास्त लगी हो परंतु क्या इससे माननीय सर्वोच्च न्यायालय के जमानत देने का अधिकार जो की विशेष अधिकार के रूप में है जिसके आधार पर उन्होंने पिछले दिनों दिल्ली के मुख्यमंत्री जी को जमानत दी थी पर क्या कोई बंधन लगता है? मेरे ख्याल से ऐसा कोई बंधन तो नहीं है। सुप्रीम कोर्ट चाहता तो उस समय जब चुनाव के लिए मात्र 10 दिन और प्रचार के लिए मात्र 8 दिन बचे थे मात्र 8 दिन को अंतरिम जमानत तो दे ही सकता था ताकि श्री हेमंत सोरेन भी केजरीवाल के समान अपनी

पार्टी या गठबंधन का प्रचार कर पाते।

इसके कुछ दिनों बाद एक और फैसला पुणे की किशोर अदालत ने दिया है जिसमें एक रईसजादा नौजवान (17 वर्षीय) ने अपने दोस्तों के साथ अपने दोस्तों के साथ पांच सितारा होटल में जमकर शराब पी। यहां तक की अपने पिता के नाम के के क्रेडिट कार्ड से 48000 का बिल चुकाया और अपने पिता के ढाई करोड़ रुपए की कोई कीमती कार जिस से वह आया था उसी से मात्र 160 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से वापस उड़ने लगा। उसे नशे में ख्याल भी नहीं रहा और उसने मोटरसाइकिल पर जा रहे दो नौजवानों के ऊपर गाड़ी चढ़ा दी। जिससे वे दोनों नौजवान जो इंजीनियर थे मारे गए। आश्चर्य की बात है कि किशोर न्यायालय ने उस अपराधी को इस शर्त पर छोड़ने का आदेश दिया कि वह दुर्घटना पर निबंध लिखेगा और आरटीओ ऑफिस में जाकर ट्रैफिक के नियम समझेगा। न्यायपालिका को क्या जमानत के नाम पर ऐसे निर्णय देने का अधिकार है। इसके साथ ही एक और घटना इसी समय हुई।

उत्तराखंड में एक कम उम्र के नौजवान ने, जो 14 वर्ष का था अपने साथ पढ़ने वाली लड़की का नग्न वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर डाल दिया वह जब वायरल हुआ तो उस लड़की ने शर्म से क्षुब्ध होकर आत्महत्या कर ली। इस युवक के ऊपर मुकदमा दर्ज हुआ और पिछले पांच माह से वह युवक जेल में बंद है। किशोर न्यायालय ने उसको जमानत नहीं दी। उसका परिवार अपील में हाईकोर्ट गया। हाई कोर्ट ने भी जमानत नहीं दी और इसके बाद वह सुप्रीम कोर्ट गया और सुप्रीम कोर्ट ने भी उसके जमानत के आवेदन को खारिज किया और हाईकोर्ट के आदेश को सही माना। ये फैसले यद्यपि दो अलग-अलग न्यायालय के हैं, परंतु इनकी मूल वस्तु कहीं ना कहीं समान है।

जब सुप्रीम कोर्ट ने उत्तराखंड के मामले में हाईकोर्ट के जमानत निरस्ती आदेश के खिलाफ अपील सुनी तो न केवल हाईकोर्ट के आदेश को सही ठहराया बल्कि जमानत देने से इनकार कर दिया। देश के जनमानस ने भी सुप्रीम कोर्ट के निर्णय की सराहना की। यह बात सही है कि कोर्ट को जन भावनाओं के आधार पर नहीं कानून के आधार पर निर्णय करना चाहिए परंतु यह भी तथ्य है कि जनमानस कोर्ट के निर्णयों को समाज के हित आदि की भावनाओं से देखता है दूसरे कानून के शब्द सदैव बहुअर्थी हो सकते हैं। उनका अर्थ या निष्कर्ष निकालने का अधिकार तो कोर्ट का ही होता है, तो फिर पुणे के किशोर न्यायालय के द्वारा दो इंजीनियर की हत्या के अपराधी भले ही वह उद्देश्य विहीन हत्या मानी जाए परंतु इस अर्थ में एक गंभीर घटना है कि आज का जो नौजवान है वह किस प्रकार विकृतियों की ओर जा रहा है उसे जमानत देना और वह भी हास्यास्पद शर्तों पर कानून का मजाक व अधिकारों का दुरुपयोग है। जमानत के लिए किशोर न्यायालय ने कहा था कि अपराधी दुर्घटना पर निबंध लिखे और आरटीओ कार्यालय जाकर ट्रैफिक के कानून समझे। क्या यह मानवता के साथ, किशोर न्यायालय का क्रूर मजाक नहीं है?

पुणे की पुलिस को भी बधाई देनी होगी की पुणे पुलिस ने न केवल अपराध के लिये नौजवान के विरुद्ध कार्रवाई की बल्कि उसके माता पिता,किशोर न्यायालय के अधिकारी, डॉक्टर्स और कुछ अन्य लोगों के खिलाफ भी उसी प्रकार की धारा में मुकदमा दर्ज किया है और न्यायालय ने तो बाद में इतने महत्वपूर्ण आदेश दिए कि किशोर न्यायालय के अधिकारी के विरुद्ध भी टिप्पणी व आदेश दिए। चूँकि लड़के के अरबपति पिता ने जैसा कि आमतौर पर होता है कि पैसे वाले अपने ड्राइवर को चालक बनाकर उसके विरुद्ध अपराध बनवा देते हैं बाद में या तो मुकदमे बाजी के हथकंडों से उसे छुड़ा लेते हैं या अगर कुछ थोड़ी बहुत सजा भी हुई तो उसके परिवार के लिए समुचित आर्थिक व्यवस्था कर उसे जेल भिजवा देते हैं। विचारे गरीब ड्राइवर लाचार होते हैं उनका सोचना है की कुछ दिन सजा काट लेने से मालिक की वफादार बने रहेंगे एवं नौकरी सुरक्षित रहेगी, अन्यथा निकाल दिए जाएंगे तो बच्चे भूखे मरेंगे। अतरू ड्राइवर निर्दोष होते हुए भी दोष स्वीकार कर लेता हैं।

पुणे पुलिस को इसलिए भी धन्यवाद देना होगा कि उन्होंने इस प्रकरण में ड्राइवर को, गाड़ी मालिक श्री अग्रवाल के प्रयास के बावजूद भी मुलजिम नहीं बनाया। इतना ही नहीं, अपराधी लड़के के पिता को, गवाह बदलवाने व ड्राइवर की झूठी कहानी बनाने को लाचार करने के अपराध में गिरफ्तार किया है। तथा किशोर न्यायालय के कार्यों की जांच भी शुरू हुई है। पुणे पुलिस की यह कार्यवाही अनुकरणीय है तथा सराहनीय। वरना, मुंबई, दिल्ली में रईसजादों के द्वारा, अपनी बड़ी-बड़ी गाड़ियों से कितने ही निर्दोष लोगों को मार देने व बच जाने की कितनी ही घटनाएं हैं (श्री नंदा से लेकर फिल्मी हीरो सलमान खान तक) जिन्हें देश जानता है।

पुणे कांड में तो भ्रष्टाचार यहां तक पहुंचा कि डॉक्टरों ने अपराधी किशोर का ब्लड सैंपल ही बदल दिया तथा उसके स्थान पर किसी महिला का शायद उसकी मां का ब्लड सैंपल लगा दिया। अब पुणे पुलिस ने उन दोनों डॉक्टरों को भी गिरफ्तार किया है और वे अब जेल में है। इस दुर्घटना कांड में जिस प्रकार की तत्परता व कार्रवाई पुलिस से लेकर न्यायालय ने की है वह अब भविष्य के लिए उदाहरण बनेगी और भविष्य में ऐसे रईसजादों के अपराधों को रोकने का माध्यम बनेगी।

17 साल के नाबालिग नौजवान के लिए आखिर उसके पिता ने अपनी गाड़ी चलाने को क्यों दी, जिसकी रफ्तार 200 किलोमीटर तक जाती है। इतना ही नहीं अपने बेटे के लिए उन्होंने अपना क्रेडिट कार्ड क्यों दिया? जबकि कानून के अनुसार नाबालिक का ड्राइविंग लाइसेंस नहीं बनाया जाता है। यह माना जाता है कि, यह उम्र अस्थिरता कि उम्र होती है।

राजनीति

डॉ. चन्दर सोनाने

लेखक स्तंभकार हैं।

महिला सरपंचों के पदों पर दबंगों का कब्जा

हमारा देश भले ही 15 अगस्त 1947 को आजाद हो गया हो, संविधान द्वारा त्रिस्तरीय पंचायत राज व्यवस्था में सरपंच, जनपद और जिला पंचायतों में अनुसूचित जाति, जनजाति और पिछड़े वर्ग के लिए आरक्षण का प्रावधान कर लिया गया हो, मध्यप्रदेश में उक्त सभी पदों पर महिलाओं का 50 प्रतिशत आरक्षण भी कर दिया गया है, किन्तु आज भी दलित और आदिवासी महिला सरपंचों के पदों पर दबंगों का कब्जा है। चुनी हुई महिला सरपंच नाममात्र की है। अधिकांश सरपंचों की सील और हस्ताक्षर पर परिजनों या दबंगों का कब्जा है। वे ही सरपंची कर रहे हैं।

देश को आजाद हुए करीब 77 वर्ष होने जा रहे है। किन्तु आज भी ग्रामीण क्षेत्रों में महिला सशक्तिकरण का नारा केवल कागज पर ही है। हाल ही में एक खबर आई है, वह चिंताजनक और शर्मनाक है। हाल ही में मध्यप्रदेश के भोपाल, ग्वालियर और सागर संभागों के 15 जिलों की 3707 पंचायतों में किए गए सर्वे में चौंकाने वाली जानकारी मिली है। सरपंच के पद पर चुनी हुई महिला सरपंच की बजाय या तो उसके पति, बेटा, ससुर, जेठ और देवर पंचायत का कामकाज देख रहे है या दबंगों ने कब्जा कर रखा है।

आरक्षित महिला पंचायतों की महिला सरपंचों को यह भी पता नहीं कि गाँव में क्या-क्या विकास कार्य चल रहे हैं। यही नहीं अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित पंचायतों की महिला सरपंच मजदूरी और अन्य के घरों में झाड़ू-पोछा करके अपना गुजारा कर रही है। इतना ही नहीं कुछ महिला सरपंच तो चुनाव जीतने के बाद प्रमाण पत्र लेने तक ही सरपंच रही। इसके बाद उनके प्रमाण पत्र दबंगों ने उनसे छीन लिए। इन दबंगों के कब्जे में ही सरपंच की सील होती है और सरपंच के पद पर वही हस्ताक्षर भी कर रहे हैं। दलित और आदिवासी महिला सरपंचों की सीटों की वास्तविकता बताने के लिए कुछ बानगी प्रस्तुत है। मध्यप्रदेश की शिवपुरी जिले की बदरवास की धामनटूक पंचायत की आदिवासी महिला सरपंच विरूला बाई 2022 में सरपंच चुनी गई। तब से ही गाँव का ही दबंग उपसरपंच श्यामबिहारी सरपंची कर रहा है। महिला सरपंच मजदूरी कर अपना गुजर बसर कर रही है। उसके घर में शौचालय तक नहीं है। सरपंच बनने के बाद आज तक उसे पंचायत की किसी बैठक में भी नहीं बुलाया गया। पिछले 2 साल में पंचायत में 1 करोड़ 65 लाख के काम हो चुके है, लेकिन इनमें से किसी में भी उससे दस्तखत नहीं लिए गए।

इसी प्रकार मुरैना जिले की कोरसा जनपद पंचायत की विंडवा पंचायत में दलित महिला मुन्नीदेवी सरपंच है। लेकिन सरपंची गाँव के उपसरपंच कृष्णवीर सिंह कर रहे है। सरपंच से संबंधित सभी सील उसके कब्जे में है और उस पर हस्ताक्षर का काम भी कृष्णवीर ही कर रहे है। सचिव बृजकिशोर शर्मा ने चुनी हुई सरपंच से कभी कोई काम और हस्ताक्षर आदि नहीं लिया।

दलित और आदिवासी महिला सरपंचों के पद पर वे चुनाव तो जीत गई, किन्तु उनके वास्तविक अधिकारों का इस्तेमाल गाँव के ही दबंग लोग कर रहे हैं। यही नहीं वे सरकारी पैसों का दुरूपयोग भी कर रहे है। और जाँच में दोषी पाए जाते हैं तो इन दबंगों की बजाय भोली-भाली महिला सरपंच ही कानून के दायरे में आ जाती है। ऐसी कई महिला सरपंच पर केस दर्ज हुए और रिकवरी भी निकली। रिकवरी की यह राशि महिला सरपंच मजदूरी करके चुका रही है। यही नहीं वे कोर्ट कचहरी के भी चक्कर लगा रही है। इसके कुछ उदाहरण इस प्रकार है -

शिवपुरी जिले की पोहरी जनपद पंचायत की ग्राम पंचायत झिरी में आदिवासी महिला पप्पी 2022 में सरपंच चुनी गई। दबंगों ने ठेके लेकर अलग- अलग कामों में फर्जी भुगतान निकाला। अब सरपंच पर 24 लाख 31 हजार रूपए की वसूली निकली है। वह जिला पंचायत और कलेक्टोरेट में शिकायत कर न्याय की गुहार लगा रही है। इसी प्रकार वर्ष 2010 में हुए पंचायत चुनाव में ईसागढ़ क्षेत्र की ग्राम पंचायत बमनावर की सीट आदिवासी महिला के लिए आरक्षित हुई। दबंगों ने मुलियाबाई को चुनाव लड़वाकर सरपंच बनवा दिया। दबंगों ने बाद में आदिवासी बस्ती में 2 लाख 40 हजार रूपए की राशि स्कूल भवन के लिए स्वीकृत की। निर्माण कागजों में ही हुआ। वास्तव में काम हुआ ही नहीं और राशि हड़प ली गई। बाद में जाँच में स्कूल भवन नहीं मिलने पर सरपंच मुलियाबाई के खिलाफ केस दर्ज कर लिया गया। बड़ी मुश्किल से वह उस केस से बची। मुलियाबाई 2015 तक सरपंच रही। वह मजदूरी करके अपना गुजर बसर कर रही है। इसी प्रकार चंदेरी जनपद की ग्रामपंचायत खागल दूधराई में भी महिला सरपंच मुन्नीबाई के नाम पर 14 लाख 39 हजार रूपए का काम कागज में ही बताकर गबन किया गया। गड़बड़ी सामने आने पर सरपंच के विरूद्ध केस दर्ज हो गया। शिवपुरी जिले के महिला सरपंचों ने कलेक्टर को ज्ञापन देकर शिकायत की कि सरपंच वे है किन्तु सरपंची दबंग लोग कर रहे है। उनके साथ न्याय किया जाए।

उक्त उदाहरण केवल बानगी के तौर पर है। प्रदेश की अधिकांश दलित और आदिवासी सरपंच की सीटों पर कागज पर तो महिला सरपंच चुनी गई है, किन्तु वास्तविक सरपंची उसके परिजन या दबंग ही कर रहे हैं। उन्हें पंचायतों की बैठकों में भी बुलाया नहीं जाता। इस प्रकार के उदाहरण अत्यन्त दुखद है और चिंताजनक है। राज्य सरकार को चाहिए कि त्रिस्तरीय पंचायत राज व्यवस्था के मूल उद्देश्य को ध्यान में रखकर केवल कागज पर ही महिला सशक्तिकरण न करें, बल्कि यह भी देखे कि महिला सरपंच सही मायने में अपने अधिकारों का उपयोग कर पा रही है या नहीं। सरपंच के पद पर यदि परिजन या दबंग सरपंची करते हुए पाए जाए तो उनके विरूद्ध सख्त कार्रवाई की जाए, ताकि चुनी हुई सरपंचों को अपने अधिकार मिल सके। चुनी हुई सरपंच की बजाय यदि उसके परिजन या दबंग काम करते हुए पाए जाने पर संबंधित पंचायत के सचिव, जनपद पंचायत और जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों पर सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए। इसके लिए जरूरत पड़ने पर कानून में भी संशोधन करना पड़े तो किया जाना चाहिए, तभी वास्तव में महिला सशक्तिकरण हो पाएगा अन्यथा यह केवल कागज पर ही रहेगा।

इस रूट के सभी घोड़े हिनहिना रहे हैं

कटाक्ष

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा 'उरतृप्त'

लेखक व्यंग्यकार हैं।

पुराने मालिक ने अपने गुम हुए घोड़ों से बात करने के लिए फोन लगाया। दूसरी ओर से जवाब आया- इस रूट के सभी घोड़े हिनहिना रहे हैं। पुराने मालिक के पास जिन घोड़ों को पानी, चना और अस्तबल मिलता था, उन्हीं को नए मालिक के पास मधुशाला की असीम धारा, मुर्ग मुसल्लम और आलीशान होटलों का बंपर ऑफर मिलता है। ऐसे घोड़े महंगा-महंसा फोन इस्तेमाल करते हैं, लेकिन स्विचॉफ करके। इनकी आँखों पर माया की पट्टी बांधकर कभी कहीं एयरपोर्ट तो कहीं महंगी चार चक्का के ताम-झाम में नए मालिक के इशारों पर हिनहिनाने के लिए बंजारों की तरह इधर से उधर घुमाने के लिए नाक में नकेल डाल दी जाती है। इशारों के नकेली घोड़े नोटों की हरी-हरी घांस चरते हुए नए मालिक के लिए हिनहिनाते हुए स्वयं को भाग्यवान समझते हैं। इसे ही आसान शब्दों में हॉर्स ट्रेडिंग कहा जाता है।

किताबों में पढ़ा था कि फलाँ शताब्दी में जब घोड़ों के व्यापारी अच्छी नस्ल के घोड़ों की खरीद-फरोख्त करते थे और कुछ अच्छा पाने के लिए किसी तरह के जुगाड़ या चालाकी के लिए जो तकनीक अपनाते थे, उसे ही हॉर्स ट्रेडिंग कहा गया। बताया जाता है कि इस दौरान व्यापारी अपने घोड़ों को कहीं पर छुपा देते थे, कहीं पर बांध देते थे या फिर किसी और अस्तबल में पहुंचा देते थे। फिर अपनी चालाकी, पैसों के लेन-देन के दम पर सौदा करते थे। राजनीति में हॉर्स ट्रेडिंग ठीक इसके विपरीत होता है। जो पहुँचा हुआ होता है वह उतना ही नीचा काम करने के लिए जाना जाता है। वह सबसे पहले अच्छे घोड़ों के बदले छंटे हुए बदमाश, नोटों की हरी-हरी घांस के लिए माँ-बहन बेचने वाले, सबसे घटिया किस्म के खच्चर टाइप के नेताओं की तलाश करते हैं। चूंकि ये नोटों की हरी-हरी घांस खाने के सिद्धांत के परम उपासक होते हैं, इसलिए इन्हें मनचाहा घांस फेंककर दूसरों की घांस पर मुँह मारने से वंचित रखते हैं।

यही खच्चर टाइप के घोड़े जब अपनी विश्वसनीयता सिद्ध करने के लिए अंतिम जगह पर पहुँचते हैं तब एक साथ जोर से हिनहिनाने लगते हैं। उनके हिनहिनाने में यह साफ होता है कि हम पुराने मालिक की सूखी-सूखी घांस से उबिया गए थे। अब हम नए मालिक की हरी-हरी घांस में मजा आ रहा है। इसलिए हम नए मालिक का ही फेंका हुआ घांस खायेंगे। हम इनके लिए जहाँ कहें वहाँ, जब कहें तब, जैसे कहें वैसे हिनहिनाने के लिए तैयार हैं। हमारी विशेषता यह है कि हम कभी नहीं बैठते। पता नहीं कौन कब कहाँ दौड़ने छिपने और हरी खांस वाले नोट खाने के लिए कह दे। हम केवल मरते समय जमीन चाटते हैं, वरना मरते दम तक नीयत बदलने के लिए खड़े रहने में हमारा सानी कौन हो सकता है! समय बदलता रहता है, लेकिन हम नहीं बदलते। जब तक हम हैं तब तक हिनहिनाना है। जब तक नोटों की हरी-हरी घांस है तब तक हमारा मुँह मारने का सिलसिला जारी रहता है। काश महाराणा प्रताप का चेतक और महारानी लक्ष्मीबाई का पवन भी हमारे साथ होता। उन्हें भी हम हिनहिनाना सिखा देते। दुर्भाग्य से वे बिना हिनहिनाए इस दुनिया से चल बसे।

स्वामी, सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक उमेश त्रिवेदी द्वारा श्री सिद्धीविनायक प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 26-बी, देशबंधु परिसर, प्रेस कॉम्प्लेक्स, जोन-1, एम.पी.नगर, भोपाल, म.प्र. से मुद्रित एवं डी-100/46, शिवाजी नगर भोपाल से प्रकाशित।

संपादक - उमेश त्रिवेदी

(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा)

RNI No. MPHIN/ 2003/ 10923,
Ph. No. 0755-2422692, 4059111
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

व्यंग्य

शांतिलाल जैन

लेखक व्यंग्यकार हैं

धांधलियों से आगे धांधली तक का सफर

विशाल सभागृह, अर्धवृत्ताकार मंच, श्रोताओं में शिक्षक, अभिभावक, नीट में धांधली का शिकार छात्रों का समूह, शिक्षा के वज़ीर और उनके महकमे के मुलाज़िम. उपस्थित समूह की जननायक से हुई काल्पनिक चर्चा और सवाल-जवाब की संक्षिप्त रपट यहाँ प्रस्तुत है.

जननायक के सामने सबसे कठिन प्रश्न था बच्चों को हिम्मत हारने से बचने के सुझाव देना. उन्होंने कहा कि परीक्षा में धांधली के शिकार छात्रों को निराश नहीं होना चाहिए. आपने चुनाव में धांधली के शिकार किसी नेता को आत्मघाती कदम उठाते हुए कभी देखा है? वो धांधलियों से आगे धांधली करना सीखता है. राजनीति में जो जितनी अधिक धांधलियाँ कर लेता है उसे उतनी अधिक सफलताएँ प्राप्त होती हैं. जननायक तो अपनी ही पार्टी के एक्जामपल देना चाह रहे थे कि टेलीप्रोम्प्टर पर आई सलाह ने उन्हें रोक दिया. उन्होंने छात्रों को बताया कि ये आर्यावर्त है, यहाँ धांधली कभी सहना होती है, कभी करना होती है. नीट की परीक्षा में धांधली आपके लिए एक स्टेपिंग स्टोन है. आपको धांधली सहना और धांधली करना दोनों सीख लेना चाहिए, अवसर मिले तो कर डालिए नहीं तो सहन करते हुए अवसर की प्रतीक्षा कीजिए. और, अब आर्यावर्त में ऐसा कुछ नहीं रहा कि धांधलियों से जन-विश्वास कमज़ोर हो जाते हों. ये राजनेताओं पर जन-विश्वास ही है जो व्यापम से नीट तक तमाम कारगुजारियों के बावजूद हर बार छात्रों को परीक्षा हॉल तक ले आता है. आर्यावर्त में जीवन धांधलियों से आगे धांधली तक की यात्रा है. यात्रा से याद आया, आप यात्रा करके परीक्षा देने जिस शहर में आए हैं हमने इसका मुगलकालीन नाम बदल दिया है. नाम बदलने से युवाओं का भविष्य सुरक्षित होता है, पेपर लीक रोकने से नहीं.

बैचमेट्स की सफलताओं के दबाव और दोस्तों के बीच कॉम्पिटीशन के सवाल पर जननायक ने कहा कि कॉम्पिटीशन हेल्दी होना चाहिए. एक बार फिर उन्होंने राजनीति का उदहारण सामने रखते हुए कहा कि राजनेता जेल में डालनेवाला हो या जेल में डलनेवाला दोनों के बीच टॉम एंड जेरी नुमा प्रतिस्पर्धा होती है. जब इसका समय आता है उसको जेल में डाल देता है, जब उसका समय आता है इसको जेल में डाल देता है. एक होड़ सी मची रहती है किसने किस पार्टी के कितने जेल में डाले. अपोजिशन का गला काट लेना लोकतंत्र स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की निशानी है. सिमिलरली, कॉम्पिटीशन मेडिकल कॉलेजों की मंडी में भी कम नहीं है. बारह हज़ार करोड़ रूपये सालाना का बाज़ार है. सीटें भरती नहीं हैं, नीलाम होती हैं. सरकार का काम है मार्किट को सपोर्ट करना. बिग कार्पोरेट्स को इंसेंटिव चाहिए, सरकार देती है. नीट में चहेतों को ग्रेस मार्क्स चाहिए, सरकार देती है. मेडिकल सीट्स के ओपन मार्किट में सर्वाईवल ऑफ़ दी फिटेस्ट का प्रिंसिपल समझ लेंगे तो कभी आत्मघाती कदम नहीं उठाएँगे.

जननायक ने अल्टरनेटिव कॅरियर के बारे में भी सलाह दी. अभिभावकों से आग्रह किया कि अगर वे डॉक्टरी की सीट अफोर्ड नहीं कर सकते तो बच्चों को पानी-पतासी बेचने जैसे कामों में लगाएँ. उन्हें समझाएँ कि कोई कितना भी बड़ा डॉक्टर क्यों न बन जाए एक दिन वो आपके बच्चे के सामने हाथ में दोना लेकर हींग के पानीवाली पतासी जरूर मांगेगा. पतासी बेचनेवाले युवा की उपलब्धि नीट से परीक्षा पास डॉक्टर की उपलब्धि से कमतर नहीं है. कुछ लोग जो आज संसद में और विधानसभाओं में हैं कभी वे भी पानी-पतासी ही बेचा करते थे. नीट में चूक जाने पर नकारात्मकता का संचार होता है, पानी-पतासी बेचने से सकारात्मकता आती है. आई ऑलवेज सी ए लुकरेटिव कॅरियर इन सेलिंग ऑफ़ पानी पतासी.

छात्रों को प्रेरित करने में शिक्षकों की भूमिका पर जोर देते हुए कहा कि शिक्षकों को आदिवासी युवा और राजकुमारों में फर्क करना आना चाहिए. राजशाही हो कि लोकशाही, अंगूठा किसका लेना है और धनुर्धर किसको बनाना है यह हैसियत से तय होता आया है. अपना आकलन आप स्वयं करें ङ्क पाँच सितारा निजी मेडिकल कॉलेज में जाने की हैसियत रखते हैं कि गांधीज में से किसी के नाम पर धरे गए सरकारी कॉलेज में. सर्वाईवल ऑफ़ दी फिटेस्ट. यहाँ फिट नहीं हो पा रहे तो डॉक्टरी पढ़ने यूक्रेन, बेलारूस या चीन निकल जाएँ. वहाँ के वार की चिंता न करें. हम निकाल लाएंगे आपको.

जाँच पर एक अभिभावक के प्रश्न के उत्तर में जननायक ने कहा कि सरकार को सब ज्ञात होता है, मगर वो मामले अज्ञात पर दर्ज करती है. अज्ञात को कब ज्ञात कराना है और ज्ञात को कब अज्ञात करा देना है वो आप हम पर छोड़ दीजिए. आप लोग ज्ञात-अज्ञात के फेर में न रहें, दूरदर्शन पर टी-20 फ्री टेलीकास्ट हो रहा है, एन्जॉय करें.

अंत में, शिक्षा के वज़ीर ने आश्वस्त करते हुए कहा कि सरकार पेपर लीक करने और सॉल्व करने के कारोबार को इंडस्ट्री का दर्जा देने पर गंभीरता से विचार कर रही है. हम चाहते हैं सॉल्वर-गैंग में प्रतिभाशाली बेरोजगार युवा जुड़े और 'पेपर-लीक एंड सॉल्विंग इंडस्ट्रीज (प्रा.) लिमिटेड' जैसे स्टार्ट-अप लगा सकें. उन्होंने जननायक और श्रोताओं का धन्यवाद अदा किया और सभी को शुभकामनाएं देकर विदा ली.

न्याय और कानून

विनय झैलावत

(पूर्व असिस्टेंट सॉलिसिटर जनरल एवं वरिष्ठ अधिवक्ता)

राज्यसभा चुनाव-1

राज्यसभा चुनाव, विधिक स्थिति और कानून

संविधान के अनुच्छेद 80 के अनुसार, राज्यसभा के लिए प्रत्येक राज्य के प्रतिनिधियों का चुनाव अप्रत्यक्ष रूप से उनकी विधानसभा के निर्वाचित सदस्यों द्वारा किया जाता है। राज्यसभा के लिए चुनाव की आवश्यकता तभी होगी जब उम्मीदवारों की संख्या रिक्तियों की संख्या से अधिक हो। सन 1998 तक, राज्यसभा चुनावों का परिणाम आमतौर पर एक पूर्व निष्कर्ष था। राज्य विधानसभा में बहुमत वाले दलों ने अक्सर प्रतिस्पर्धा की कमी के कारण अपने उम्मीदवारों को निर्विरोध जितवा दिया था।

चुनाव आयोग ने तमिलनाडु की 6 राज्यसभा सीटों के लिए चुनाव की तारीखों की घोषणा कर दी है। राज्यसभा या संसद का ऊपरी सदन यूनाइटेड किंगडम में हाउस ऑफ लॉर्ड्स के मॉल पर बनाया गया है। भारत में सदन की संरचना संविधान के अनुच्छेद 80 में राज्यसभा के सदस्यों के लिए प्रावधान हैं। वर्तमान में इसके 245 सदस्य हैं, जिनमें 233 निर्वाचित सदस्य और 12 मनोनीत सदस्य हैं। संवैधानिक सीमा के अनुसार, उच्च सदन की संख्या 250 से अधिक नहीं हो सकती है। एक राज्य द्वारा भेजे जा सकने वाले राज्यसभा सदस्यों की संख्या उसकी जनसंख्या पर निर्भर करती है। इसलिए, जैसे-जैसे राज्यों का विलय होता है, विभाजन होता है या नए बनाए जाते हैं, निर्वाचित सीटों की संख्या बदल जाती है। राज्यसभा के मनोनीत सदस्यों को कला, साहित्य, विज्ञान और समाज सेवा के क्षेत्र में भारत के राष्ट्रपति द्वारा नामित किया जाता है।

उपराष्ट्रपति राज्यसभा के पदेन अध्यक्ष हैं। उपसभापति, जो सदन के सदस्यों में से चुना जाता है, अध्यक्ष की अनुपस्थिति में सदन के दिन-प्रतिदिन के मामलों का ध्यान रखता है। सदस्यों का कार्यकाल प्रत्येक राज्यसभा सांसद का कार्यकाल 6 साल का होता है। एक तिहाई सीटों के लिए चुनाव हर दो साल में होते हैं। लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 की धारा 154 के अनुसार, आकस्मिक रिक्ति की दशा में सदस्य पूर्ववर्ती के कार्यकाल के शेष कार्यकाल के लिए सेवा करेगा। राज्यसभा की बैठक निरंतर सत्रों में होती है। लोकसभा के विपरीत, इसे भंग नहीं किया जाता है। लोकसभा की तरह राज्यसभा को भी राष्ट्रपति द्वारा स्थगित किया जा सकता है

राज्यसभा के सदस्य अप्रत्यक्ष रूप से लोगों द्वारा चुने जाते हैं, यानी विधायकों द्वारा किसी राज्य की विधानसभा के सदस्य एकल हस्तांतरणीय वोट (एसटीवी) प्रणाली के साथ आनुपातिक प्रतिनिधित्व में राज्यसभा चुनावों में मतदान करते हैं। प्रत्येक विधायक के वोट की गिनती केवल एक बार की जाती है। राज्यसभा की सीट जीतने के लिए, एक उम्मीदवार को आवश्यक संख्या में वोट मिलने चाहिए। संविधान के अनुच्छेद 80 के अनुसार, राज्यसभा के लिए प्रत्येक राज्य के प्रतिनिधियों का चुनाव अप्रत्यक्ष रूप से उनकी विधानसभा के निर्वाचित सदस्यों द्वारा किया जाता है। राज्यसभा के लिए चुनाव की आवश्यकता तभी होगी जब उम्मीदवारों की संख्या रिक्तियों की संख्या से अधिक हो। सन् 1998 तक, राज्यसभा चुनावों का परिणाम आमतौर पर एक पूर्व निष्कर्ष था। राज्य विधानसभा में बहुमत वाले दलों ने अक्सर प्रतिस्पर्धा की कमी के कारण अपने उम्मीदवारों को निर्विरोध जितवा दिया था।

हालांकि, महाराष्ट्र में जून 1998 के राज्यसभा चुनावों में क्रॉस-वोटिंग देखी गई, जिसके परिणामस्वरूप कांग्रेस पार्टी का एक उम्मीदवार हार गया। इस तरह के क्रॉस-वोटिंग से विधायकों पर लगाम लगाने के लिए, 2003 में लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 में एक संशोधन किया गया था। अधिनियम की धारा 59 में यह प्रावधान करने के लिए संशोधन किया गया था कि राज्यसभा के चुनावों में मतदान एक खुले मतपत्र के माध्यम से होगा। राजनीतिक दलों के विधायकों को अपनी पार्टी के अधिकृत एजेंट को अपना मतपत्र दिखाना आवश्यक है। बैलेट पेपर को अधिकृत एजेंट को न दिखाने या किसी और को न दिखाने से वोट अयोग्य हो जाएगा। निर्दलीय विधायकों को किसी को भी अपना मतपत्र दिखाने से रोक दिया गया है।

राज्यसभा में 250 सदस्य हैं, जो दिल्ली और पुदुच्चेरी सहित राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों का प्रतिनिधित्व करते हैं। कुल में से 12 को राष्ट्रपति द्वारा कला, साहित्य, विज्ञान, समाज सेवा के क्षेत्रों से सीधे नामित किया जाता है। राज्यसभा की सीटें राज्यों के बीच उनकी जनसंख्या के आधार पर वितरित की जाती हैं। उदाहरण के लिए, उत्तर प्रदेश में राज्यसभा की 31 सीटों का कोटा है जबकि गोवा में सिर्फ एक सीट है। अप्रत्यक्ष चुनाव प्रणाली राज्य विधानसभाओं के सदस्य एकल हस्तांतरणीय वोट के माध्यम से आनुपातिक प्रतिनिधित्व की अप्रत्यक्ष चुनाव प्रणाली के माध्यम से राज्यसभा सदस्यों का चयन करते हैं। इस प्रणाली में, प्रत्येक विधायक की मतदान शक्ति

उनके संबंधित निर्वाचन क्षेत्रों की आबादी द्वारा निर्धारित की जाती है।

कोटा निर्वाचित होने के लिए, एक उम्मीदवार को एक विशिष्ट संख्या में वोट हासिल करने होते हैं जिन्हें कोटा के रूप में जाना जाता है। कोटा का निर्धारण कुल वैध मतों को उपलब्ध सीटों की संख्या और एक से विभाजित करके किया जाता है। कई सीटों वाले राज्यों में, प्रारंभिक कोटा की गणना विधायकों की संख्या को 100 से गुणा करके की जाती है, क्योंकि प्रत्येक विधायक के वोट का मूल्य 100 है। विभिन्न दलों के उम्मीदवारों के नामों के साथ मतपत्र भरते समय, विधायक प्रत्येक उम्मीदवार के खिलाफ अपनी प्राथमिकताओं को रैंक करते हैं-1 शीर्ष वरीयता (पहला तरजीही वोट) को दर्शाता है 2 अगले के लिए, और इसी तरह आगे।

यदि किसी उम्मीदवार को कोटा को पूरा करने या उससे अधिक करने के लिए पर्याप्त प्रथम वरीयता प्राप्त वोट मिलते हैं, तो वे चुने जाते हैं। यदि जीतने वाले उम्मीदवार के पास अधिशेष वोट हैं, तो उन वोटों को उनकी दूसरी पसंद को स्थानांतरित कर दिया जाता है। यदि कई उम्मीदवारों के पास अधिशेष है, तो सबसे बड़ा अधिशेष पहले हस्तांतरित किया जाता है। कम मतों का उन्मूलन-व्यर्थ मतों को रोकने के लिए, यदि अधिशेष अंतरण के बाद उम्मीदवारों की आवश्यक संख्या निर्वाचित नहीं होती है, तो सबसे कम मतों वाले उम्मीदवार को हटा दिया जाता है, और उनके अप्रचलित मतपत्रों को शेष उम्मीदवारों के बीच पुनर्वितरित किया जाता है। एक फाइनल स्टेटमेंट एक मतपत्र को संदर्भित करता है जिसमें जारी उम्मीदवारों के लिए कोई और प्राथमिकता दर्ज नहीं की जाती है। अधिशेष मत अंतरण और उन्मूलन की यह प्रक्रिया तब तक जारी रहती है जब तक कि सभी उपलब्ध सीटों को भरने के लिए पर्याप्त उम्मीदवार कोटा तक नहीं पहुंच जाते। 1985 में 52 वें संविधान संशोधन अधिनियम द्वारा प्रस्तुत संविधान की दसवीं अनुसूची में 'दल-बदल विरोधी कानून' से संबंधित प्रावधान हैं। इसमें कहा गया है कि संसद या राज्य विधानमंडल का कोई सदस्य जो स्वेच्छा से अपने राजनीतिक दल की सदस्यता छोड़ देता है या अपनी पार्टी के निर्देशों के खिलाफ वोट देता है, वह सदन से अयोग्य होने के लिए उत्तरदायी है। मतदान के संबंध में यह निर्देश आमतौर पर पार्टी व्हिप द्वारा जारी किया जाता है। हालांकि, चुनाव आयोग ने जुलाई 2017 में स्पष्ट किया कि दल-बदल विरोधी कानून सहित दसवीं अनुसूची के प्रावधान राज्यसभा चुनावों पर लागू नहीं होते हैं। इसलिए, राजनीतिक दल राज्यसभा चुनावों के लिए अपने सदस्यों को कोई व्हिप जारी नहीं कर सकते हैं, और सदस्य इन चुनावों में पार्टी के निर्देशों से बाध्य नहीं हैं।

राजेंद्र प्रसाद जैन ने कांग्रेस विधायकों (रिश्वत के बदले) द्वारा क्रॉस-वोटिंग के माध्यम से बिहार में एक सीट जीती, जैन के चुनाव को सर्वोच्च न्यायालय ने 1967 में अमान्य घोषित कर दिया था। क्रॉस वोटिंग एक ऐसी स्थिति को संदर्भित करता है जिसमें एक विधायी निकाय का सदस्य, जैसे कि संसद का सदस्य या विधान सभा का सदस्य, एक राजनीतिक दल से संबंधित, चुनाव या किसी अन्य मतदान प्रक्रिया के दौरान अपने स्वयं के अलावा किसी उम्मीदवार या पार्टी को वोट देता है। भारत में राज्यसभा चुनावों के संदर्भ में, क्रॉस वोटिंग तब हो सकती है जब किसी राजनीतिक दल के सदस्य अपनी पार्टी द्वारा नामित उम्मीदवारों के बजाय अन्य दलों के उम्मीदवारों को वोट देते हैं। यह विभिन्न कारणों से हो सकता है, जिसमें पार्टी के उम्मीदवार चयन के साथ असहमति, अन्य दलों के प्रलोभन या दबाव, अन्य दलों के उम्मीदवारों के साथ व्यक्तिगत संबंध या वैचारिक मतभेद शामिल हैं।

प्रतिनिधित्व को कम करना क्रॉस-वोटिंग मतदाताओं के प्रतिनिधित्व को कमजोर कर सकता है। विधायकों से अपेक्षा की जाती है कि वे पार्टी के हितों या अपने घटकों की इच्छा के अनुरूप मतदान करें। जब वे इससे विचलित होते हैं, तो इससे उन उम्मीदवारों का चुनाव हो सकता है जिनके पास बहुमत का समर्थन नहीं हो सकता है। क्रॉस-वोटिंग अक्सर रिश्वत या अन्य भ्रष्ट प्रथाओं के कारण होती है, जैसा कि राजेंद्र प्रसाद जैन के चुनाव के उदाहरण में दिखाया गया है। यह चुनावी प्रक्रिया की अखंडता को कमजोर करता है और लोकतंत्र में जनता के विश्वास को कम करता है। जैन ने कांग्रेस विधायकों द्वारा क्रॉस-वोटिंग (रिश्वत के बदले में) के माध्यम से बिहार में एक सीट जीती थी, बाद में जैन के चुनाव को 1967 में सर्वोच्च न्यायालय द्वारा अमान्य घोषित कर दिया गया। पार्टी अनुशासन क्रॉस-वोटिंग पार्टी अनुशासन की कमी को दर्शाता है, जो राजनीतिक दलों के भीतर आंतरिक विभाजन का संकेत देता है। यह पार्टी की एकता और स्थिरता को कमजोर करता है, जिससे पार्टियों के लिए सुसंगत नीतिगत एजेंडे को आगे बढ़ाना मुश्किल हो जाता है।

(शेष अगले कॉलम में)

राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस पर विशेष

योगेश कुमार गोयल

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

सम्मान के बड़े हकदार हैं चिकित्सक

कोरोना महामारी के भयावह दौर में दुनियाभर में चिकित्सक अपनी जान की परवाह किए बिना करोड़ों लोगों के जीवन की रक्षा करते नजर आए थे। उस विकट दौर में देश में ड्यूटी के दौरान सैंकड़ों चिकित्सकों की मौत हुई थी लेकिन फिर भी चिकित्सक जी-जान से लोगों की जान बचाने में जुटे नजर आए थे।

कोरोना की पहली और दूसरी लहर के दौरान तो बहुत से चिकित्सकों और चिकित्सा स्टाफ को अपनी छुट्टियां रद्द कर प्रतिदिन लंबे-लंबे समय तक कार्य करना पड़ा था और ऐसे बहुत से चिकित्साकर्मी महीनों-महीनों तक अपने परिवार और छोटे बच्चों से भी दूर रहे थे। समाज के प्रति चिकित्सकों के ऐसे ही समर्पण एवं प्रतिबद्धता के लिए कृतज्ञता और आभार व्यक्त करने तथा मेडिकल छात्रों को प्रेरित करने के लिए ही प्रतिवर्ष देश में एक जुलाई को 'राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस' मनाया जाता है। गंभीर से गंभीर बीमारियों से जूझते मरीजों की जान बचाने का हरसंभव प्रयास करने वाले चिकित्सक वाकई सम्मान के सबसे बड़े हकदार भी हैं।

चिकित्सक दिवस मनाने का मूल उद्देश्य चिकित्सकों की बहुमूल्य सेवा, भूमिका और महत्व के संबंध में आमजन को जागरूक करना, चिकित्सकों का सम्मान करना और साथ ही चिकित्सकों को भी उनके पेशे के प्रति जागरूक करना है। दरअसल कुछ चिकित्सक ऐसे भी देखे जाते हैं, जो अपने इस सम्मानित पेशे के प्रति ईमानदार नहीं होते लेकिन ऐसे चिकित्सकों की भी कमी नहीं, जिनमें अपने पेशे के प्रति समर्पण की कोई कमी नहीं होती। बिना चिकित्सा व्यवस्था और बिना योग्य चिकित्सकों के इंसान की जिंदगी कैसी होती, इसकी कल्पना मात्र से ही रोम-रोम सिहर जाता है। यही कारण है कि प्रत्येक व्यक्ति के जीवन में चिकित्सकों का महत्व सदा से रहा है और हमेशा रहेगा।

चिकित्सक दिवस की स्थापना भारत में वर्ष 1991 में हुई थी। पश्चिम बंगाल के दूसरे मुख्यमंत्री और जाने-माने चिकित्सक डॉ. बिधान चंद्र रॉय के सम्मान में चिकित्सकों की उपलब्धियों तथा चिकित्सा क्षेत्र में नए आयाम हासिल करने वाले डॉक्टरों के सम्मान के लिए इसका आयोजन होता है। वे एक जाने-माने चिकित्सक, प्रसिद्ध स्वतंत्रता सेनानी और वर्ष 1948 से 1962 में जीवन के अंतिम क्षणों तक पश्चिम

बंगाल के मुख्यमंत्री रहे। उन्होंने पश्चिम बंगाल में दुर्गापुर, बिधाननगर, अशोकनगर, कल्याणी तथा हबरा नामक पांच शहरों की स्थापना की थी। संभवतः इसीलिए उन्हें पश्चिम बंगाल का महान वास्तुकार भी कहा जाता है। कलकत्ता विश्वविद्यालय से मेडिकल की पढ़ाई पूरी करने के बाद उन्होंने वर्ष 1911 में एमआरसीपी और एफआरसीएस की डिग्री लंदन से ली। उन्होंने एक साथ फिजिशयन और सर्जन की रॉयल कॉलेज की सदस्यता हासिल कर हर किसी को अपनी प्रतिभा से हतप्रभ कर दिया था। वर्ष 1911 में भारत में ही एक चिकित्सक के रूप में उन्होंने अपने चिकित्सा कैरियर की शुरूआत की। वे कलकत्ता मेडिकल कॉलेज में शिक्षक नियुक्त हुए। वर्ष 1922 में वे कलकत्ता मेडिकल जनरल के सम्पादक और बोर्ड के सदस्य बने। 1926 में उन्होंने अपना पहला राजनीतिक भाषण दिया और 1928 में अखिल भारतीय कांग्रेस समिति के सदस्य भी चुने गए।

डॉ. बिधान चंद्र रॉय ने 1928 में इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) के गठन और भारत की मेडिकल काउंसिल (एमसीआई) की स्थापना में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कई बड़े-बड़े पदों पर रहने के बाद भी वे प्रतिदिन गरीब मरीजों का मुफ्त इलाज किया करते थे। स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात् उन्होंने अपना समस्त जीवन चिकित्सा सेवा को समर्पित कर दिया। बेहतरीन स्वास्थ्य सुविधाओं को आम जनता की पहुंच के भीतर लाने के लिए वे जीवन पर्यन्त प्रयासरत रहे। 4 फरवरी 1961 को उन्हें भारत के सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार 'भारत रत्न' से सम्मानित किया गया। 1967 में दिल्ली में उनके सम्मान में डॉ. बी.सी. रॉय स्मारक पुस्तकालय की स्थापना हुई और 1976 में उनकी स्मृति में केन्द्र सरकार द्वारा डॉ. बी.सी. रॉय राष्ट्रीय पुरस्कार की स्थापना की गई। संयोगवश डॉ. रॉय का जन्म और मृत्यु एक जुलाई को ही हुई थी। उनका जन्म 1 जुलाई 1882 को पटना में हुआ था और मृत्यु 1 जुलाई 1962 को हृदयाघात से कोलकाता में हुई थी।

बहरहाल, चिकित्सा केवल पैसा कमाने के लिए एक पेशा मात्र नहीं है बल्कि समाज के कल्याण और उत्थान का सबसे महत्वपूर्ण माध्यम है। इसीलिए चिकित्सक को सदैव सम्मान की नजर से देखने वाले समाज के प्रति उनसे भी समर्पण की उम्मीद की जाती है। निजी अस्पतालों के चिकित्सकों पर तो मरीजों और उनके परिजनों के साथ लापरवाही और लूट के गंभीर आरोप लगते रहे हैं। लेकिन ऐसे भी नहीं है कि ज्यादातर डॉक्टर अपने मरीजों के साथ ऐसा ही व्यवहार करते हों, अधिकांश डॉक्टर न केवल अपने मरीज को बड़ी से बड़ी बीमारी से भी राहत दिलाने में बड़ी मददगार भूमिका निभाते हैं बल्कि कई बार उन्हें मौत के मुंह से भी बचा लेते हैं। ऐसे में वे सम्मान के हकदार तो हैं ही।

पहल

डॉ.रामानुज पाठक

विद्यालय पाठ्यक्रम में समाचार पत्र

देश के दक्षिणी छोर के राज्य केरल के सभी विद्यालयों में प्रत्येक कक्षा के छात्रों को समाचार पत्र उपलब्ध कराने और इसे पाठ्यक्रम का अभिन्न हिस्सा बनाने की पहल की जा रही है, जो एक जागरूक, साक्षर और सक्रिय पीढ़ी को बढ़ावा देने की दिशा में प्रशंसनीय कदम है। केरल राज्य शिक्षा और प्रशिक्षण परिषद (एससीईआरटी) द्वारा उठाया गया यह कदम छात्रों के बीच पढ़ने की संस्कृति और भाषा कौशल को बढ़ाने में समाचार पत्र की भूमिका की समझ को दर्शाता है। डिजिटल स्क्रीन के वर्चस्व वाले युग में समाचार पत्र पढ़ने की आदत सूचना उपभोग के लिए अधिक विचारशील दृष्टिकोण को प्रोत्साहित करती है।

समाचार पत्र ज्ञान के समृद्ध भंडार होते हैं, जो नियमित रूप से पढ़ने वाले पाठकों को राजनीति, अर्थशास्त्र, विज्ञान, संस्कृति और खेल से जुड़ी वर्तमान घटनाओं के साथ लगातार अद्यतन करते रहते हैं। स्कूल के पाठ्यक्रम में समाचार पत्र को शामिल करने से छात्रों को वास्तविक समय की जानकारी प्राप्त होगी। स्कूली पाठ्यक्रम में समाचार पत्र को शामिल करके केरल उदाहरण स्थापित कर रहा है, जिसका अनुगामी अन्य राज्यों को भी बनना चाहिए।

समाचार पत्र वाचन और लेखन से छात्रों में विविध दृष्टिकोणों तक सीधी पहुंच प्राप्त होगी, जिससे उन्हें अपने आस-पास की दुनिया की सूक्ष्म समझ विकसित करने में मदद मिलेगी। इस पहल का सबसे महत्वपूर्ण लाभ भाषा कौशल में वृद्धि है। समाचार पत्रों को नियमित रूप से पढ़ने से छात्रों को शब्दावली, परिष्कृत वाक्य संरचनाओं और विभिन्न लेखन शैलियों की एक विस्तृत श्रृंखला से परिचित होने का अवसर मिलेगा। उच्च गुणवत्ता वाली भाषा में यह तल्लीनता पढ़ने की समझ, लेखन क्षमता और समग्र साक्षरता में सुधार के लिए अमूल्य है। इसके अलावा समाचार पत्र पढ़ने का अभ्यास छात्रों के बोलने और सुनने के कौशल को काफी हद तक बढ़ा सकता है। इससे उन्हें अपने विचारों को स्पष्ट रूप से व्यक्त करने में मदद मिलेगी। वे विभिन्न दृष्टिकोणों को सुनने में रुचि दिखाएंगे। यह अभ्यास आलोचनात्मक सोच, संवाद और बहस की संस्कृति को बढ़ावा देगा, जो एक स्वस्थ लोकतांत्रिक समाज के लिए आवश्यक है।

आज की सूचना समृद्ध दुनिया में मीडिया साक्षरता एक आवश्यक योग्यता है। समाचार पत्र की सामग्री के साथ आलोचनात्मक रूप से जुड़ने से छात्र विश्वसनीय समाचार और गलत सूचना के बीच अंतर करना सीखेंगे। यह कौशल ऐसे युग में विशेष रूप से महत्वपूर्ण है जहाँ झूठी भ्रामक खबरें और गलत सूचनाएं व्याप्त हैं, जो अक्सर भ्रम और गलतफहमी का कारण बनती हैं। पाठ्यक्रम में समाचार पत्र को शामिल करने से सीखने के लिए कई रचनात्मक रास्ते भी खुलेंगे। समाचार पत्र पढ़ना अच्छी आदतों में शामिल है। यह आदत इतनी सुलभ और सस्ती होती है कि कोई भी इसे आसानी से अपना सकता है। समाचार पत्र सस्ते हैं और इसलिए टिकाऊ हैं। समाचार पत्र रोजाना पढ़ने की आदत को प्रेरित करते हैं समाचार-पत्रों से गैर-शैक्षणिक पढ़ाई छात्रों के लिए बहुत मजेदार हो सकती है। समाचार पत्र की यह खासियत है कि इसमें हर वर्ग के लिए कुछ न कुछ जरूर होता है और आप जिस दिन से इसे पढ़ना शुरू कर देते हैं, उसी दिन से लाभ दिखने लगता है। परंतु दुखद यह है कि इस डिजिटल युग में खासकर बच्चों को पढ़ने की आदत कम हो गई है। इसी को देखते हुए केरल की स्टेट काउंसिंग आफ एजुकेशन एंड ट्रेनिंग ने एक बेहतर पहल के तहत प्रदेश के सभी स्कूलों की हर क्लास में बच्चों को मुफ्त में समाचार पत्र उपलब्ध कराने का निर्णय लिया है। इस पाठ्यक्रम में क्लास शुरू होने के पहले बच्चों को समाचार पत्र पढ़ना होगा। सप्ताह में एक बार छह दिन पढ़ी खबरों पर प्रतियोगिताएं होंगी। ड्राइंग, चित्रकला,चित्र देखकर खबर लिखना, खबर पढ़कर चित्र बनाना, एक छोटा सा समाचार पत्र तैयार करना जैसी मजेदार गतिविधियों के नियमित रूप से अखबार पढ़ने वाले छात्रों का अन्य गतिविधियों में भी प्रदर्शन तुलनात्मक रूप से बेहतर देखा गया है।साथ ही बच्चों को समाचार पत्र पढ़ने के प्रति जागृत करना इस पहल का उद्देश्य है। नियमित समाचार पत्र पढ़ने से बच्चों में पढ़ने की आदत भी विकसित होती है। आजकल लगभग सभी प्रतियोगी परीक्षाओं में समसामयिक प्रश्न अधिक पूछे जाते हैं और इन्हीं घटनाओं से अवगत रहने का सबसे विश्वसनीय स्रोत अखबार होते हैं। स्काटलैंड में हुए एक शोध के मुताबिक जो नियमित रूप से समाचार पत्र पढ़ते हैं उनका स्वास्थ्य समाचार पत्र नहीं पढ़ने वालों की तुलना में 20 फीसद बेहतर पाया गया। इसी शोध में यह बात सामने आई कि नियमित रूप से समाचार पत्र पढ़ने से तनाव के हार्मोंस का स्तर कम रहता है। नियमित समाचार पत्र पढ़ने से बच्चों का मस्तिष्क सक्रिय रहता है।

स्थानीय, देश-दुनिया, खेल, वित्त, जुर्म, पर्यटन, राजनीति आदि विविध क्षेत्रों की जानकारी का बड़ा स्रोत समाचार पत्र है। प्रत्येक समाचार पत्र में संपादकीय पृष्ठ पर विशेषज्ञ की राय होती है जो हर विषय के विभिन्न पहलू को उजागर करते हैं। बचपन में समाचार पत्र पढ़ने की आदत बच्चों के भाषा ज्ञान में भी बढ़ोतरी करता है। साथ ही समाचार पत्र पढ़ने वाले किसी भी विषय पर अपनी बात अधिक मजबूती से रख पाते हैं।समाचार पत्र के नियमित अध्ययन से छात्र बेहतर शैक्षणिक प्रदर्शन का प्रमाण देते हैं। इसके अलावा जोर से पढ़ने और सार्वजनिक रूप से बोलने में आत्मविश्वास में वृद्धि होती है।समाचार हर दिन विकसित होते हैं।ये गतिविधियाँ छात्रों को पढ़ने और लिखने में अपने कौशल को बेहतर बनाने में मदद करेंगी। ये कौशल उनमें से हैं जिनका वे अभ्यास करेंगे- मुख्य विचार कैसे खोजें, शब्दावली कैसे बढ़ाएँ, पठन की तुलना कैसे करें, वाक्य कैसे बनाएँ, एक अच्छा प्रश्न कैसे पूछें और एक बढ़िया सारांश कैसे लिखें। वे कई आलोचनात्मक सोच कौशल का उपयोग करेंगे क्योंकि उन्हें समाचार पत्र में पाई जाने वाली प्रामाणिक सामग्री के साथ बातचीत करने की आवश्यकता होती है। कक्षा में समाचार पत्र की खूबसूरती यह है कि यह हर दिन ताज़ा होता है। यह आपके पास नवीनतम समाचार और जानकारी लेकर आता है और अन्य मीडिया के विपरीत, बहुत सारे विवरणों के साथ खूबसूरती से लिखा हुआ आता है। पत्रकार और रिपोर्टर जो हुआ उसे फिर से बनाने के लिए अधिक जानकारी खोजते हैं, तब कहानियाँ सामने आती हैं। वास्तव में दुनिया की घटनाओं का सच के साथ प्रदर्शन करने में समाचार पत्र से बेहतर कोई अन्य सूचना माध्यम का रिकॉर्ड नहीं है।

सामाजिक जागरूकता और सीखने की प्रेरणा में वृद्धि का प्रमाण होते हैं समाचार पत्र। सीखने की गतिविधियों में भागीदारी में वृद्धि, जैसे चित्र काटना, वाद-विवाद और अन्य गतिविधियां समाचार पत्र के अध्ययन से विकसित की जा सकती हैं। अमेरिकी शिक्षाविदों और मनौवैज्ञानिकों द्वारा किए गए शोध के अनुसार समाचार पत्र नियमित पढ़ने वाले बच्चे , युवा,बुजुर्ग कोई भी हों इन लोगों के मित्र भी अधिक और अलग अलग क्षेत्रों से होते हैं, क्योंकि वे राजनीति, अर्थशास्त्र, सामान्य ज्ञान, खेल, फिल्म और धर्म के बारे में एक जीवंत संवाद स्थापित करते हैं। कहा भी गया है कि एक बात हमेशा याद रखी जानी चाहिए कि देखा हुआ या बोला हुआ तो इत्र की खुशबू की तरह थोड़ी देर में उड़ जाता है, लेकिन लिखा हुआ कालजई होता है।सदियों का दस्तावेज होता है। शिक्षकों के लिए समाचार पत्र एक विशेष आकर्षण प्रदान करता है। इसे जीवंत पाठ्यपुस्तक कहा गया है और यह उस नाम पर खरा उतरता है। समाचार पत्र का उपयोग पढ़ने, लिखने, सुनने, बोलने, गणित, सामाजिक अध्ययन और विज्ञान में कौशल बढ़ाने के लिए किया जा सकता है। आलोचनात्मक सोच सीखने के लिए समाचार पत्र का उपयोग करने का स्वाभाविक परिणाम है। पाठ्यपुस्तकों के विपरीत, जो छात्रों के हाथों में आने तक कई साल पुरानी हो जाती हैं, समाचार पत्र जानकारी से जीवंत हो जाता है। समाचार पत्र सीखने की गतिविधियों के लिए पृष्ठभूमि के रूप में उपयोग करने के लिए असीमित मात्रा में जानकारी के साथ पाठ्यक्रम का विस्तार करता है। मतलब यह है कि शिक्षकों को कक्षा में शिक्षण सहायक सामग्री के रूप में समाचार पत्र सामग्री का उपयोग करने और छात्रों की भागीदारी बढ़ाने के तरीकों पर प्रशिक्षण देना सर्वाधिक उचित होगा। दुनिया भर में समाचार पत्रों का उपयोग आसपास के बारे में अधिक से अधिक जानकारी प्राप्त करने के लिए एक वस्तु के रूप में किया जाता है। एक तरफ हम अपने आस-पास की घटनाओं का वैश्विक परिप्रेक्ष्य प्राप्त करते हैं, वहीं दूसरी तरफ समाचार पत्र छात्रों के बीच शैक्षिक उद्देश्यों के लिए भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। हालाँकि विद्यालय, शिक्षा और सीखने का मुख्य स्रोत बने हुए हैं, लेकिन ज्ञान और जागरूकता का विकास एक युवा शिक्षार्थी की पाठ्येतर गतिविधियों से जुड़ा हुआ है। इस संबंध में अनेकों शोध हुए हैं।

शिक्षा में समाचार पत्रों की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण है। समाचार पत्र छात्रों की शैक्षिक आवश्यकता को पचास फीसद तक पूरा करते हैं और विद्यार्थियों को प्रतिस्पर्धी बनाकर उनके लक्ष्य को प्राप्त करने में सहायता करते हैं। शोध से पता चलता है कि अभी भी बहुत कम लोग घर पर समाचार पत्र पढ़ पाते हैं, लेकिन बच्चों की क्षमताओं को बढ़ाने के संदर्भ में समाचार पत्रों का बहुत महत्व है। शिक्षकों को चाहिए कि वे छात्रों को अख़बार में कोई ऐसी तस्वीर ढूँढ़ने को कहें जो उन्हें दिलचस्प लगे। उन्हें यह सोचने को कहें कि तस्वीर में क्या चल रहा है। उन्हें यह बताने को कहें कि तस्वीर लेने से ठीक पहले उनके हिसाब से क्या हुआ था और उन्हें लगता है कि उसके बाद क्या होगा। उन्हें अपनी व्याख्या लिखनी चाहिए। फिर, रचनात्मक लेखन के मज़े के लिए, उन्हें उन सबसे अजीब घटनाओं के बारे में बताने को कहें जो वे सोच सकते हैं कि पहले और बाद में क्या हुआ था। इसका लक्ष्य कागज़ से चित्रों का उपयोग करके कहानी बताना है। यह गतिविधि छात्रों को यह पता लगाने का मौका देती है कि तस्वीरें किस तरह से कहानियाँ बता सकती हैं। छात्रों को आज के समाचार पत्र में मौजूद तस्वीरों को देखने को कहें। फिर छात्र तीन तस्वीरें चुनें और उन्हें बिना शीर्षक के काट लें। वे प्रत्येक तस्वीर को कागज़ की एक अलग शीट पर चिपका सकते हैं और शीट को उस क्रम में रख सकते हैं जिस क्रम में वे कहानी में दिखाई देंगे। अंत में, उन्हें प्रत्येक तस्वीर के नीचे शीर्षक के रूप में प्रत्येक कहानी लिखनी चाहिए। डिस्प्ले (प्रदर्शन) विज्ञापन पूरे अख़बार में पाए जाते हैं। वे वर्गीकृत विज्ञापनों से अलग होते हैं क्योंकि वे बड़े होते हैं और अक्सर उनमें चित्र और बड़े अक्षर होते हैं। छात्रों को एक डिस्प्ले विज्ञापन खोजने के लिए शिक्षक कहें जो उनका ध्यान आकर्षित करता है। उन्हें एक पैराग्राफ़ लिखने के लिए कहें जिसमें बताया गया हो कि उन्हें लगता है कि यह एक अच्छा विज्ञापन है या नहीं। इसने उनका ध्यान कैसे आकर्षित किया? इसे और बेहतर बनाने के लिए वे इसमें क्या बदलाव करेंगे? प्रत्येक छात्र को अपने डेस्क पर कुछ बेचने के लिए एक डिस्प्ल (प्रदर्शन) विज्ञापन बनाने के लिए कहें। फ़ोटो का संदेश कभी-कभी एक शब्द वाक्य में संदेश की तरह होता है। छात्रों को आज के अखबार को देखने और ऐसे चित्र खोजने के लिए कहें जिनका विषय प्रश्न चिह्न (?), विस्मयादिबोधक चिह्न (!) और अवधि (.) हो सकता है। उन्हें चित्रों को काटने और प्रत्येक चित्र के लिए एक मूल वाक्य लिखने के लिए कहें, जिसमें बताया गया हो कि उन्होंने यह विकल्प क्यों चुना। छात्रों से कहें कि वे कल्पना करें कि उनकी कक्षा में कोई गुप्त मित्र है और आज के अख़बार की सुर्खियों से शब्दों का उपयोग करके अपने मित्र के लिए एक दोस्ताना संदेश बनाएँ। वे शब्दों को काटकर संदेश को कागज़ के एक टुकड़े पर चिपका सकते हैं, या वे सिर्फ़ शब्दों को चुनकर संदेश को कागज़ पर लिख सकते हैं। उसके बाद, वे संदेश मित्र को दे सकते हैं।पालतू जानवर अक्सर अख़बारों में छपते हैं। कभी-कभी वे अपने मालिक को बचाने जैसे काम करके ख़बरों में आते हैं। अक्सर वे विज्ञापनों में दिखते हैं। छात्रों को वर्गीकृत विज्ञापनों में पालतू जानवरों का अनुभाग ढूँढ़ने के लिए कहें। उन्हें विवरण पढ़ने और यह तय करने के लिए कहें कि इनमें से कोई पालतू जानवर उनके लिए अच्छा पालतू जानवर होगा या नहीं। फिर वे एक ठोस तर्क लिख सकते हैं जिसमें वे सभी कारण शामिल हों कि उन्हें वह पालतू जानवर क्यों रखना चाहिए।समाचार अक्सर दुनिया में होने वाली परेशानियों के बारे में होते हैं। क्या कोई अच्छी खबर भी होती है? छात्रों को अच्छी खबर की कहानी खोजने के लिए प्रोत्साहित करें। खबर को अच्छा क्या बनाता है? क्या कहानी का उनके जीवन पर कोई प्रभाव पड़ता है? उन्हें अच्छी खबर का संक्षिप्त सारांश लिखने और अपनी कक्षा के साथ साझा करने के लिए कहें।छात्रों को अख़बार से कोई ऐसा लेख चुनने को कहें जो उन्हें दिलचस्प लगे। वे कागज़ के बीच में कुछ शब्दों में मुख्य विचार लिख सकते हैं। फिर वे मुख्य विचार का समर्थन करने वाले कुछ विवरण लिखेंगे।अपनी कक्षा के साथ संज्ञा की परिभाषा की समीक्षा करें। फिर उन्हें आज के अख़बार के पहले पन्ने से एक कहानी चुनने और संज्ञाएँ ढूँढ़ने को कहें। वे जो लोग पाते हैं उन्हें लाल रंग से, स्थानों को नीले रंग से और चीज़ों को हरे रंग से रेखांकित कर सकते हैं। फिर अपनी कक्षा में ढूँढ़ने वाली संज्ञाओं की एक सूची बनाएँ। छात्रों को बताएं कि वे एक महत्वपूर्ण मासिक पत्रिका के लिए कवर की योजना बनाने के प्रभारी हैं। वे आज के अखबार में से उन पाँच लेखों को देख सकते हैं जो उन्हें लगता है कि उनकी पत्रिका के लिए सबसे अच्छे होंगे। वे पत्रिका के लिए मुख्य पृष्ठ आकल्पन और संयोजन करेंगे, जिसमें ऐसे शीर्षक शामिल होंगे जो लोगों को लेख पढ़ने के लिए प्रेरित करेंगे और ऐसी तस्वीरें जो उनका ध्यान आकर्षित करेंगी।छात्रों को खेल अनुभाग से एक लेख चुनने को कहें। जैसे ही वे कहानी को पढ़ते हैं, वे खेल में इस्तेमाल होने वाले शब्दावली शब्दों की एक सूची बना सकते हैं। फिर उन्हें प्रत्येक शब्द के लिए एक परिभाषा लिखनी चाहिए और शब्द का अर्थ समझाने के लिए एक चित्र बनाना चाहिए। वे कोई अन्य शब्द जोड़ सकते हैं जो उन्हें लगता है कि खेल से संबंधित है, लेकिन जो लेख में नहीं है।एक समाचार पत्र को तैयार करने वाले पत्रकार कितने श्रमजीवी होते हैं छात्रों द्वारा समाचार पत्र निर्माण से उन्हें श्रमशीलता का महत्व भी पता चलता है। बड़ा महीन है अख़बार का मुलाज़िम भी! ख़बर खुद है, मगर दूसरों की लिखता है!! एक पत्रकार खुद के लिए कुछ ये शब्द गढ़ता है-बेसब्र, बेपरवाह, बेशक, बेसलीका हूँ मैं... बेख़ौफ़, बेमिसाल जीने का तरीक़ा हूं मैं। इक्कीसवीं सदी के कौशल (आलोचनात्मक सोच, रचनात्मकता, सहयोग और संचार 21वीं सदी के सीखने के कौशल कहे जाते हैं इन्हें संक्षेप में 4सी भी कहते हैं।) विकसित करने में समाचार पत्र वाचन, लेखन कार्य अत्यधिक महत्वपूर्ण हो सकता है जिससे अधिगम प्रभावी हो सकता है। निष्कर्ष रूप से अखबार की महत्ता इन पंक्तियों से स्पष्ट है-कुछ पन्नों का समूह हूं मैं। अलग-अलग पन्ने में अलग-अलग विषय में बांटा हुआ। इसका भी भारत जैसा हाल है। विविधता में एकता किसी पन्ने पर। राष्ट्रीय किसी पर अन्तर्राष्ट्रीय। किसी पर राज्य तो किसी पर शहर का समाचार है।कुछ राजनीतिक कुछ सामाजिक। कुछ अर्थनीति कुछ वैज्ञानिक। कुछ धार्मिक कुछ दार्शनिक। किंतु हर समाचार का सार है। अंत में 'शब्दों के खेत' में। आओ खामोशी को बोएं, तितलियों के पंखों को सपनों की जादुई छड़ी से सहलाएं...।

चिचोली में स्वास्थ्य सेवाओं की अनदेखी

शासकीय अस्पताल की भूमि पर किया जा रहा बस स्टैंड निर्माण

वार्ड क्र. 15 की पार्षद श्रीमती नेहा रूपेश आर्य ने कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर की शिकायत

पूर्व विधायक निलय डागा और घोड़ाडोंगरी विधानसभा क्षेत्र के पूर्व विधायक ब्रह्मा भलावी ने भी कलेक्टर से की चर्चा

बैतूल। नगर परिषद चिचोली द्वारा शासकीय अस्पताल की भूमि पर बस स्टैंड निर्माण कार्य शुरू करने के विवाद ने तूल पकड़ लिया है। वार्ड क्र. 15 की पार्षद श्रीमती नेहा रूपेश आर्य ने कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर इस विवादित प्रकरण की जांच की मांग की है। इस विषय पर पूर्व विधायक निलय डागा और घोड़ाडोंगरी विधानसभा क्षेत्र के पूर्व विधायक ब्रह्मा भलावी ने भी कलेक्टर से चर्चा की।

नेहा आर्य के अनुसार, 26 जून 2024 को नगर परिषद चिचोली ने बस स्टैंड निर्माण कार्य प्रारम्भ कर दिया और परिसर में स्थित वृक्षों की कटाई भी शुरू कर दी गई है। चिचोली विकासखण्ड सहित भैंसदेही, बैतूल, शाहपुर की करीब 1.5 लाख आबादी के लिए यह सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अत्यंत महत्वपूर्ण है, खासकर आर्थिक रूप से पिछड़े आदिवासी जनजातीय एवं पिछड़े वर्ग के लोगों के लिए।

स्वास्थ्य सुविधाओं से वंचित रखने का आरोप-श्रीमती आर्य ने आरोप लगाया है कि नगर परिषद चिचोली के अध्यक्ष और उनके परिवार ने अपने निजी स्वार्थ के लिए लोगों को स्वास्थ्य सुविधाओं से वंचित रखने का प्रयास किया है। उन्होंने कहा कि यह परिसर अपने कब्जे में लेकर बस स्टैंड की आड़ में व्यवसायिक कॉम्प्लेक्स बनाने की तैयारी में है। पूर्व में भी इनकी ओर से नगर की प्रमुख जगहों पर शासकीय भूमि पर अवैध कब्जे किए गए हैं। वर्ष 2015 में तत्कालीन नगर परिषद अध्यक्ष के पति ने बिना अनुमति के पांच आवासीय परिसरों को तोड़ दिया था। तात्कालिक खंड चिकित्सा अधिकारी श्री एन.के. चौधरी ने इस पर आपत्ति ली थी। इसके बाद कई बार निर्माण कार्य बंद कराए गए। वर्तमान में अस्पताल की भूमि स्व. बाजी वल्द भोंदू कलार द्वारा दान में दी गई थी।

नियमों का उल्लंघन का आरोप-नगर परिषद अध्यक्ष और उनका परिवार, जिन्हें भू-माफिया कहा जा रहा है, ने हजारों वर्ग फीट जमीन पर अवैध कब्जा किया है। वर्तमान में अस्पताल परिसर में बस स्टैंड का निर्माण ध्वनि प्रदूषण का कारण बनेगा, जिससे मरीजों को परेशानी होगी। नेशनल हाईवे के शहर के करीब होने के कारण यहां आपातकालीन स्वास्थ्य सुविधाओं की अत्यंत आवश्यकता है। श्रीमती नेहा रूपेश आर्य ने जनहित में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का उन्मुखीकरण कर सिविल अस्पताल बनाने की मांग की है। उन्होंने आग्रह किया कि अस्पताल परिसर को संरक्षित और सुरक्षित रखा जाए, ताकि भविष्य में स्वास्थ्य व्यवस्थाओं में कठिनाई न हो। श्रीमती आर्य ने शासन-प्रशासन से निवेदन किया कि उपरोक्त सभी बिंदुओं पर विचार कर व्यापक जनहित में इस कार्य को तत्काल रोका जाए और दोषियों पर कठोर दंडात्मक कार्यवाही की जाए। अन्यथा क्षेत्र के आमजन के साथ अन्याय होगा। ज्ञापन की प्रतिलिपि प्रमुख सचिव स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग, नगरीय प्रशासन आवास एवं विकास विभाग, आयुक्त नगरीय प्रशासन आवास एवं विकास विभाग संभाग नर्मदापुरम, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी बैतूल, अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) बैतूल को प्रेषित की गइ

किसानों को उचित दर पर उपलब्ध कराएं कृषि सामग्रियां : कलेक्टर

बैतूल। कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी ने कहा कि किसानों को उचित दर पर कृषि संबंधित सामग्री उपलब्ध कराई जाए। इसके लिए जरूरी है कि बिचौलियों को लेन-देन से दूर रखें। हमारा किसान जमीन पर ही रहता है और जमीन के लिए काम करता है उससे जुड़ने के लिए जरूरी है कि सीबीबीओ जमीन पर बेहतर काम करें, विशेष कर फसलों के मूल्य संवर्धन संबंधी कार्य करें। भीमपुर, भैंसदेही क्षेत्र में खरीफ में मिलेट फसलों के उत्पादन को प्रोत्साहित किया जाए। कलेक्टर श्री सूर्यवंशी शनिवार को जिला निगरानी समिति की बैठक को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ अक्षत जैन, एलडीएम एके सिंह, डीडीए आनंद बड़ोनिया सहित अन्य विभाग के अधिकारी, विभिन्न कृषक उत्पादक संगठन एवं सीबीबीओ संस्थाओं के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

नाबार्ड से जिला विकास प्रबंधक राहुल कुशवाह ने बताया कि भारत सरकार की 10 हजार एफपीओ योजना के अंतर्गत बैतूल जिले के विकासखंडों में 17 एफपीओ बनाये गये हैं। जिले में ज्यादातर एफपीओ द्वारा अपने किसान सदस्यों को उचित दर में कृषि संबंधित सामग्री जैसे खाद, बीज, मुहैया कराए जा रहे है। फार्मर प्रोड्यूसर ऑर्गनाइजेशन की गतिविधियों के प्रगति प्रतिवेदन पर चर्चा की गई। सीबीबीओ के प्रतिनिधियों ने एफपीओ की प्रगति का ब्यौरा पीपीटी प्रेजेंटेशन के माध्यम से दिया गया।

मंडी लाइसेंस फीस कम करने या किस्तों में लेने सचिव को दिए निर्देश

बैठक में कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने मंडी लाइसेंस फीस कम करने या किस्तों में लेने मंडी सचिव को निर्देशित किया। साथ ही भारत सरकार की एफपीओ से संबंधित 100 दिन की कार्य योजना के अंतर्गत सभी एफपीओ को विभिन्न लाइसेंस और बैंक क्रेडिट लिंकेज हेतु विभागों और बैंकों से अग्रणी सहयोग पर चर्चा की गई।

एफपीओ को सीएसआर सहायता हेतु विशेष मीटिंग आयोजित करने के लिए कहा। इसके अलावा सभी एफपीओ, सीबीबीओ को प्रोसेसिंग प्लांट स्थापित करने हेतु सब्सिडी के लिए हॉर्टिकल्चर विभाग से संपर्क करने के लिए कहा। साथ ही भारत सरकार की एआईएफ, पीएमएफएमई आदि योजनाओं एवं नाबार्ड की एएमआई सब्सिडी योजना के विषयों पर चर्चा की। सीईओ जिला पंचायत अक्षत जैन ने सभी एफपीओ को प्रोसेसिंग प्लांट के लिए बिजनेस प्लान जमा करने के लिए कहा। ग्राम वासियों में एफपीओ के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए कैंप और जनपद सभाओं हेतु आदेश भी दिए गए।

डॉक्टर्स डे दिवस,जन्मदिन पर लिया देहदान का संकल्प

बैतूल। समाज के कई लोगों को अपनी जिम्मेदारी का अहसास होता है। जिसमें वरिष्ठ नागरिक भी इसमें पीछे नहीं रहतें हैं। डॉक्टर्स डे और अपने जन्मदिन के अवसर पर 70 वर्षीय दिनेश कुमार श्रीवास ने अपनी देहदान का संकल्प पत्र दंत रोग विशेषज्ञ डॉ. शिवम शर्मा और होमियोपैथिक चिकित्सक डॉ.आदित्य शुक्ला की उपस्थिति में भरकर सौंपा। तिलक वार्ड निवासी दिनेश श्रीवास श्री राधा कृष्ण धर्मशाला गंज में एकाउंटेंट हैं। उन्होंने यह संकल्प स्वप्रेरणा से लिया। इस मौके पर डॉ.शिवम शर्मा और डॉ.आदित्य शुक्ला ने कहा के उम्र के इस दौर में समाज सेवा का यह जज्बा अनूठा है जिससे युवाओं को प्रेरणा लेना चाहिए। श्री श्रीवास के इस कार्य की सभी लोगों ने मुक्त कंठ से प्रशंसा की है।

कुंबी समाज संगठन ने लगाए 101 पौधे

बैतूल। ग्राम दनोरा में क्षत्रीय लोणारी कुनबी जिला संगठन जिला बैतूल के तत्वाधान में 101 पौधों का रोपण किया गया जिसकी अध्यक्षता संगठन के अध्यक्ष दिनेश महस्की द्वारा की गई। साथ ही घरोंदा की करुणा ताई एवं दिव्यांग बच्चों ने भी पौधारोपण में अपना योगदान दिया।

पर्यावरण संरक्षण के लिए इस पुनीत कार्य में क्षत्रिय लोणारी कुनबी समाज पूर्व सैनिक समिति के अध्यक्ष पंडरी डांगे, सदस्यगण, क्षत्रीय लोणारी कुनबी समाज महिला संगठन अध्यक्ष सिद्ध लता ताई महाले एवं कार्यकारी सदस्य, मधुबाला ताई देशमुख लायंस क्लब महिला संगठन के अध्यक्ष, श्री तुलसी गौ सेवा आश्रम की चित्रा सुरेन्द्र धोटे एवं सदस्य, ग्राम पंचायत दनोरा के सदस्य सम्मिलित हुए दिनेश महस्की ने पर्यावरण संरक्षण के लिए सभी को संदेश दिया कि सभी ने पर्यावरण संरक्षण के लिए कदम उठाने चाहिए और इस मानसून के समय सभी ने अनिवार्य तथा एक निश्चित संख्या में पौधे लगाने चाहिए। पौधारोपण के कार्य के लिए जिला पंचायत सदस्य अखिलेश वाघमारे ने सभी का धन्यवाद दिया।

इस अवसर पर प्रवीण ठाकरे, पी डी चिल्हाटे, नामदेव बारस्कर, सुरेश गायकवाड़, पीयूष पंडाग्रे, अंकुश बंजारे, शुभम ठोके, सुखदेव पांस, रामशंकर साबले, एम एम चढ़ोकार, हर्षवर्धन धोटे, रवि, राजेश्वरी लिखितकर, लता चढ़ोकार, सोनू धोटे, वंदना पंडाग्रे, सुमित्रा चिल्हाटे, जमुना पंडाग्रे आदि उपस्थित थे।

सावंगी में अज्ञात कारणों के चलते दो घरों में लगी भीषण आग

मौके पर पहुंची दमकल ने बुझाई आग

बैतूल/मुलताई- ग्राम सावंगी में अज्ञात कारणों के चलते दो मकानो में आग लग गई। जिसके कारण घर का पूरा सामान जल गया। गांव के लोग और परिजन आग बुझाने में जुटे रहे। इधर आगजनी की सूचना मिलते ही मौके पर मुलताई और आठनेर से फायर ब्रिगेड भी पहुंच गई थी, जिसने आग पर काबू पाया।

आगजनी में लाखों रुपए के नुकसान होने की बात सामने आ रही है। बताया जा रहा है कि सावंगी निवासी पांडुराव झरबडे और पंजाबराव झरबडे के मकान में अचानक आग लग गई थी।

जैसे ही घरों से लपेट उठती हुई दिखाई दी तुरंत ही इसकी सूचना दमकल को दी गई। इधर आग लगने की सूचना मिलते ही गांव के लोग मौके पर जमा हो गए और अपने-अपने साधनों से आग बुझाने क्या प्रयास करने लगे।

बताया जा रहा है कि आग लगने से करीब 2 से तीन लाख रुपए का नुकसान हुआ है। फायर टीम में धनराज पवार, विजय बडघरे और गिरीश पिपले ने मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पाया।

बैठक में प्रस्तुत किया बाबासाहेब अम्बेडकर जयंती समारोह के आय-व्यय का सम्पूर्ण ब्यौरा

पंचशील बुद्ध विहार, सदर में हुई सार्वजनिक अम्बेडकर जयंती समारोह समिति की बैठक

बैतूल। बाबासाहेब अम्बेडकर जयंती पर आयोजित सभी कार्यक्रमों की समीक्षा करने और आय-व्यय का ब्यौरा प्रस्तुत करने के उद्देश्य से 30 जून रविवार को दोपहर 2 बजे पंचशील बुद्ध विहार, सदर बैतूल में सार्वजनिक अम्बेडकर जयंती समारोह समिति की बैठक पंचशील बुद्ध विहार, सदर बैतूल में आयोजित की गई। समिति की अध्यक्ष आयु.आशा मांडवे की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में सदस्यों के समक्ष जयंती समारोह की आय-व्यय का सम्पूर्ण ब्यौरा प्रस्तुत किया गया।

अध्यक्ष आयु.आशा मांडवे ने सभी लेन-देन का निरीक्षण किया और समिति के पारदर्शिता और जिम्मेदारी के प्रति प्रतिबद्धता की सराहना की। उल्लेखनीय है कि इस वर्ष 14 अप्रैल को बाबासाहेब अम्बेडकर की जयंती सार्वजनिक अम्बेडकर जयंती समारोह समिति के तत्वावधान में हर्षोल्लास से मनाई गई थी। समिति के उपाध्यक्ष संदीप पाटिल ने बताया कि इस वर्ष की जयंती समिति के सहयोग और प्रयास से सफलतापूर्वक आयोजित की गई थी।

समारोह में समाज के विभिन्न वर्गों का योगदान रहा, जिससे कार्यक्रम अधिक प्रभावी और यादगार बना। जयंती के दौरान विविध सांस्कृतिक और शैक्षिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, जिनमें समाज के सभी वर्गों की सक्रिय भागीदारी रही।

बैठक में उपस्थित सदस्यों ने आगामी वर्ष के लिए और क्या किया जा सकता है इस पर भी विचार-विमर्श किया। साथ ही समारोह के पश्चात समिति के पास उपलब्ध शेष राशि के उपयोग पर भी चर्चा की गई। इसमें तय किया गया कि यह राशि आगामी वर्ष के कार्यक्रमों को और अधिक व्यापक और समृद्ध बनाने में उपयोग की जाएगी। अध्यक्ष आयु.आशा मांडवे ने बैठक के अंत में सभी सदस्यों और सहयोगियों का धन्यवाद व्यक्त किया और समारोह की सफलता में उनके योगदान की प्रशंसा की। उन्होंने आश्वासन दिया कि समिति आने वाले वर्षों में भी समाज और समुदाय की सेवा में निरंतर प्रयासरत रहेगी। इस प्रकार, बैठक सफलतापूर्वक सम्पन्न हुई और समिति ने अपने आगामी कार्यों की दिशा में एक ठोस कदम आगे बढ़ाया।

मां ताप्ती के संबंध में गलत टिप्पणी का विरोध, ताप्ती मंदिर के प्रमुख पुजारी बोले मांफी मांगें पंडित प्रदीप मिश्रा

बैतूल/मुलताई। प्रख्यात कथा वाचक प्रदीप मिश्रा ने बैतूल में आयोजित हुई ताप्ती शिव महापुराण कथा के दौरान मां ताप्ती के विषय में शास्त्र के विरुद्ध बात कही थी। इसका वीडियो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इस मामले में मुलताई के ताप्ती भक्तों में रोष व्याप्त है। मां ताप्ती मंदिर के प्रमुख पुजारी सौरभ जोशी ने पंडित प्रदीप मिश्रा से मुलताई आकर मां ताप्ती से क्षमा याचना करने और मां ताप्ती के जल का आचमन करने की बात कही है । उन्होंने बताया कि यदि पंडित प्रदीप मिश्रा मुलताई आकर मां ताप्ती से माफी नहीं मानेंगे, तो भक्त उनके खिलाफ आंदोलन करेंगे। सौरभ जोशी ने रविवार को वीडियो जारी कर बताया कि पंडित प्रदीप मिश्रा ने ताप्ती के बारे में कथा के दौरान कहा था कि वह कृष्ण पर मोहित हो गई थी और इस कारण यमुना ने उन्हें श्राप दिया था। जबकि इस बात का किसी भी शास्त्र में कोई उल्लेख नहीं है। ताप्ती मंदिर के प्रमुख पुजारी सौरभ जोशी ने बताया कि पंडित प्रदीप मिश्रा ने गलत जानकारी देखकर लोगों को गुमराह किया है। मां ताप्ती कभी भी इस प्रकार से कृष्ण पर मोहित नहीं रही और जो ताप्ती मैया में जल रूप में अस्तिया परिवर्तित होती है। यह ताप्ती की मुख्य महिमा है। उन्होंने बताया कि इस प्रकार हमारी माता ताप्ती पर गलत व्याख्यान देकर प्रदीप मिश्रा ने उनका अपमान किया है। इसके लिए उन्हें जल्द ताप्ती तट पर आकर जलपान कर माता से क्षमा याचना करनी चाहिए। उन्होंने सभी ताप्ती भक्तों से अपने-अपने स्तर पर इस गलत कथन के लिए विरोध प्रदर्शन करने की अपील भी की। पंडित मिश्रा के इस बयान के सामने आने के बाद ताप्ती भक्तों में भारी रोष है ।ताप्ती मंदिर के पंडित और ताप्ती ट्रस्ट के सदस्य सहित नगर के अनेक ताप्ती भक्तों ने इस पर अपनी तीखी प्रतिक्रिया दी है।

पुलिस ग्राउंड में हुआ पौधारोपण कार्यक्रम,जनमानस कल्याण संस्थान पुलिस इंडिया रिफॉर्म का सराहनीय कदम

बैतूल। जनमानस कल्याण संस्थान पुलिस इंडिया रिफॉर्म ने रविवार, 30 जून को पुलिस ग्राउंड में पौधारोपण अभियान का आयोजन किया। इस अभियान के तहत पीपल, बेल, और कल्पतरु के पांच-पांच पौधे लगाए गए, जिससे पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता और संवेदनशीलता को बढ़ावा मिला।

इस अभियान में पुलिस इंडिया रिफॉर्म के प्रदेश अध्यक्ष किशोर धोटे, रवींद्र धोटे, राजकुमार महतो, सतनाम सिंह बरवा, निलेश सोनी, गौतम यादव, विष्णु साहू, सोनू साहू, कृष्ण सिंह चौहान, राज साहू, कुंभारे जी, वर्मा जी, एवं अन्य सभी पदाधिकारी और सदस्यगण सक्रिय रूप से शामिल हुए।

आंसुओं के सैलाब, भावनाओं के समंदर सी जीत हिन्दुस्तान की...

हारे हुए परिंदे जरा उड़ के देख तो, आ जाएगी जमीं पे छत आसमां की

सफलता की कहानी

(राजेश शर्मा)
वरिष्ठ पत्रकार

रोमांचक - रोचक और हैरतअंगेज ये शब्द हम सब अकसर सुनते है पढ़ते है... पर 29 जून 2024 के दिन रोमांचक-रोचक और हैरतअंगेज कर देने वाले दृश्य को 150 करोड़ भारतीयों के साथ दुनिया भर ने साक्षात देखा तब यह शब्द मानों साकार हो उठे हो ... हर कोई कह उठा हारी हुई बाजी को जीतने का हौसला कोई हिन्दुस्तान और हिन्दुस्तानियों से सीखें.. हम सब के जीवन में क्या इस से प्रेरक और मोटिवेट करने वाली कहानी और कुछ हो सकती है....हर गेंद पर संघर्ष- हर पल नाटकीय मोड़- रोचकता ऐसी कि कुछ भी हो सकता है.. संशय - सस्पेंस और सन्नाटा ऐसा कि आंसुओं का सैलाब और भावनाओं का समंदर । इतिहास के पन्नों को जब - जब हम पलटेंगे तो 1983 में पहला विश्व कप जीतने से लेकर 29 जून 2024 की तिथि को बारबाडोस में भारतीय क्रिकेट टीम द्वारा इतिहास रचनें की कहानी स्वर्णिम अध्याय के रूप में हम सब को प्रेरित और मोटिवेट करती रहेगी। कुछ इस पंक्तियों की तरह ....

हारे हुए परिंदे जरा उड़ के देख तो, आ जाएगी जमीं पे छत आसमां की। खेल के मैदान की तरह ही हम सब जीवन संग्राम में संघर्ष ही तो करते है..

सरहद पर सैनिक , हर पहर धूप - छाँव बारिश में अथक मेहनत करने वाला अन्नदाता (किसान), अपने श्रम रूपी पसीने से नई सभ्यता गढ़ने वाला श्रमिक, नई पौध को तराशने वाले- भविष्य गढ़ने वाले शिक्षक, भगवान का स्वरूप सा दिखने वाले चिकित्सक, अपने व्यवसाय कौशल से प्रगति और विकास की कहानी लिखने वाला व्यवसायी और वे सब जो अपनी- अपनी विधाओं में सफलता की नयी कहानी लिख रहे है... कहने का सार यही है कि हम सब में वो क्षमता, प्रतिभा और टेलेंट छुपा हुआ है बस हारी हुई बाजी को जीतने का हौसला बरकरार रखे .. क्या पता हम में से ही कोई विवेकानंद, आइंस्टीन, ए. पी. जे अब्दुल कलाम, कपिल देव, अमिताभ, सचिन तेंदुलकर, लता मंगेशकर या रोहित, विराट, बुमराह, स्मृति मंधाना छुपा हुआ हो.....

सो हम सब बेहतर करने, हार में जीत की आदत डालें - पराजय में भी तो जय छुपा हुआ है... थक कर बैठ जाने वालों, हार मानने वालों की जय जयकार नही होती...क्या खूब कहा है ' कुछ किए बिना जय- जयकार नही होती। कोशिश करने वालों की कभी हार नही होती। जय हिंद - जय भारत।

बूथ स्तरीय कार्यकर्ताओं ने दिलाई जीत: वीडी शर्मा

पन्ना। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व खजुराहो सांसद विष्णुदत्त शर्मा ने रविवार को खजुराहो लोकसभा के गुन्नौर और पवई विधानसभा के मतदाता और कार्यकर्ता अभिनंदन समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की गरीब कल्याण की योजनाओं ने भाजपा को तीसरी बार ऐतिहासिक बहुमत से लोकसभा चुनाव में विजय दिलाई है। लोकसभा चुनाव में कांग्रेस ने जाति के आधार पर लोगों को बांटकर देश में विष घोलने का कार्य किया है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा ने पन्ना जिले के ग्राम बराछ और बिलघाड़ी पहुंचकर मतदाताओं को सम्मानित किया और भाजपा कार्यकर्ताओं का अभिनंदन किया।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष व सांसद वीडी शर्मा ने कहा कि जनता के आशीर्वाद और भाजपा कार्यकर्ताओं के अथक परिश्रम व मेहनत से भाजपा को यह ऐतिहासिक विजय प्राप्त हुई है। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में एनडीए सरकार की उपलब्धियों और देश की जनता का प्रधानमंत्री मोदी के प्रति अटूट विश्वास से तीसरी बार ऐतिहासिक बहुमत मिला है।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष शर्मा ने कहा कि भाजपा कार्यकर्ता आधारित संगठन है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में पार्टी कार्यकर्ताओं ने अपना बूथ सबसे मजबूत और बूथ जीतने के संकल्प को लेकर कार्य किया है, जिसका परिणाम है कि प्रदेश की 29 सीटों पर पार्टी को प्रचण्ड विजय मिली है। भाजपा कार्यकर्ताओं ने प्रत्येक बूथ पर पार्टी प्रत्याशी बनकर चुनाव लड़ा है और आज यह ऐतिहासिक दिन आया है। हर बूथ पर कार्यकर्ताओं ने जो अथक मेहनत व परिश्रम से पार्टी को विजय दिलाई है, उसकी आज देशभर में प्रशंसा हो रही है।

लंबे समय से प्रतीक्षारत प्राचीन नरसिंह मंदिर के नव निर्माण कार्य का हुआ श्री गणेश

विधायक निधि से दी गई 4 लाख की राशि से प्रारंभ हुआ मंदिर का नव निर्माण,नगर के दानदाताओं और श्रद्धालु भक्तों से सहयोग लेकर बनाया जाएगा भव्य मंदिर

सुबह सवेरे नालछा। नगर के अति प्राचीन श्री नरसिंह मंदिर की जीर्ण शीर्ण स्थिति को देखकर लंबे समय से मंदिर के नवनिर्माण के लिए प्रयास किए जा रहे थे लेकिन प्रयास परिणाम तक नही पहुंच पा रहे थे.ऐसे में वर्तमान में धरमपुरी विधायक कालुसिंह ठाकुर जो गत वर्ष नवंबर में संपन्न हुए विधानसभा चुनाव में भाजपा के अधिकृत प्रत्याशी के रूप में नालछा में जनसंपर्क के दौरान आशीर्वाद लेने के लिए नरसिंह मंदिर पहुंचे थे और दर्शन कर आशीर्वाद लिया था तब स्थानीय भक्तों द्वारा उन्हें मंदिर की वर्तमान स्थिति से अवगत करवाकर सहयोग की अपेक्षा की गई थी तब भाजपा प्रत्याशी कालूसिंह ठाकुर ने चुनाव में अपनी जीत के पश्चात मंदिर निर्माण कार्य प्रारंभ करवाने की बात कही थी.जैसे ही मध्यप्रदेश सरकार द्वारा विधायको की निधि जारी की गई वैसे ही धरमपुरी विधायक कालुसिंह ठाकुर ने अपनी निधि से 4 लाख रुपए की राशि मंदिर नव निर्माण कार्य के स्वीकृत कर जारी करवाई और रविवार को मंदिर नव निर्माण कार्य का भूमिपूजन कर निर्माण कार्य प्रारंभ करवाया गया।

फिलहाल चार लाख की राशि से मंदिर के बाहरी हिस्से के लिए ओपन कालम खड़े करकर सीमेंट कांक्रीट की पक्की छत डाली जाएगी वही भव्य मंदिर

निर्माण के लिए नगर सहित मंदिर से जुड़े श्रद्धालु भक्तों और दानदाताओ से भी सहयोग लिया जाएगा ।

रविवार को हुए मंदिर नवनिर्माण के भूमिपूजन कार्य में नालछा जनपद सदस्य पवन कुशवाह,विधायक प्रतिनिधि डाक्टर महेश यादव,भोजपाल दरबार,उपसरपंच राकेश कुशवाह,अनिल शर्मा,बूथ अध्यक्ष सुरेश दायमा,सत्यनारायण सेन,धीरज मिरदवाल,मुन्नालाल दरबार,पंडित सीताराम शर्मा,पंडित शैलेंद्र शर्मा,मुकेश जायसवाल, दिनेश कमाठी,निखिल ग्वाल,दीपक त्रिवेदी,जीवन दायमा,बाबू कुलकर्णी,लीलाधर कुशवाह,शंकर दायमा, शैलेंद्र ठाकुर,ग्राम पंचायत नालछा से सचिव जगदीश गिरवाल, राजेश गुर्जर,रितेश मावी,अशोक सूर्यवंशी,करण भूरिया आदि मौजूद थे।

नवनिर्मित मंदिर में विराजे भगवान सत्यानायण, शिखर पर चढ़ाई ध्वजा

हवन की हुई पूर्णाहुति, एक दिन पूर्व भगवान प्रतिमा को कराया नगर भ्रमण

धार। सकल पंच राठौड़ समाज के उटावद दरवाजा स्थित 100 वर्ष प्राचीन मंदिर के जीर्णोद्धार पश्चात नव निर्मित मंदिर में रविवार को भगवान श्री सत्यनारायण भगवान की प्रतिमा को विधिविधान के साथ विराजित किया गया। संपूर्ण धार्मिक क्रियाएं पंडित गोपाल जोशी व उनकी टीम ने संपन्न कराई। प्रात: शुरू हुआ हवन दोपहर 1 बजे तक चलता रहा। हवन में समाज के मुख्य यजमान सन्नी विशाल राठौड़ ने सपत्निक पूर्णाहुति दी।

समाज अध्यक्ष गिरीश राठौड़ एवं मंदिर निर्माण समिति अध्यक्ष सन्नी विशाल राठौड़ ने बताया कि सकल पंच राठौड़ समाज द्वारा नवनिर्मित मंदिर में भगवान की पुर्नप्रतिष्ठा को लेकर महोत्सव के तहत 28 जून से प्रारंभ हुए कार्यक्रम में 21 जोड़ों द्वारा हवन-पूजन किया गया। पुर्नप्रतिष्ठा महोत्सव के तहत शनिवार को भगवान की प्रतिमा को नगर भ्रमण कराया गया। शोभायात्रा समाज धर्मशाला उटावद दरवाजा से दोपहर 3 बजे प्रारंभ हुई, जो मोहन टॉकिज, हटवाड़ा, आनंद चौपाटी, पौ चौपाटी, नालछा दरवाजा, आजाद मार्ग से पुन: समाज धर्मशाला पर पहुंची, जहां यात्रा का समापन किया गया। शोभायात्रा में देश, प्रदेश व जिलेभर से आए समाज बंधु शामिल हुए। वहीं भगवान के नगर भ्रमण के दौरान अनेक मंचों से सामाजिक संस्थाओं व समाजजनों द्वारा पुष्पवर्षा कर स्वागत किया गया। इस दौरान महाप्रसादी का आयोजन भी किया गया। जिसमें हजारों की संख्या में लोगों ने प्रसादी ग्रहण की।

बोली लगाकर चढ़ाई ध्वजा....

मीडिया प्रभारी धर्मेन्द्र राठौड़ ने बताया कि रविवार 30 जून को मंदिर में भगवान की प्रतिमा के पुर्नस्थापना के पूर्व समाजजनों ने पूर्णाहुति एवं छप्पन भोग लगाकर भगवान की महाआरती की। सर्वप्रथम शिखर की बोली लगाई गई। जिसका लाभ रामचंद्र गेंदालाल राठौड़ को मिला। इसी के साथ हवन की बोली का लाभ सन्नी रमेशचंद्र राठौड़, भगवान को हार पहनाने का लाभ कमलेश राठौड़ आईवा, वस्त्र अर्पण का लाभ सोनू राठौड़ नौगांव, घंटी का लाभ राजमल राठौड़ मतलबपुरा, आरती की बोली का लाभ पवन भेरूलाल राठौड़ उटावद तथा छप्पन भोग की बोली का लाभ विनोद राठौड़ फारेस्ट वाले ने लिया। शाम को भजन संध्या का आयोजन किया गया। इसमें महिला मंडल अध्यक्ष पूनम मुकेश राठौड़ सहित अन्य महिलाओं ने बढ़-चढकर हिस्सा लिया। आभार नवयुवक मंडल अध्यक्ष विजेन्द्र राठौड़ ने माना।

खेल गुरु स्व. दिनकर जोशी को दी श्रद्धांजलि..

नर्मदापुरम। नर्मदा युवा संस्था नर्मदापुरम द्वारा प्राचीन नर्मदा घाट के विन्ध्याचल यात्री शेड पर नगर के विख्यात खेल गुरु स्व. दिनकर जोशी को सभा आयोजित कर श्रद्धांजली दी गई जोशी जी का विगत 14 जून को खण्डवा में 89 साल की आयु में निधन हो गया है। उनके प्रिय शिष्य उमाशंकर व्यास ने बताया कि श्री जोशी सर द्वारा नगर के सैकड़ों तैराकों को तैयार किया है। जिन्होंने राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नगर का गौरव को बढ़ाया है। कई खिलाड़ी विभिन्न शासकीय विभाग में अपनी सेवा दे रहे हैं। संस्था अध्यक्ष मुकुल गुप्ता ने कहा कि जोशी सर की कमी जीवंत पर्यंत पूरी होना असंभव है, ऐसी पुण्य आत्मा विरले ही जन्म लेती हैं इस दौरान सुधीर मिश्रा,श्याम राजदेव, अजित सिंह,राकेश बाथरे,राजा चौकसे, श्याम सिंह राजपूत,राजेश कुमार, मुकेश निगोटे,राजेश सोनी ,मुकेश अहिरवार,मोहन बमनीया, श्रीमती सोना रायकवार,श्रीमती कनक सत्या,श्याम नायक सहित तैराकी एवं ट्रायथलॉन खेल के खिलाडियों ने उपस्थित होकर दो मिनिट का मौन रख अपने श्रद्धा सुमन अर्पित किए।

विधायक ने रोका सांसद को कार्यकर्ता के पास जाने से

सुबह सवेरे सोहागपुर । शनिवार को नवनिर्वाचित सांसद दर्शनसिंह का सोहागपुर आगमन हुआ। उनका जनपद पंचायत परिसर में शिक्षकों के सानिध्य में आयोजित समारोह में नवनिर्वाचित सांसद दर्शनसिंह का स्वागत किया गया। सांसद दर्शनसिंह का विधानसभा क्षेत्र से दावेदारी करने वाले भाजपा नेता विशाल गोलानी के निवास पर उनका स्वागत समारोह निश्चित था। लेकिन जनपद पंचायत परिसर में क्षेत्रीय विधायक विजयपालसिंह ने सांसद दर्शनसिंह को वहां जाने से मना किया। वहीं उन्होंने विशाल गोलानी से अपशब्दों का प्रयोग किया। इस अवसर पर सांसद दर्शनसिंह, जनपद अध्यक्ष जालमसिंह,जनपद उपाध्यक्ष राघवेंद्र सिंह पटैल , अनेकों सरपंच उपस्थित थे ।इस मामले को लेकर नगर में खासी चर्चा रही ।

उल्लेखनीय है कि ग्राम सेमरी हरचंद के एक भाजपा के कार्यक्रम में विधायक विजयपालसिंह ने जनपद उपाध्यक्ष एवं ब्लाक भाजपा अध्यक्ष राघवेंद्र सिंह पटैल को मंच से उतारने की चर्चाएं चर्चित हैं ।इस अवसर पर जिला भाजपा अध्यक्ष माधवदास अग्रवाल भी उपस्थित थे ।वहीं बताया जाता लोकसभा चुनाव में पुराने थाने के पीछे आयोजित चुनावी सभा जिसमें मुख्यमंत्री मोहन यादव मुख्य अतिथि थे। इस सभा में भी जनपद अध्यक्ष जालमसिंह पटैल एवं उपाध्यक्ष राघवेंद्र सिंह पटैल को आने ही नहीं दिया गया था। उल्लेखनीय है कि राष्ट्रीय उत्सव 26 जनवरी को मुख्य समारोह के आमंत्रण पत्र पर प्रोटोकॉल के अनुसार जनपद अध्यक्ष जालमसिंह पटैल का नाम अंकित प्रशासन को करना था। लेकिन केवल मुख्य अतिथि द्वारा झंडा फहराया जाएगा ।जब इसकी शिकायत हुई। तब भी आनन-फानन में दूसरे आमंत्रण पत्र छपवाकर वितरित किए गए थे। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि सतपुड़ा टाइगर रिजर्व मढ़ई में पिछले सालों तीन जिलों के पार्षदों का प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया गया था ।जिसके बेनरों में ब्लाक अध्यक्ष का न नाम था ।न ही फोटो था। उसकी शिकायत ब्लाक भाजपा अध्यक्ष राघवेंद्र सिंह पटैल ने प्रदेश भाजपा संगठन भोपाल को थी।

अतिक्रमणकारी के सामने जिला प्रशासन, नगरपालिका और जिला शिक्षा अधिकारी तीनों बेबस ही नहीं लाचार..!

नर्मदापुरम। 1972 में शासनाधीन हुई एसएनजी स्कूल की भूमि का राजस्व रिकार्ड दुरुस्त नहीं किए जाने से इस सरकारी संपत्ति पर आतताई वाला कब्जा होने लगा.. या यूं कहा जाए कि, मुख्यालय पर इस अतिक्रमणकारी से निपट पाने में जिला प्रशासन, नगरपालिका, नजूल सहित शिक्षा विभाग तक पूरी तरह असहाय और बेबस है जिसने पहले ही नगरपालिका की बीस हजार फुट भूमि पर अवैध कब्जा कर रखा.. इसके बावजूद इस अतिक्रमण कारी की चौखट पर ये ढोक देने से बाज नहीं आते..! ऐसे में सवाल उठना लाजिमी है फिर छोटे असहायों के अतिक्रमणों को जेसीबी मशीन से तोड़ने या तुड़वाने में जिला प्रशासन और नगरपालिका को शर्म महसूस क्यों नहीं होती..? गरीब असहाय जबकि दो जून रोटी कमाने, परिवार पालने के लिए सरकारी जमीनों पर अतिक्रमण करते हैं। इसके दूसरी ओर रसूखदार सरकारी जमीन पर अतिक्रमण अपना रसूख जमाने, व्यापार करने के लिए करते हैं। नगरपालिका भूमि पर अतिक्रमण के बाद यह रसूखदार अतिक्रमणकारी अब सीधे आताताई बनकर शासकीय एसएनजी स्कूल की जमीन पर जा घमका यहां अतिक्रमण कर दो माला निर्माण कर लिया..!

दहशत में प्राचार्य ने इस मामले की उपर जिला शिक्षा अधिकारी को सूचना नहीं दी, ना जिला शिक्षा अधिकारी ने इस बाबत प्राचार्य से कभी कोई सवाल जवाब किया। देखा जाए तो इस अतिक्रमणकारी से सब आतंकित हैं। जो राजनैतिक रसूख इस्तेमाल कर अपने खिलाफ कार्यवाही करने वाले अधिकारीयों के पीछे पड़ कर उसे नुकसान पहुंचने में कसर नहीं छोड़ता। शासकीय एसएनजी स्टेडियम पर बने स्टेज के पीछे किसी समय 1972 से पहले कलेक्टर की अध्यक्षता वाली नर्मदा शिक्षा समिति दो कमरों में बीएड बीपीएड सहित क्लासें चला करती थी जिसके प्राचार्य आचार्य जी हुआ करते थे। वह अब यहां नहीं जहां आज रामलाल शर्मा स्कूल एक नये अतिक्रमण वाले भवन में खूबसूरती के साथ मुस्कुराता है।

भाजपा के जिले के सभी 37 मंडलों के 1879 बूथ केंद्रों पर मन की बात कार्यक्रम आयोजित

पूर्व केंद्रीय मंत्री,जिले के विधायक, पूर्व विधायक सहित जिला पदाधिकारी मंडल अध्यक्ष मन की बात कार्यक्रम में शामिल हुए

धार। भारतीय जनता पार्टी प्रदेश संगठन के निर्देशानुसार रविवार को देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मन की बात की बात के माध्यम से सामाजिक विषयों पर विकसित भारत की कल्पना को लेकर चर्चा की भारतीय जनता पार्टी जिला संगठन द्वारा जिले के सभी 37 मंडलों के 1879 मतदान केन्द्रों पर पार्टी कार्यकर्ताओं द्वारा मन की बात कार्यक्रम को सुना गया। जिले के वरिष्ठ नेताओं में पूर्व केंद्रीय मंत्री विक्रम वर्मा, विधायक नीना वर्मा और कालू सिंह ठाकुर, पूर्व मंत्री राजवर्धन सिंह दत्तीगांव जिला पंचायत अध्यक्ष सरदार सिंह मेड़ा, भाजपा प्रदेश मंत्री जयदीप पटेल, किसान मोर्चा प्रदेश महामंत्री दिलीप पटोदिया सहित

जिले के वरिष्ठ नेता जन प्रतिनिधि जिला पदाधिकारी जिले के सभी मंडल अध्यक्ष एवं कार्यकर्ताओं ने अपने-अपने बूथों पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी का मन की बात कार्यक्रम सुनकर एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत पौधारोपण किया।

भाजपा जिला अध्यक्ष मनोज सोमानी ने बताया कि प्रत्येक बूथ पर प्रधानमंत्री मोदी जी के विचार समाज तक पहुंचे और उनके अनुकरणीय प्रेरणादायक विचारों को लोग समझ सके यह कार्यक्रम काफी महत्वपूर्ण है। मोदी जी ने मन की बात कार्यक्रम के माध्यम से विभिन्न सामाजिक विषयों पर देशभर में बहुत ही लोकप्रिय है इससे समाज को नया आयाम और विभिन्न सकारात्मक कार्यों के प्रति प्रोत्साहन मिलता रहा है। जिले के सभी बूथों पर सामाजिक रूप से मन की बात कार्यक्रम को सुना गया पार्टी के सभी पदाधिकारी जनप्रतिनिधि किसी न किसी स्थान पर इस कार्यक्रम में भाग लिया है । उन्होंने कहा मध्य प्रदेश के संबंध में उल्लेख किए गए की सामाजिक विषयों को प्रादेशिक भाषा में मीडिया एवं सोशल मीडिया के माध्यम से अधिक से अधिक प्रचारित एवं प्रसारित किया गया। भाजपा जिला मीडिया प्रभारी संजय शर्मा ने बताया कि जिले के सभी मंडल अध्यक्ष बूथ अध्यक्ष एवं पन्ना प्रमुख स्थानीय समिति एवं कार्यक्रम के प्रभारी ने कार्यक्रमों के फोटो संगठन एप्प एवं नमो एप सरल अपलोड किया।

पार्वती-कालीसिंध-चंबल नदियों को जोड़ने की परियोजना का काम शुरू

म.प्र.-राजस्थान के सीएम ने रखी दो दशक पुराने प्रोजेक्ट की आधारशिला

भोपाल (नप्र)। एमपी और राजस्थान के बहु प्रतीक्षित रिवर लिंकिंग प्रोजेक्ट को दोनों राज्यों की सरकारों के संयुक्त प्रयास से शुरू किया है। भोपाल के कुशाभाऊ ठाकरे सभागार में मप्र के सीएम डॉ. मोहन यादव और राजस्थान के सीएम भजनलाल शर्मा ने संयुक्त रूप से पार्वती-कालीसिंध-चंबल लिंक राष्ट्रीय परियोजना के कार्यान्वयन की आधारशिला रखी।

ये योजना ऐसी हैं कि दोनों राज्य मिलकर इसे आगे बढ़ाएंगे- कार्यक्रम में राजस्थान के सीएम भजन लाल शर्मा ने कहा- मप्र राजस्थान दोनों ऐसे प्रदेश हैं जिनके पास जमीन है लेकिन सिंचाई के साधन कम थे। ये योजना ऐसी हैं कि दोनों राज्य मिलकर इसे आगे बढ़ाएंगे। पहले पानी के लिए कुंए, बावड़ी बनवाते थे, नदियों के घाट बनवाते थे उनसे पेयजल मिलता था।

मध्य प्रदेश और राजस्थान की यह योजना इतनी बड़ी है कि राजस्थान के लगभग 13 जिले इसमें आ रहे हैं, और करीब मध्य प्रदेश के भी इतने ही जिले इसमें आते हैं। नदी का पानी पूरा हिंद महासागर की तरफ पहुंच जाता था, और किसी प्रकार से उपयोग नहीं आता था। बारिश के समय हम देखते हैं की नदियां ओपन पर हैं, और पूरा पानी महासागर की तरफ चला जाता है।

हमारे पड़ोस में चीता है। हमारे रणथंबोर के टाइगर आपके यहां आ जाते हैं। इस तरह की योजना बने कि जहां टाइगर है वहां टाइगर रहे, और जहां चीता है वहां चीता रहे। ऐसे चंबल निकलती है वह दोनों क्षेत्र राजस्थान और मध्य प्रदेश के आसपास है। उसे क्षेत्र को आगे बढ़ने का काम करें। चंबल घड़ियाल अभयारण्य को लेकर दोनों क्षेत्रों में

प्रयास किया जा सकता है।

मंत्री सिलावट बोले- 2004 से लंबित पड़ी थी परियोजना- जल संसाधन मंत्री तुलसी सिलावट ने कहा- 2004 से पार्वती काली सिंध चंबल परियोजना लंबित पड़ी थी। आज दो व्यक्तित्व के प्रयासों और सोच, समन्वय से यह सौगात एमपी, राजस्थान को मिल रही है। 2003-04 में मध्यप्रदेश की सिंचाई का रकबा मात्र 6-7 लाख हेक्टेयर होता था।

मोहन यादव के नेतृत्व में आज 47 लाख हेक्टेयर में सिंचाई कर रहे हैं 2025 में हमारा लक्ष्य लगभग 65 लाख हेक्टेयर सिंचाई करेंगे। ये हमारा संकल्प है। सालों से हमारे यहां खुली नहरों से सिंचाई होती थी। अब मोहनपुरा कुंडलिया परियोजना एशिया की अनूठी परियोजना है। एमपी सौभाग्यशाली है कि दो-दो राष्ट्रीय परियोजनाएं जो अटल जी का सपना था वो साकार जो रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने राजस्थान के सीएम भजनलाल शर्मा को स्मृति चिह्न भेंट किया।

72 हजार करोड़ का है प्रोजेक्ट- इस परियोजना में कुल 72 हजार करोड़ रुपए खर्च होंगे। एमपी सरकार 35 हजार करोड़ और राजस्थान सरकार 37 हजार करोड़ रुपए खर्च करेगी। इस परियोजना से 6.17 लाख हेक्टेयर जमीन की सिंचाई होगी। मप्र की 3.37 लाख हेक्टेयर जमीन और 30 किसानों को फायदा होगा। राजस्थान की 2.80 लाख हेक्टेयर जमीन सिंचित होगी और 2 लाख से ज्यादा किसानों को फायदा होगा।

इस परियोजना में कुल 17 बांध और बैराज बनाए जाएंगे। जिनकी जलभराव क्षमता 1477.62 मिलियन घन मीटर होगी। 9 जिलों में पेयजल और 4 जिलों के उद्योगों को पानी मिल सकेगा।

चार बांध कटीला, सोनपुर, पावा, धनवाड़ी में बनेंगे- श्रीमंत माधव राव सिंधिया सिंचाई कॉम्प्लेक्स पर चार बांध कटीला, सोनपुर, पावा, धनवाड़ी में बनाए जाएंगे। वहीं, श्यामपुर और नैनागढ़ में दो बैराज बनाए जाएंगे। इससे गुना, श्योपुर, शिवपुरी, ग्वालियर, भिंड में 1.48 लाख हेक्टेयर जमीन की सिंचाई होगी। इन बांधों बैराजों में 564 मिली घनमीटर पानी स्टोरेज क्षमता होगी।

गुना जिले में कुंभराज कॉम्प्लेक्स दो बांध बनेंगे। जिनसे 51600 हेक्टेयर जमीन सिंचित होगी। रणजीत सागर बांध और लखसुंदर बैराज से शाजापुर, आगर-मालवा जिले की 50 हजार हेक्टेयर जमीन की सिंचाई होगी।

ऊपरी चंबल कछार में 7 बांध बनेंगे। इनमें सोनचिरी, रामवासा, बचौरा, पदुनिया, सेवरखेड़ी,चितावत, सिकरी सुल्तानपुरा बांधों से उज्जैन, इंदौर, धार जिले की 87 हजार हेक्टेयर जमीन की सिंचाई होगी।

भाजपा नेता के बेटे पर फायरिंग, तलवार भी मारी

ग्वालियर में कार सवार बदमाशों ने किया हमला ; राइफल छोड़कर भागे

ग्वालियर (नप्र)। ग्वालियर में रविवार दोपहर भाजपा के प्रदेश महामंत्री ज्ञान सिंह गुर्जर के बेटे पर कार सवार बदमाशों ने फायरिंग की। आवाज सुनकर परिजन और दूसरे लोग वहां आ गए। उन्होंने हमलावरों को पकड़ने की कोशिश की। इस दौरान बदमाश अपनी लाइसेंसी राइफल छोड़कर भाग गए। जाते-जाते एक हमलावर ने बीजेपी नेता के बेटे को तलवार मार दी। जिससे वो घायल हो गया।

घटना दोपहर करीब 3 बजे सात नंबर चौराहा सीपी कॉलोनी मुरार की है। भाजपा नेता ज्ञान सिंह ने मुरैना के रहने वाले संदीप मावई पर हमले का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि लोन को लेकर उसके भांजे से संदीप का विवाद है। ज्ञान सिंह गुर्जर भाजपा के प्रदेश महामंत्री हैं। उनके दो बेटे लव गुर्जर और पुष्पेन्द्र गुर्जर हैं। उन्होंने बताया- रविवार दोपहर करीब 3 बजे लव गुर्जर को उसके मामा के बेटे अनुज गुर्जर का कॉल आया था। जिसके बाद लव घर के बाहर खड़ा हो गया। इस बीच, वहां कार से संदीप मावई (गुर्जर) चार से पांच अन्य साथियों के साथ आया। गाली-गलौज करते हुए राइफल से फायर कर दिया। लव ने नीचे झुक कर जान बचाई। इसके बाद बाद हमलावरों ने एक और फायर किया।

जाते-जाते तलवार से किया हमला

गोलियों की आवाज सुनकर लव का छोटा भाई पुष्पेन्द्र गुर्जर बाहर आया। वह हमलावरों से भिड़ गया। मदद के लिए आसपास के अन्य लोग भी आ गए। घबराकर बदमाश भागने लगे, लेकिन हड़बड़ाहट में राइफल छोड़कर भाग गए। भागते समय हमलावरों ने पुष्पेन्द्र पर तलवार से हमला कर दिया। पुलिस ने हमलावरों की तलाश में नाकाबंदी कर दी है।

करोड़ों के फर्जी लोन का विवाद

भाजपा नेता ज्ञान सिंह ने बताया, मेरा भांजा अनुज गुर्जर सिटी सेंटर में रहता है। वह प्राइवेट बैंक में पदस्थ है। हमलावर संदीप मावई निवासी मुरैना ने फर्जीवाड़ा कर एक या दो करोड़ का लोन लिया है। इसकी जानकारी भांजे को है। संदीप का आरोप है कि अनुज उसे बदनाम कर रहा है। इसी कारण उनके बीच विवाद है। संदीप को लगता है कि मेरे दोनों बेटे भी उसके साथ मिले हैं। रविवार दोपहर अनुज को धमकी देते हुए संदीप ने सात नंबर चौराहा पर बुलाया था। अनुज पहुंचा, लेकिन खुद को अकेला पाकर बेटे लव को फोन कर आने को कहा, लेकिन हमलावर हमारे घर के बाहर ही पहुंच गए और हमला कर दिया।

घायल बोला- मैं तो भाई की आवाज सुनकर गया- घायल पुष्पेन्द्र ने बताया, ' मैं भाई लव की आवाज सुनकर आया। बाहर से गोलियों की आवाज आ रही थी। भाई चिल्लाया तो आ गया। हमलावरों से संघर्ष भी किया। विवाद के बारे में मुझे नहीं पता। हम संघर्ष नहीं करते, तो जान भी जा सकती थी। सीएसपी मुरार राजीव जंगले का कहना है कि मामले में हमलावर का नाम सामने आया है, उसकी तलाश की जा रही है।

पुलिस जीप में दामाद की चप्पलों से पिटाई

थाने लेकर जा रहे थे पुलिसकर्मी, भीड़ ने घेरा ; पत्नी की हत्या का आरोप

रीवा (नप्र)। रीवा में बेटी की मौत पर मायके की महिलाओं ने दामाद को पुलिस जीप में ही चप्पलों से पीटा। उनका आरोप है कि पति और ससुराल वालों ने मिलकर बेटी की हत्या की है। जिला अस्पताल में रविवार सुबह से ही मायके और ससुराल वालों में तनाव की स्थिति थी।

दोपहर होने तक भीड़ बढ़ गई और दोनों पक्ष आमने-सामने आ गए। हंगामा बढ़ने पर पुलिस मौके पर पहुंची। माहौल बिगड़ता देख पुलिस ने महिला के पति को जीप में बैठाया और थाने ले जाने लगी, इतने में भीड़ ने गाड़ी घेर ली। महिलाओं ने पानी की बोटल और चप्पलों से दामाद की पिटाई शुरू कर दी। पुलिस किसी तरह से महिला को पति को बचाकर थाने ले गई।

दहेज के लिए परेशान करने का आरोप- भोलगढ़ की दीक्षा पाठक की शादी शहर के विंध्य विहार कॉलोनी के ऋषि मिश्रा से 29 मई 2023 को हुई थी। परिजन के मुताबिक, शनिवार - रविवार की दरमियानी रात 3 बजे उन्हें फोन पर बताया गया कि दीक्षा की तबीयत खराब है। अस्पताल पहुंचे तो बेटी मृत मिली। मायके वालों का आरोप है कि ससुराल वाले दहेज के लिए बेटी को परेशान कर रहे थे। मजबूरी में हमने जमीन बेचकर 5 लाख रुपए दिए थे।

महिला के पति से पूछताछ कर रहे- सिविल लाइन थाना टीआई कमलेश साहू के मुताबिक मामले में 304 बी का मामला दर्ज किया जाएगा। प्रथम दृष्ट्या दहेज प्रताड़ना का मामला लग रहा है। उसी आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। महिला का पति कॉलेज चौराहे पर पान की गुमटी चलाता है। महिला के घर वालों ने ससुराल पक्ष के पांच सदस्यों- पति, सास-ससुर और जेठ-जेठानी पर हत्या का आरोप लगाया है। फिलहाल दोनों पक्षों के बयान लिए जा रहे हैं। महिला के पति से भी पूछताछ की जा रही है। पोस्टमार्टम करवाने के बाद शव परिजन के सुपुर्द कर दिया गया है।

बहन बोली- दहेज मांग रहे थे ससुराल वाले- मृतक की बहन मीनाक्षी ने बताया, शादी के समय पिता ने 5 लाख रुपए नकदी , एक तोला सोना और गृहस्थी का सामान दिया था। फिर भी बहन के ससुराल पक्ष वाले दहेज मांग रहे थे। तीन महीनों से बहन का फोन रिचार्ज नहीं था। ससुराल वाले लोग बोल रहे हैं कि बहन ने जहर खा लिया, लेकिन असलियत में ससुराल वालों ने उसे पीटा है।

भोपाल में बारिश ; ग्वालियर समेत 17 जिलों में भी अलर्ट

इंदौर-उज्जैन में आंधी के साथ पानी गिरेगा, पूरे एमपी में स्ट्रॉन्ग सिस्टम एक्टिव

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश में बारिश का स्ट्रॉन्ग सिस्टम एक्टिव है। रविवार को भोपाल में दोपहर 2 बजे तेज बारिश शुरू हो गई थी। ग्वालियर और जबलपुर समेत 17 जिलों में भी तेज बारिश का अलर्ट है। इंदौर, उज्जैन भी भीगेंगे। इससे पहले शनिवार को भोपाल, इंदौर, उज्जैन समेत 25 से ज्यादा जिलों में बारिश हुई।

मौसम विभाग, भोपाल के वैज्ञानिक अरुण शर्मा ने बताया कि प्रदेश में 3 साइक्लोनिक सर्कुलेशन एक्टिव हैं। बंगाल की खाड़ी से नमी आ रही है। वहीं, ट्रफ लाइन भी गुजर रही है। इस कारण पूरे प्रदेश में बारिश का स्ट्रॉन्ग सिस्टम बना हुआ है। उत्तर और पूर्वी हिस्सों में इसका असर

ज्यादा है।

सिवनी-मलाजखंड में सबसे ज्यादा बारिश- प्रदेश में मानसून की स्ट्रॉन्ग एक्टिविटी देखने को मिली। भोपाल में तेज बारिश हुई। शाम तक 1 इंच से ज्यादा पानी गिर गया। बालाघाट के मलाजखंड और सिवनी में सवा इंच, उमरिया और खजुराहो में 1 इंच बारिश दर्ज की गई। मंडला, धार, नर्मदापुरम, पचमढ़ी, रतलाम और उज्जैन में भी बारिश हुई।

अनूपपुर, उमरिया, बालाघाट, डिंडोरी, मंडला, जबलपुर, कटनी, पन्ना, रायसेन, सीहोर, विदिशा, राजगढ़, देवास, शाजापुर, भिंड, मंदसौर, सिवनी, सीधी, सिंगरौली, शिवपुरी, शहडोल के साथ श्योपुरकलां, मुरैना, झाबुआ, अलीराजपुर, टीकमगढ़, छतरपुर, सतना, मैहर, रीवा, मऊगंज, शहडोल, छिंदवाड़ा, बैतूल, पांढुर्ना, नर्मदापुरम समेत कई जिलों में बारिश की वजह से टेम्प्रेचर में गिरावट हुई।

भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, जबलपुर, उज्जैन समेत कई जिलों में पारा 32 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहा। पचमढ़ी सबसे ठंडा रहा। यहां दिन का तापमान 26.8 डिग्री रहा। सिवनी में 27.2 डिग्री, मलाजखंड में 28.5 डिग्री और मंडला में पारा 28.8 डिग्री टेम्प्रेचर दर्ज किया गया।

सनातनी इनफ्लुएंसर ग्रुप द्वारा 6 माह में 18 मंदिरों में स्वच्छता सेवा अभियान चलाकर कायाकल्प किया

भोपाल (नप्र)। आज सनातनी इनफ्लुएंसर ग्रुप द्वारा डिजिटल क्रांति के माध्यम से एक सामाजिक संस्था बनाकर मंदिरों में स्वच्छता सेवा अभियान प्रारंभ किया, जिसमें प्राचीन मंदिरों को चिन्हित करके, वहां स्वच्छता सेवा अभियान और मंदिर परिसर का जीर्णोद्धार का कार्य इस ग्रुप द्वारा चलाए जा रहा है। जनवरी माह से शुभारंभ इस ग्रुप की रचना पांच युवाओं द्वारा की गई थी, उसके बाद सोशल मीडिया पर प्रचार प्रसार करके, आज इस ग्रुप में 500 से अधिक मेंबर जुड़ चुके हैं, और इंस्ट्राग्राम पर 2000 से ज्यादा लोग इस फाउंडेशन को फॉलो कर रहे हैं, 100 से अधिक एक्टिव मेंबर हर रविवार प्रातः काल में स्वच्छता सेवा अभियान में भागीदारी करते हैं। युवा लड़कों के साथ-साथ इस ग्रुप में बहने और महिलाओं का बहुत बड़ा योगदान है। एक हफ्ते में प्राचीन मंदिर को चिन्हित करके, उसे देखने का कार्य किया जाता है, फिर संस्था द्वारा मंदिर स्वच्छता सेवा अभियान चलाकर मंदिर में सौंदर्यीकरण का कार्य बढ़-चढ़ कर किया जाता है। स्वच्छता के बाद वृक्षारोपण का कार्यक्रम और फिर साथ ही सभी सदस्यों द्वारा भजन संध्या और ब्लड डोनेशन का आयोजन किया जाता है, भगवान की भक्ति में लीन होकर सभी सदस्य भगवान से प्रार्थना करते हैं , सनातन धर्म हमेशा सेवा रूप से समाज में कार्य करता रहे और इस ग्रुप

के द्वारा इंदौर, ग्वालियर और नागपुर में भी मंदिर स्वच्छता सेवा अभियान की तर्ज पर युवा इस कार्यक्रम को प्रारंभ कर चुके हैं।

6 माह में 18 मंदिरों का कायाकल्प किया, व्हाट्सएप और इंस्टाग्राम के माध्यम से युवाओं का संचार कर सभी को एक मीटिंग में आने का आमंत्रण दिया और उसके बाद ग्रुप निरंतर हर रविवार को भोपाल के प्राचीन मंदिरों को चिन्हित कर मंदिर स्वच्छता सेवा अभियान बड़े स्तर पर चला रहा है। और आज मिनाल गेट नंबर 2 स्थित प्राचीन पंचमुखी हनुमान मंदिर पर मंदिर स्वच्छता सेवा अभियान का 18 अध्याय पूर्ण किया गया ।

ग्रुप के सदस्यों का कहना है अपने जीवन का दिन महत्वपूर्ण नहीं होता, महत्वपूर्ण ये है कि हम अपने सनातन धर्म के लिए कितना जीते हैं और क्या कर पाते हैं।

इस पहल में शहर के कई उच्च शिक्षित युवा शामिल है, जो हर रविवार को मंदिर स्वच्छता सेवा में आकर अपना योगदान देते हैं, जिसमें से कहीं इंजीनियर, टीचर, चार्टर्ड अकाउंटेंट सहित कई नौकरी पेश युवाओं के साथ, कॉलेज में पढ़ने वाले छात्र भी शामिल है।

इस ग्रुप के सदस्य - शुभम सोनी, हनी शर्मा, पंडित जी बिट्टू शर्मा, शुभम गुप्ता, ईशा आर्य, अंशिकि गुप्ता, आकाश अहिरवार, रोहित लखेरा, पंकज, राहुल भाई, इशू , रोहित सहित अनेकों युवा इस ग्रुप में शामिल है।

कही-सुनी

रवि भोई

(लेखक पत्रिका समवेत सृजन के प्रबंध संपादक और स्वतंत्र पत्रकार हैं।)

मंत्री बनने की दौड़ में मूणत-अजय के साथ लता और पुरंदर भी

माना जा रहा है कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय विधानसभा के मानसून सत्र के पहले अपने मंत्रिमंडल का विस्तार और कुछ हेरफेर कर सकते हैं। साय मंत्रिमंडल में अभी मंत्रियों के दो पद रिक्त हैं। एक-दो मंत्रियों को ड्राप करने और कुछ के विभाग बदलने की भी चर्चा है। कहा जा रहा है कि मंत्रिमडल के विस्तार में अनुभवी और वरिष्ठ लोगों को प्राथमिकता मिल सकती है। कहा जा रहा है कि विधानसभा में मैनेजमेंट की दृष्टि से पूर्व मंत्री अजय चंद्राकर को प्राथमिकता मिल सकती है। बृजमोहन अग्रवाल के सांसद बनने और मंत्री पद से इस्तीफे के बाद फ्लोर मैनेजमेंट के नजरिए से अजय चंद्राकर का नाम आगे चल रहा है। लोकसभा चुनाव में क्लस्टर इंचार्ज के तौर पर बेहतर परफॉर्मेंस ने अजय चंद्राकर का ग्राफ बढ़ा दिया है। राजेश मूणत भी लोकसभा चुनाव में क्लस्टर इंचार्ज थे और उनके प्रभार वाले लोकसभा में भाजपा की जीत हुई है। इसके कारण मूणत का नाम भी मंत्री बनने वालों में शामिल है। इसके अलावा मूणत बिजनेस कम्युनिटी का प्रतिनिधित्व करते हैं। खबर है कि भाजपा बिजनेस कम्युनिटी को नजरअंदाज नहीं करना चाहती है। बस्तर से अभी केदार कश्यप ही मंत्री हैं, इस कारण लता उसेंडी का नाम चर्चा में है। लता उसेंडी पूर्व में मंत्री रह चुकी हैं। ओडिशा में भाजपा की जबर्दस्त जीत के बाद रायपुर उत्तर के विधायक पुरंदर मिश्रा का नाम भी तेजी से सामने आया है। कहा जा रहा है पुरंदर मिश्रा ने ओडिशा में चुनाव के वक्त काफी काम किया, उसका उन्हें ईनाम मिल सकता है। तर्क दिया जा रहा है कि पुरंदर मिश्रा को मंत्री बनाए जाने से तीन बात सध जाएगी। पुरंदर मूलतः महासमुंद जिले के निवासी हैं,उनको मंत्री बनाए जाने से रायपुर के साथ महासमुंद का कोटा भी पूरा हो जाएगा साथ ही एक ओड़िया भाषी को छत्तीसगढ़ में मंत्री बनाने का संदेश ओडिशा में जाएगा।

अरुण देव गौतम और हिमांशु गुप्ता बनेंगे डीजी

कहते हैं पिछले हफ्ते डीजी के तीन रिक्त पदों के लिए डीपीसी हुई। इसमें 1992 बैच के आईपीएस अरुण देव गौतम और पवन देव के साथ 1994 बैच के आईपीएस हिमांशु गुप्ता के नामों पर विचार हुआ। कहा जा रहा है कि एक पुराना मामला लंबित होने के कारण पवन देव का नाम अभी बंद लिफाफे में है। पदोन्नति समिति ने अरुण देव गौतम और हिमांशु गुप्ता के नाम को हरी झंडी दे दी। माना जा रहा है कि दोनों आईपीएस अधिकारी अब डीजी के पद पर प्रमोट हो जाएंगे और अगले हफ्ते आदेश जारी हो जाएगा। वैसे 30 साल की सेवा पूरी करने के कारण अरुण देव गौतम को 2022 में ही डीजी बन जाना चाहिए था, उनकी पदोन्नति दो साल विलंब से होने जा रही है। पुलिस में डीजी पद पर प्रमोशन का मामला काफी दिनों से अटका पड़ा था। चर्चा है कि अब असली लड़ाई डीजीपी की नियुक्ति में होनी है। वर्तमान डीजीपी अशोक जुनेजा का कार्यकाल अगस्त में समाप्त होने जा रहा है।

लखमा ने बैज के खिलाफ खींची तलवार

कहते हैं कांग्रेस नेता और विधायक कवासी लखमा ने प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। कवासी लखमा बस्तर से लोकसभा चुनाव लड़े और हार गए। पार्टी ने दीपक बैज का टिकट काटकर कवासी को उम्मीदवार बनाया था। कहा जा रहा है कि तब से दोनों के बीच छत्तीस का आंकड़ा चल रहा है। शुक्रवार को वीरप्पा मोईली की अध्यक्षता में लोकसभा चुनाव में पराजय के कारणों के लिए आयोजित समीक्षा बैठक में कवासी ने गुटबाजी का आरोप लगा परोक्ष रूप से दीपक बैज पर निशाना लगाया। दीपक को विधानसभा चुनाव के कुछ महीने पहले ही प्रदेश अध्यक्ष बनाया गया था। छत्तीसगढ़ में कांग्रेस दीपक बैज के नेतृत्व में विधानसभा चुनाव भी हारी और लोकसभा भी। दीपक खुद भी विधानसभा चुनाव हार गए। कुछ नेता कह रहे हैं कि दीपक की जगह नई नियुक्ति की जानी चाहिए,पर कुछ लोगों का कहना है कि उन्हें काम करने के लिए समय ही नहीं मिला, ऐसे में उन्हें आगे मौका दिया जाना चाहिए। कुछ लोग यह भी तर्क दे रहे हैं कि कांग्रेस ने धनेन्द्र साहू को अध्यक्ष बनाया था, तब भी राज्य में पार्टी की विधानसभा और लोकसभा में हार हुई थी, उसके बाद भी उन्हें अध्यक्ष के पद पर बनाए रखा गया था। बात कुछ भी हो, लग रहा है कि कांग्रेस में प्रदेश अध्यक्ष को लेकर खींचतान तो चल रही है। अब नतीजे का इंतजार है।

जीपी के लिए केंद्र से हरी झंडी का इंतजार

कहते हैं 1994 बैच के आईपीएस अफसर जीपी सिंह की सेवा बहाली को लेकर राज्य सरकार को भारत सरकार से हरी झंडी का इंतजार है। कैट ने जीपी सिंह के पक्ष में फैसला दिया है। भूपेश बघेल की सरकार ने जीपी सिंह को बर्खास्त करने की सिफारिश की थी, जिसे भारत सरकार ने मान लिया था। अब कैट ने उन्हें बहाल करने का आदेश दिया है। राज्य सरकार ने कैट के फैसले के आधार पर भारत सरकार से मार्गदर्शन मांगा है। जीपी सिंह बहाल होते हैं तो डीजी स्तर के पद पर पदस्थ होंगे।

सक्सेना का सिक्सर

राज्य सरकार ने महेंद्रसिंह सक्सेना को मंडी बोर्ड के प्रबंध संचालक पद पर छह माह की संविदा नियुक्ति दे दी है। 30 जून को रिटायर हो रहे सक्सेना को एक जुलाई से संविदा नियुक्ति मिल गई। सक्सेना मूलतः मंडी बोर्ड के अफसर हैं। यहाँ से सेवा शुरू कर वे प्रबंध संचालक के पद तक पहुंचे और अब उन्हें प्रबंध संचालक के पद पर संविदा नियुक्ति मिली है। यह उपलब्धि हासिल करने वाले मंडी बोर्ड के पहले अधिकारी हैं। एकाध अवसर को छोड़कर हमेशा मंडी बोर्ड के प्रबंध संचालक पद पर भारतीय प्रशासनिक सेवा के अफसरों की नियुक्ति होती रही है।

6-7 जिलों के कलेक्टर बदलेंगे

कहा जा रहा है कि विधानसभा के मानसून सत्र के पहले राज्य के 6-7 जिलों के कलेक्टर इधर से उधर होंगे। कुछ कलेक्टरों को एक जिले से दूसरे जिले में भेजा जाएगा, तो कुछ को मंत्रालय में पदस्थ किया जाएगा। इस फेरबदल में मंत्रालय में पदस्थ कुछ अफसरों के विभागों में फेरबदल की संभावना व्यक्त की जा रही है। माना जा रहा है कि कलेक्टरों के साथ आधे दर्जन से ज्यादा जिलों के एसपी भी इधर से उधर हो सकते हैं।